खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 04 जुलाई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-183

21 तोपों की सलामी के साथ

मोदी को मिला 'ऑर्डर ऑफ द स्टार' सम्मान

घाना में 'हरे राम हरे कृष्ण' से हुआ स्वागत

अक्कारा/नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को पाँच देशों की महत्वपूर्ण यात्रा पर है। इसका मुख्य उद्देश्य अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और कैरिबियन में भारत की साझेदारी को मजबूत करना है। यह यात्रा घाना से शुरू हुई।

पीएम मोदी तीन दशकों में घाना का दौरा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने हैं। घाना में उन्हें 'ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना' से भी सम्मानित किया गया और घाना के बच्चों ने 'हरे राम हरे कृष्ण' का मंत्रोच्चार कर स्वागत किया गया। श्री मोदी ने बुधवार को इस सम्मान के लिए घाना के राष्ट्रपति को धन्यवाद दिया और इसे 'अत्यंत गर्व का विषय' बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने घाना के राष्ट्रपति महामा से द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक साझेदारी तक बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। दोनों देशों के शीर्ष नेताओं ने रक्षा, सुरक्षा, कौशल विकास और कृषि जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का फैसला किया। प्रधानमंत्री ने 140 करोड़ भारतीयों की ओर से पुरस्कार स्वीकार करते हुए इस सम्मान को भारत के युवाओं की आकांक्षाओं, इसकी सांस्कृतिक परंपराओं और विविधता तथा घाना और भारत के बीच ऐतिहासिक संबंधों को समर्पित किया। ▶10पर

भारत-घाना ने द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला किया : मोदी

अक्कारा/नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज अक्कारा में राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा से बातचीत के बाद कहा कि भारत और घाना ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि भारत घाना के राष्ट्र निर्माण की यात्रा में सिर्फ भागीदार ही नहीं बल्कि सह-यात्री भी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने द्विपक्षीय वार्ता के बाद अक्कारा में जुबली हाउस में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि तीन दशकों के अंतराल के बाद कोई भारतीय प्रधानमंत्री घाना का दौरा कर रहा है और यह उनके लिए बेहद गर्व की बात है कि उन्हें घाना आने का यह अवसर दिया गया है।

उन्होंने राष्ट्रपति महामा को दिसंबर 2024 के आम चुनावों में जीत के लिए बधाई दी, जो दूसरे कार्यकाल के लिए चुने गए हैं। उन्होंने कहा कि यह जीत घाना के लोगों के उनके नेतृत्व और विजन में गहरे भरोसे को दर्शाती है। श्री मोदी ने कहा, राष्ट्रपति महामा और मैंने अपनी द्विपक्षीय साझेदारी को 'व्यापक साझेदारी' के स्तर तक बढ़ाने का फैसला किया है। घाना के राष्ट्र निर्माण की यात्रा में भारत न केवल भागीदार है, बल्कि सह-यात्री भी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भव्य जुबली हाउस, विदेश सेवा संस्थान, कोमेंडा शुगर फैक्ट्री, भारत-घाना कोफी अन्नान आईसीटी सेंटर और टेमा-पकाडन रेलवे लाइन द्विपक्षीय साझेदारी के प्रतीक हैं। द्विपक्षीय व्यापार तीन अरब अमेरिकी डॉलर को पार कर गया है। भारतीय कंपनियों ने लगभग 900 परियोजनाओं में लगभग दो अरब डॉलर का निवेश किया है।

श्री मोदी ने कहा, आज, हमने अगले पांच वर्षों में अपने आपसी व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि फिनटेक के क्षेत्र में भारत घाना के साथ अपने यूपीआई डिजिटल भुगतान अनुभव को साझा करने के लिए तैयार है। इस बात पर जोर देते हुए कि विकास साझेदारी द्विपक्षीय संबंधों का एक आधारभूत स्तंभ है, ▶10पर

मोदी त्रिनिदाद एवं टोबैगो रवाना

अक्कारा/नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घाना की दो दिन की ऐतिहासिक यात्रा पूरी कर गुरुवार को यहां से कैरेबियाई क्षेत्र के देश त्रिनिदाद एवं टोबैगो के लिए प्रस्थान किया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार श्री मोदी तीन और चार जुलाई को त्रिनिदाद और टोबैगो में रहेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा है कि त्रिनिदाद और टोबैगो के साथ भारत के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक संबंध हैं। वह वहां राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू से मिलेंगे, जो इस वर्ष के प्रवासी भारतीय दिवस की मुख्य अतिथि थीं। श्री मोदी प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर से भी मिलेंगे, जिन्होंने हाल ही में दूसरे कार्यकाल के लिए पदभार संभाला है। उन्होंने कहा कि भारतीय पहली बार 180 साल पहले त्रिनिदाद और टोबैगो पहुंचे थे। श्री मोदी ने बुधवार को नयी दिल्ली से पांच देशों की आठ दिन की यात्रा के पहले चरण में घाना के लिये प्रस्थान करने से पहले अपने वक्तव्य में कहा था कि त्रिनिदाद और टोबैगो की उनकी यह यात्रा पूर्वजों और रिश्तेदारों के विशेष बंधनों को फिर से जीवंत करने का अवसर प्रदान करेगी।श्री मोदी यात्रा के अगले चरण में पोर्ट ऑफ स्पेन से ब्यूनस आयर्स (अर्जेंटीना) जाएंगे। पिछले 57 वर्षों में अर्जेंटीना की किसी ▶10पर

डीएसी ने 1.05 लाख करोड़ के दस सैन्य खरीद प्रस्तावों को दी मंजूरी

रक्षा तैयारियों को मिलेगा बड़ा बल

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

सेना को आधुनिक हथियारों और उपकरणों से लैस करने के लिए रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को 1.05 लाख करोड़ रुपए की स्वदेशी खरीद परियोजनाओं को मंजूरी दी है। यह मंजूरी मिलने से देश का एयर डिफेंस सिस्टम मजबूत होगा और सेना को मिसाइलों तथा इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम की आपूर्ति की जा सकेगी।

इस मंजूरी के तहत सेना के तीनों अंगों थल सेना, नौसेना और वायुसेना को आवश्यक उपकरण और हथियार मुहैया कराए जाएंगे। खास बात यह है कि ये सभी उपकरण स्वदेशी होंगे, इन्हें भारत में ही बनाया जाएगा और भारतीय कंपनियों से ही खरीदा जाएगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को रक्षा खरीद परिषद (डीएसी) की बैठक में लगभग 1.05 लाख करोड़ रुपए के 10 पूंजीगत खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। यह मंजूरी 'भारतीय खरीद' श्रेणी के तहत 'स्वीकृति की आवश्यकता' के अंतर्गत प्रदान की गई। सभी खरीद प्रस्ताव स्वदेशी स्रोतों से पूरे किए जाएंगे। इन प्रस्तावों में आर्मर्ड रिकवरी व्हीकल्स, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम, तीनों सेनाओं के लिए इंटीग्रेटेड कॉमन इन्वेंटरी मैनेजमेंट सिस्टम, और सर्फेस-टू-एयर मिसाइलें शामिल हैं। ये अधिग्रहण सशस्त्र बलों की गतिशीलता बढ़ाने और वायु रक्षा को मजबूत करने में अहम योगदान देंगे। इसके अलावा इससे सप्लाई चेन प्रबंधन को बेहतर बनाने और संचालन संबंधी तैयारियों को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी।

मुअर्ड माइंस (नौसेना द्वारा पानी या समुद्र में बिछाए जाने वाली माइंस), माइन काउंटर मेजर वेसल्स, सुपर रैपिड गन माउंट्स, और सबमर्सिबल ऑटोनोमस वेसल्स की खरीद के लिए भी स्वीकृति दी गई है। ये अधिग्रहण नौसेना और वाणिज्यिक जहाजों के लिए संभावित खतरों को कम करने में सहायक होंगे। सरकार द्वारा स्वदेशी डिजाइन और विकास को और अधिक प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से, सभी प्रस्ताव भारतीय खरीद श्रेणी के अंतर्गत स्वीकृत किए गए हैं।

इससे पहले बीते वर्ष सितंबर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में डीएसी ने 1,44,716 करोड़ रुपए की राशि के 10 पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) प्रदान की थी। एओएन की कुल लागत में से 99 प्रतिशत खरीद भारतीय और स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित श्रेणियों के तहत स्वदेशी स्रोतों से किए जाने की घोषणा की गई थी। इसके तहत भारतीय सेना के टैंक बेड़े के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया था। भविष्य के लिए तैयार लड़ाकू वाहनों की खरीद के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई थी।

भारत ने चीन को दिया कड़ा सन्देश, कहा

दलाई लामा के मामले में दखल बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

दलाई लामा के उत्तराधिकारी को लेकर लंबे समय से अटकलें लगाई जा रही हैं, और हाल ही में चीन की तरफ से आए एक बयान ने इस मुद्दे को फिर से चर्चा में ला दिया। चीन ने कहा था कि दलाई लामा के उत्तराधिकारी के चयन को तभी वैध माना जाएगा, जब उसमें उनकी मंजूरी होगी। अब भारत ने इस बयान पर बेहद स्पष्ट और तीखा जवाब दिया है- वो भी बिना नाम लिए।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इस मसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा- दलाई लामा का पद सिर्फ तिब्बतियों के लिए नहीं, बल्कि दुनिया भर के करोड़ों अनुयायियों के लिए बेहद आध्यात्मिक और भावनात्मक महत्व रखता है। उनके उत्तराधिकारी का फैसला पूरी तरह उन्हीं के अधिकार में है, इसमें कोई दूसरा पक्ष दखल नहीं दे सकता।

रिजिजू का यह बयान चीन की टिप्पणी के तुरंत बाद आया और इसे भारत की तरफ से एक स्पष्ट संदेश माना जा रहा है कि धार्मिक मामलों में राजनीतिक दखल को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

भारत ने बिना लाग-लपेट के यह संदेश दे दिया है कि दलाई लामा जैसे आध्यात्मिक विषयों में बाहरी दखल को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अब जब खुद दलाई लामा यह स्पष्ट कर चुके हैं कि उनके उत्तराधिकारी की पहचान धार्मिक परंपराओं और ट्रस्ट के फैसले से तय होगी, तो ऐसे में चीन की जिद पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजर बनी हुई है।

बता दें कि यह पूरा मामला सिर्फ एक धार्मिक परंपरा का नहीं है, बल्कि तिब्बत की पहचान, आज़ादी और आत्मसम्मान का भी है - और भारत इस पर खुलकर दलाई लामा के साथ खड़ा नजर आ रहा है। दरअसल, चीन का दावा है कि तिब्बत उसका हिस्सा है, और इसीलिए वह दलाई लामा की परंपरा को भी अपने नियंत्रण में रखना चाहता है। बीजिंग का कहना है कि अगले दलाई लामा की नियुक्ति तभी वैध मानी जाएगी, जब चीन की सरकार उसकी मंजूरी दे।

हालांकि धर्मशाला में खुद दलाई लामा ने हाल ही में यह स्पष्ट कर दिया है कि उनकी परंपरा (दलाई लामा) जारी रहेगी, और उनके उत्तराधिकारी को लेकर निर्णय सिर्फ गादेन फोडरंग ट्रस्ट लेगा। ▶10पर

भारत में फिर बैन हुए पाकिस्तानी कलाकारों के सोशल मीडिया अकाउंट्स

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत में सभी पाकिस्तानी कलाकारों के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। कुछ समय पहले इन अकाउंट्स से बैन हटाया गया, जिससे देश की जनता में नाराजगी देखने को मिली। ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने भी इस फैसले की आलोचना करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा था। अब एक बार फिर पाकिस्तानी कलाकारों के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर भारत में बैन लगा दिया गया है। इस फैसले के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर प्रतिक्रियाओं का सिलसिला जारी है।

रिपोर्ट्स के अनुसार भारत सरकार ने एक आपातकालीन समीक्षा बैठक के बाद एक बार फिर कड़ा कदम उठाते हुए 18 हजार से अधिक पाकिस्तानी सोशल मीडिया अकाउंट्स को भारत में बैन कर दिया है। हाल ही में मावरा होकेन, हानिया आमिर और फवाद खान जैसे कई पाकिस्तानी कलाकारों और क्रिकेटरों के सोशल मीडिया प्रोफाइल भारतीय यूजर्स को दिखाई दे रहे थे, ▶10पर

दिल्ली सरकार का यू-टर्न, थमा पुरानी गाड़ियों को सीज करने का अभियान

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

दिल्ली में 1 जुलाई से 10 से 15 पुरानी गाड़ियों को सीज करने और तेल न देने का अभियान ठंडे बस्ते में पड़ने का संकेत दिख रहा है। दिल्ली में पुरानी कारवालों के लिए यह बड़ी राहत है। दिल्ली सरकार ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को चिट्ठी लिखकर कहा है कि वाहनों को सीज करने के लिए बनाया गया सिस्टम अभी ठीक नहीं है। दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि आयोग को जानकारी दी गई है कि पेट्रोल पंपों पर जो कैमरे लगाए हैं, यह सक्षम नहीं हैं। यह दिल्ली में पुरानी कार वालों के लिए बड़ी राहत की खबर है। दिल्ली सरकार ने इस तरह एनसीआर में 1 नवंबर से शुरू होने वाले अभियान तक का वक्त ले लिया है।

दूसरी ओर कार स्क्रैपिंग को लेकर नई सियासत भी शुरू हो गई है। बीजेपी और आम आदमी पार्टी इस मुद्दे पर आमने सामने है। गुरुवार बीजेपी ने गुरुवार को दिल्ली में कार स्क्रैप पॉलिसी को लेकर आम आदमी पार्टी पर ही हमला बोल दिया।

मालूम हो कि दिल्ली में पुरानी गाड़ियों को जब्त करने अभियान एक जुलाई से शुरू हुआ था। इस अभियान के पीछे प्रदूषण पर लगाम लगाने की बात कही गई थी। पेट्रोल पंप पर कैमरे लगाकर पुरानी गाड़ियों की धरपकड़ शुरू की गई थी। आलम यह है कि हुआ था 84 लाख रुपए की मर्सिडीज को मालिक ने ढाई लाख रुपए में बेच दिया।

लेकिन गुरुवार को दिल्ली सरकार ने सीएक्यूएम (कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट) के चेयरमैन को पत्र लिखकर कहा कि दिल्ली में पुरानी वाहनों को जब्त करने और ईंधन न देने की व्यवस्था तर्क संगत नहीं है।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने प्रेस कॉफ्रेंस करते हुए पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। मनजिंदर सिंह सिरसा ने आम आदमी पार्टी पर वाहन शोरूम के मालिकों से मिलीभगत कर पुरानी गाड़ियों को सीज करने का षडयंत्र रचने का आरोप लगाया।

दिल्ली सरकार ने पत्र लिखकर सीएक्यूएम के चेयरमैन को यह भी कहा कि पड़ोसी राज्यों के साथ पुरानी गाड़ियों को सीज करने का नियम बने। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29°

न्यूनतम : 24°

सरकार का दावा

युवाओं में हार्ट अटैक के पीछे कोविड वैक्सीन जिम्मेदार नहीं

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा है कि कोविड-19 टीकाकरण और देश में अचानक हार्ट अटैक के कारण हो रही मौतों के बीच कोई सीधा संबंध नहीं है।

मंत्रालय ने कहा है कि, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) के किए गए दो अलग-अलग अध्ययनों में इसकी पुष्टि होती है।

मंत्रालय ने आगे कहा, भारत में कोविड-19 का टीका सुरक्षित और प्रभावशाली है और इसके गंभीर दुष्प्रभाव के मामले बहुत कम देखने को मिलते हैं। सरकार के मुताबिक़, अचानक हार्ट अटैक से हो रही मौतों का संबंध आनुवंशिकी, जीवनशैली, पहले से मौज़ूद बीमारियां और कोविड के बाद हुई परेशानियों से हो सकता है।

मंत्रालय ने कहा है कि नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडेमियोलॉजी (एनआईई) के 19 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के अध्ययन में यह बात सामने आई है कि कोविड-19 टीकाकरण से युवा वयस्कों में अचानक होने वाली मौतों का जोखिम नहीं बढ़ता है। वहीं अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने अध्ययन के बाद किए गए शुरुआती विश्लेषण में बताया है, मायोकार्डियल इन्फ़ाक्शन या दिल का दौरा युवा वर्ग में अचानक मौत का प्रमुख कारण बना हुआ है। पिछले वर्ष की तुलना में इस साल भी इसके कारणों के पैटर्न में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया है।एम्स ने कहा है कि अध्ययन पूरा होने के बाद अंतिम परिणाम साझा किए जाएंगे लेकिन एम्स ने इन मौतों के पीछे , अनुवांशिक परिवर्तन को संभावित कारण माना है।

मंत्रालय ने कहा है कि, दोनों अध्ययन से यह बात पता चलती है कि अचानक मौतों के पीछे कोविड-19 का टीका नहीं बल्कि पहले से चली आ रही स्वास्थ्य समस्याएं, आनुवांशिक प्रवृति और असंतुलित जीवनशैली मौतों में भूमिका निभाती है। लेकिन जानकारों की इस दावे को लेकर मिली-जुली राय है और कई विशेषज्ञों ने सरकार के इस दावे से असहमति भी जताई है।

कर्नाटक के हासन ज़िले में करीब एक महीने में 22 युवाओं की मौत हार्ट अटैक से हुई। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इन मौतों के पीछे कोविड वैक्सीन को लेकर आशंका जाहिर की है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने एक्स पर लिखा है, हासन ज़िले में हाल ही में 20 से ज्यादा लोगों की हार्ट अटैक से मौत हुई है। यह गंभीर मामला है। क्या यह अचानक हो रही मौतें कोविड वैक्सीन के साइड इफेक्ट तो नहीं?

उन्होंने लिखा है,कई इंटरनेशनल रिसर्च से हाल में यह संकेत मिला है कि वैक्सीन हार्ट अटैक का कारण बन सकती है। क्या वैक्सीन को जल्दबाजी में मंजूरी देना इन मौतों की वजह हो सकती है? ▶10पर

ईरान की सेना इजराइली आक्रमण का मुकाबला करने के लिए तैयार

तेहरान, 03 जुलाई (एजेंसियां)। ईरान ने कहा है कि उसकी सेना इजराइल के किसी भी आक्रमण का मुकाबला करने के लिए तैयार है। ईरान अपनी संप्रभुता की रक्षा करेगा। विदेशमंत्री अब्बास अराघची ने बुधवार को अपने वेनेजुएला के समकक्ष इवान गिल पिंटो को फोन पर बातचीत में अपने रुख से अवगत कराया। ईरान सरकार के इस्लामिक डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन की न्यूज एजेंसी मेहर की खबर के अनुसार, अराघची ने इवान गिल पिंटो से ईरान के खिलाफ इजराइली शासन और अमेरिका के सैन्य आक्रमण के बाद पश्चिम एशिया क्षेत्र के नए घटनाक्रम पर चर्चा की। शीर्ष ईरानी राजनयिक ने इजराइल और अमेरिकी सैन्य आक्रमण की निंदा करने के लिए वेनेजुएला प्रशासन का आभार व्यक्त किया। अराघची ने कहा कि अमेरिका और इजराइल ने आक्रमण में संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों और नियमों का उल्लंघन किया है। वेनेजुएला के विदेशमंत्री ने इस बातचीत में इस्लामी क्रांति के नेता अयातुल्ला सैय्यद अली खामेनेई, ईरान सरकार और लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि एक मित्र देश के रूप में वेनेजुएला हमेशा इस्लामी गणराज्य ईरान के साथ खड़ा रहेगा। इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कोर से संबद्ध ईरान की सरकारी संवाद समिति तस्नीम न्यूज की खबर के अनुसार, ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकर कलीबाफ ने चेतावनी दी कि देश के खिलाफ किसी भी तरह की आक्रामकता का जवाब दिया जाएगा। संसद के अध्यक्ष कलीबाफ ने ईरान के शहीदों की याद में आयोजित समारोह में कहा कि ईरान किसी भी तरह की आक्रामकता के खिलाफ सदैव खड़ा रहेगा और अपनी धरती का एक हिस्सा भी छीने जाने की अनुमति नहीं देगा। उन्होंने कहा, हम किसी भी तरह की आक्रामकता का जवाब देंगे। हमने हमेशा आक्रामकता और हमलों का सामना किया है। हमने सबसे बड़ा और विनाशकारी जवाब दिया है।

न्यूज ब्रीफ

इंडोनेशिया में बाली के पास नौका डूबी तीन की मौत, 58 लापता

जकार्ता। इंडोनेशिया के रिसॉर्ट द्वीप बाली के पास एक नौका के डूब जाने से तीन लोगों की मौत हो गई और 58 अन्य लापता हो गए। खोज और बचाव दल लापता यात्रियों की तलाश कर रहा है। दल ने चार लोगों को बचा लिया है। खबर के अनुसार, यह नौका दुर्घटना बुधवार को आधी रात से कुछ पहले हुई। एक वरिष्ठ बचाव अधिकारी ने सुबह इसकी पुष्टि की। बाली में खोज और बचाव कार्यालय के प्रमुख आई न्योमन सिदकार्या के अनुसार, यह नौका बाली और पूर्वी जावा प्रांत के बीच समुद्री सीमा पर ऊंची लहरों से टकराकर डूब गई। उन्होंने कहा कि तीन लोगों की मौत हो गई। चार अन्य को जीवित बचा लिया गया। यह नौका पूर्वी जावा के बन्युवांगी रीजेंसी के एक बंदरगाह से रवाना हुई थी। नौका बाली के जेम्ब्राना रीजेंसी के गिलिमनुक गांव के एक बंदरगाह के रास्ते पर थी, अचानक उठी ऊंची लहरों के दौरान पलट गई। खोज और बचाव अभियान चल रहा है। इस अभियान में बाली और पूर्वी जावा दोनों की टीमें शामिल हैं। हादसे के समय नौका पर 53 यात्री और 12 चालक दल के सदस्य सवार थे।

न्यू जर्सी में स्काईडाइविंग विमान दुर्घटनाग्रस्त, 15 घायल

ट्रेंटन (न्यू जर्सी)। संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्वी तट पर स्थित प्रांत न्यू जर्सी के विलियम्सटाउन में एक हवाई अड्डे के पास हुई स्काईडाइविंग विमान दुर्घटना में 15 लोग घायल हो गए। यह विमान हादसा टुकाहो रोड पर घने जंगल में हुआ। द मिरर यूएस अखबार की खबर के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि यह स्काईडाइविंग विमान बुधवार शाम क्रॉस कीज हवाई अड्डे के पास जंगल में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें 15 लोग सवार थे। घायलों को कैमडेन के एक अस्पताल में पहुंचाया गया। ग्लूसेस्टर काउंटी आपातकालीन प्रबंधन कार्यालय ने फेसबुक पोस्ट में इस दुर्घटना की पुष्टि की। उल्लेखनीय है, इससे पहले रविवार को ओहियो हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से छह लोगों की मौत हो गई। यह हादसा यंगस्टाउन-वॉरेन क्षेत्रीय हवाई अड्डे के निकट हुआ। मृतकों में एक परिवार के चार वयस्क सदस्य, पायलट और सह पायलट शामिल हैं। हताहत परिवार के चारों सदस्य यंगस्टाउन-वॉरेन क्षेत्र में स्टील निर्माण संयंत्र का मालिक बताए गए है। मृतकों की पहचान पायलट जोसेफ मैक्सिन (63), सह पायलट टिमोथी ब्लेक (55), यात्री वेरोनिका वेलर (68), उनके पति जेम्स वेलर (67), उनके बेटे जॉन वेलर (36) और उनकी पत्नी मारिया वेलर (34) के रूप में हुई है।

फ्लाइट में क्रू मेंबर्स बनाते हैं शारीरिक संबंध, एयर होस्टेस ने खोले राज

वॉशिंगटन। हवाई जहाज में पायलट से लेकर फ्लाइट अटेंडेंट तक के लिए नियम सख्त होते हैं। यात्री फ्लाइट

में शारीरिक संबंध बनाने के बारे में यह नियम और भी सख्त होते हैं। इसके बावजूद फ्लाइट में ही क्रू मेंबर्स शारीरिक संबंध बनाते हैं। हैरान करने वाली बात ये है कि कॉकपिट जैसी जगह में ये काम होता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक एयर होस्टेस ने यह चौंकाने वाला खुलासा किया है। उसने दावा किया कि कैप्टन और केबिन क्रू के सदस्य 30000 फुट की ऊंचाई पर कॉकपिट में सामूहिक संबंध बनाते हैं। जब यात्री आराम कर रहे होते हैं तब कॉकपिट में होता है माइल हाई क्लब रिपोर्ट के मुताबिक फ्लाइट में शारीरिक संबंध को माइल हाई कहा जाता है। सीनियर एयर होस्टेस ने वीडियो में बताया कि जब यात्री सीटों पर आराम कर रहे होते हैं, उसी दौरान पायलट और फ्लाइट अटेंडेंट माइल हाई क्लब में शामिल होते हैं। एनएसएफडब्ल्यू ने बताया कि इसलिए फ्लाइट डेक में कम से कम दो पायलट होते हैं और उड़ान के दौरान हर समय फ्लाइट डेक में कम से कम दो लोग होने चाहिए। एयर होस्टेस ने नियमों के बारे में बताया कि अगर पायलट को भूख या पेशाब लगती है तो उसे फ्लाइट डेक से बाहर आना पड़ता है। इस दौरान उसकी जगह पर फ्लाइट अटेंडेट बैठता है। इस तरह से माइल हाई क्लब की योजनाएं शुरू होती हैं। कई एयर होस्टेस फ्लाइट में शारीरिक संबंध बनाने को घिनौना मानती हैं, लेकिन उसने कहा कि वह ऐसा नहीं सोचती हैं।

मिस्त्र ने लगाई अमेरिका से गुहार तुर्की को समुद्री डील करने से रोके

इस विवाद की जड़ तेल जो इस समुद्र में मिलने के हैं आसार

काहिरा, 03 जुलाई (एजेंसियां)। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन की हरकत से पड़ोसी देश टेंशन में आ गए हैं। इसको लेकर मिस्त्र ने अमेरिका से हस्तक्षेप करने की मांग की है। मिस्त्र ने कहा है कि वह लीबिया की पूर्वी इलाके की संसद को तुर्की के साथ समुद्री डील को मंजूरी देने से रोके। मिस्त्र ने चेतावनी दी है कि अगर इस डील को मंजूरी मिलती है तो इससे भूमध्य सागर में तनाव पैदा हो सकता है। वह भी तब जब इस इलाके में गाजा और सूडान युद्ध चल रहा है। इस डील को पहले साल 2019 में लीबिया की प्रतिद्वंदी पश्चिमी सरकार ने किया था लेकिन पूर्वी सरकार की संसद इसे मंजूरी देना चाहती है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक मिस्त्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलाट्टी ने इस पूरे मुद्दे को अफ्रीका के लिए वरिष्ठ एडवाइजर मसाद बोउलोस के साथ उठाया है। मिस्त्र के विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका की ओर से आश्वासन मिला है कि वह पूर्वी लीबिया के शासक खलीफा हफ्तार से इस मुद्दे पर बातचीत करेगा। पूर्वी लीबिया की संसद अगर इसे मंजूरी देती है तो तुर्की का पूर्वी भूमध्य सागर के एक बड़े विशेष आर्थिक क्षेत्र पर कब्जा कर लेगा। लीबिया की पूर्वी संसद तोबरुक में है जो खलीफा हफ्तार के कब्जे में है।

बता दें खलीफा हफ्तार को साल 2011 से ही यूएई, अमेरिका, मिस्त्र, फ्रांस और रूस से समय-समय पर समर्थन मिलता रहा है। 81 साल के हफ्तार ने पूर्वी लीबिया के एक बड़े इलाके पर कब्जा कर लिया था। साल 2019 में हफ्तार ने लीबिया में संयुक्त राष्ट्र की मान्यता वाली सरकार को गिराने की कोशिश की लेकिन वह फेल रहे। उस समय संयुक्त राष्ट्र के मान्यता वाली सरकार को तुर्की का पूरा सपोर्ट था और उसने अंकारा के साथ एक समुद्री डील की थी जिसका भारत समेत ग्रीस और अन्य देशों ने विरोध किया था। वहीं ग्रीस ने इस डील का जवाब देने के लिए मिस्त्र के साथ एक डील की थी। लीबिया की पूर्वी संसद ने शुरू में तुर्की के साथ डील का विरोध किया था लेकिन हाल के महीनों में ग्रीस और मिस्त्र के काफी मनाने के बाद भी हफ्तार अब तुर्की के साथ डील करने को तैयार हैं। इस घटनाक्रम को देखते हुए अब ग्रीस के विदेश मंत्री भी मिस्त्र की यात्रा पर जाने वाले हैं। मिस्त्र समुद्री विवाद में यथास्थिति में बदलाव से चिंतित है। जून में लीबिया की तेल कंपनी ने तुर्की के साथ समुद्र के अंदर सर्वेक्षण करने के लिए एक डील की थी। इस पूरे विवाद की जड़ तेल है जो इस समुद्र में काफी मिलने के आसार हैं। तुर्की हफ्तार को अपने पाले में लाने के लिए हथियार, भाड़े के सिपाही और अपने सैनिकों को भेजा था और उसे खुश करके अब मिस्त्र और ग्रीस के लिए समस्या बढ़ा रहा है। हफ्तार का बेटा सद्दाम तुर्की के साथ सैन्य रिश्ते मजबूत कर रहा है जिससे मिस्त्र भड़का हुआ है।

रुस से दोस्ती का बदला ले रहा अमेरिका, जयशंकर ने कहा....समय आने पर फैसला लिया जाएगा

वाशिंगटन। भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने अमेरिका द्वारा रूसी तेल के प्रमुख खरीदारों पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने की योजना पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि भारत उस समय उचित कदम उठाएगा, जब यह मामला सामने आएगा। दरअसल जयशंकर अमेरिका के चार दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने साफ किया कि भारत ने अमेरिका के उस सांसद के सामने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर कर दी है, जो कि रूस से व्यापार करने वाले देशों पर 500 प्रतिशत शुल्क लगाने वाला विधेयक पेश किया है। जयशंकर ने कहा, इसतरह के घटनाक्रम, जो भारत के हित में हों या उस पर प्रभाव डाल सकते हों, हम उन्हें बेहद करीब से ट्रैक करते हैं। उन्होंने बताया कि भारत और भारतीय दूतावास अमेरिकी रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम के संपर्क में हैं। ग्राहम वहीं सीनेटर हैं, जिन्होंने यह सख्त विधेयक लेकर आए है। विधेयक पेश कर उन्होंने विशेष रूप से भारत और चीन का नाम लेकर आरोप लगाया था कि ये देश मिलकर पुतिन का 70 प्रतिशत तेल खरीद रहे हैं। जयशंकर ने कहा, मुझे लगता है कि हमारे देश को अपनी ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं और हितों को ग्राहम के साथ स्पष्ट रूप से साझा किया है। अब यह देखना होगा कि यह बिल कितना आगे बढ़ता है। जब समय आएगा, तब इस पर फैसला लिया जाएगा। राष्ट्रपति ट्रंप इस विधेयक को समर्थन दे चुके हैं। यह विधेयक उन देशों पर 500 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की मांग करता है, जो अब भी रूस से व्यापार कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह विधेयक अमेरिका की उस रणनीति का हिस्सा है, जिसके जरिए वह रूस पर यूक्रेन युद्ध को लेकर बातचीत के लिए दबाव बनाना चाहता है।

प्रधानमंत्री ओली को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, पिछले कार्यकाल की सभी संवैधानिक नियुक्तियां वैध करार

काठमांडू, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की चार साल पहले की गईं 52 संवैधानिक नियुक्तियों को सुप्रीम कोर्ट ने वैध करार देते हुए उन्हें बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक बेंच ने 3-2 के बहुमत से फैसला सुनाया। प्रधानमंत्री ओली के पिछले कार्यकाल में संसद के विघटन के बाद भी देश के सभी महत्वपूर्ण संवैधानिक पदों पर नियुक्ति की गई थीं।

इसके लिए अध्यादेश लाते हुए संवैधानिक परिषद के बैठकों की नियमावली बदली गई थी। ओली के इस फैसले के खिलाफ में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायक करते हुए नियुक्तियों को रद्द करने की मांग की गई थी।

चार साल तक सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक बेंच में इसकी सुनवाई हुई। करीब 14 घंटे की लगातार बैठक के बाद मध्यरात करीब सवा 12 बजे सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक बेंच ने फैसले में सभी 52 नियुक्तियों को वैध करार दिया। प्रधान न्यायाधीश प्रकाशमान सिंह राउत, न्यायाधीश सपना प्रधान मल्ल, मनोज शर्मा, कुमार चुड़ाल और नहकूल सुवेदी ने फैसला सुनाया।

प्रधान न्यायाधीश राउत ने कहा कि उनके सहित एक और जज नहकूल सुवेदी ने इन सभी नियुक्तियों को रद्द करने का फैसला किया है। लेकिन बाकी तीन जजों द्वारा इसको वैध करार देने का फैसला करने से बहुमत से इसे वैध रहने का फैसला किया गया है। वरिष्ठ न्यायाधीश सपना प्रधान मल्ल ने कहा कि नियुक्ति के चार साल बाद जब उनके से कुछ पदाधिकारी रिटायर्ड भी हो चुके हैं उनकी नियुक्ति को अवैध घोषित करना व्यावहारिक रूप से ठीक नहीं है।

मनीला में आग

मनीला में आग से जले अपने घरों में बचे हुए सामान की तलाश करते हुए लोग।

कैलिफोर्निया के पटाखा गोदाम में विस्फोट के बाद लगी आग, सात व्यक्ति लापता

सैक्रामेंटो, 03 जुलाई (एजेंसियां)। संयुक्त राज्य अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत के योलो काउंटी में मंगलवार को एक पटाखा गोदाम में हुए विस्फोट के बाद आग लग गई। इस गोदाम में आतिशबाजी की सामग्री और उपकरण रखे हुए थे। देखते ही देखते यह आग लगभग 80 एकड़ में फैल गई। विस्फोट के समय गोदाम में मौजूद रहे लोगों में सात अभी तक लापता हैं।

यह गोदाम सेक्रामेंटो के उत्तर-पश्चिम में एस्पार्टो क्षेत्र में है। सूचना मिलते ही अग्निशमन दल के जवान शाम करीब 5:50 बजे पहुंचे। तब रुक-रुक कर विस्फोट हो रहे थे और आग की लपटों से कई इमारतें घिरी हुई थीं। एस्पार्टो फायर प्रोटेक्शन डिस्ट्रिक्ट के प्रमुख कर्टिस लॉरेंस ने बताया कि हेलीकॉप्टर से बनाए गए वीडियो में गोदाम में आग लगने से पहले छत से सफेद धुआं निकलता दिखाई दिया।

फायर मार्शल के कार्यालय के अनुसार, बुधवार को जोखिम कुछ कम हुआ है। इसलिए निकासी आदेश जारी किए गए हैं। खतरों का आकलन करने के लिए घटनास्थल के आसपास अधिकारियों की टीम मौजूद है। आग लगने के बाद घर छोड़कर भागे निवासियों की वापसी के प्रयास किए जा रहे हैं। एस्पार्टो फायर चीफ लॉरेंस के अनुसार, जांचकर्ताओं का मानना है कि संपत्ति का मालिक पायरोटेक्निक लाइसेंसधारक है। आतिशबाजी कंपनी डेवास्टेटिंग पायरोटेक्निक्स ने बुधवार को अपनी वेबसाइट पर कहा कि प्रबंधन को प्रभावित लोगों की चिंता है। कंपनी जांच में पूरा सहयोग कर रही है। योलो काउंटी के बड़े इलाके में बिजली गुल है। इससे सैकड़ों लोग प्रभावित हैं। गोदाम में हुए विस्फोट के दौरान कम से कम दो लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने कहा कि वे लापता लोगों की तलाश के लिए इमारत में दोबारा नहीं गए हैं। विस्फोट और आग लगने के बाद कई इमारत मलबे में बदल गई हैं। ड्रोन के जरिये क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण किया गया है।

माली में सात शहरों पर आतंकी हमला, तीन भारतीयों का अपहरण, केंद्र सरकार ने चिंता जताई, अल कायदा पर शक

बमाको, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

अफ्रीकी देश माली में तीन भारतीय नागरिकों को अगवा कर लिया गया है। केंद्र सरकार ने इस पर गहरी चिंता जताई है। केंद्र ने माली सरकार से संपर्क कर तीनों भारतीय नागरिकों की जल्द से जल्द रिहाई सुनिश्चित कराने का आग्रह किया है। भारत के विदेश मंत्रालय की कल देररात जारी विज्ञप्ति में कहा कि यह घटना 01 जुलाई की है।

अपहरण का यह वाकया उस समय हुआ जब आतंकवादी समूह अल कायदा से संबद्ध एक जिहादी समूह के आतंकवादियों ने माली के सात प्रमुख शहरों पर एक साथ हमला किया। इसलिए शक की सूई अल कायदा पर ठहर रही है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, माली गणराज्य के कायेस में डायमंड सीमेंट फैक्टरी में कार्यरत तीन भारतीय नागरिकों को अपहृत कर लिया गया है।हथियारबंद हमलावरों के एक समूह ने फैक्टरी परिसर में हमलाकर तीन भारतीय नागरिकों को जबरन बंधक बना लिया। केंद्र सरकार के संज्ञान में आया है कि पश्चिमी और मध्य माली के कई स्थानों पर कई सैन्य और सरकारी प्रतिष्ठानों पर पर भी आतंकवादियों ने हमला किया है। विज्ञप्ति के अनुसार, बमाको में भारतीय दूतावास माली सरकार के संबंधित अधिकारियों, स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों और डायमंड सीमेंट फैक्टरी के प्रबंधन के साथ संपर्क में है। भारतीय मिशन अपहृत भारतीय नागरिकों के परिवार के सदस्यों के साथ भी संपर्क में है। केंद्र सरकार ने माली गणराज्य की सरकार से अपहृत भारतीय नागरिकों की सुरक्षित और शीघ्र रिहाई सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने का आह्वान किया है। माली के ले मोन्डे अखबार की खबर के अनुसार, इस्लाम और मुसलमानों के समर्थनकारी आतंकी समूह ने पहली जुलाई की सुबह माली की क्षेत्रीय राजधानी कायेस सहित सात शहरों पर हमला किया। सेनेगल की सीमा से लगा यह क्षेत्र माली की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। अल-कायदा के सहेलियन के आतंकियों ने नियोनो, मोलोदो, सैंडारे, नियोरो डु साहेल, डिबोली, गोगुई, कायेस में कहर बरपाया। माली के सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ ने मंगलवार सुबह बयान में हमलों की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि दुश्मन ने रक्षा प्रतिष्ठानों और सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाया। इस दौरान 80 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया गया है। माली सशस्त्र बलों के प्रवक्ता कर्नल मेजर सौलेमेन डेम्बेले ने राष्ट्रीय टेलीविजन पर कहा कि दुश्मन ने एक साथ हमलाकर चौंका दिया। सशस्त्र बलों ने माकूल जवाब दिया। अल कायदा से संबद्ध माली के इयाद अग गली के नेतृत्व वाले जिहादी समूह ने दावा किया कि उसने तीन दुश्मन बैरकों और दर्जनों सैन्य ठिकानों पर पूरा नियंत्रण कर लिया है।

अमरनाथ यात्रा में दिखा श्रद्धा और देशभक्ति का भाव

वाहनों पर लिखे मिले ऑपरेशन सिंदूर की प्रशंसा के बैनर

जम्मू, 03 जुलाई (ब्यूरो)। पहलगाम नरसंहार के डर को रौंदते हुए अमरनाथ यात्रा में शामिल श्रद्धालु एक बार फिर यह साबित कर रहे हैं कि अमरनाथ यात्रा धार्मिक आस्था के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता और अखंडता की यात्रा भी है। आस्था और दृढ़ता का एक मजबूत प्रदर्शन करते हुए, गुजरात के अमरनाथ तीर्थयात्रियों के एक समूह ने नुनवान बेस कैंप में पहुंचकर अपने वाहनों पर एक बैनर लगाया, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की प्रशंसा की गई थी। उनके वाहनों पर लगे बैनर में लिखा था, ऑपरेशन सिंदूर: शक्ति और संकल्प का संदेश। इस समूह के सदस्यों का कहना था कि यह तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार और सुरक्षा बलों को धन्यवाद देने का उनका तरीका था।

गुजरात के अहमदाबाद से आए एक श्रद्धालु मुकेश ने कहा, पहलगाम आतंकी हमले का उद्देश्य श्रद्धालुओं में डर फैलाना था, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के शुभारंभ ने एक मजबूत संदेश दिया है। समूह के एक अन्य तीर्थयात्री ने कहा, हमने बहुत उच्च स्तर की सुरक्षा व्यवस्था देखी है। भक्तों को बिना किसी डर के आना चाहिए। प्रशासन और सुरक्षा बलों ने व्यापक व्यवस्था की है और डरने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। श्रद्धालुओं ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ है। यह सुरक्षाबलों की आतंकी खतरे को खत्म करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उसी का नतीजा है कि कि पवित्र यात्रा शांतिपूर्वक और बिना किसी रुकावट के आगे बढ़ रही है। पहलगाम बेस कैंप में माहौल बहुत उत्साहपूर्ण था क्योंकि देश के विभिन्न हिस्सों से तीर्थयात्री कड़ी सुरक्षा के बीच यहां पहुंचे थे।

रोडबंदी से जम्मू कश्मीरवासी त्रस्त

जम्मू, 03 जुलाई (ब्यूरो)। पिछले 2 दिनों से जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग के साथ लगते कस्बों के लोग ही नहीं बल्कि जम्मू शहर और उसके आसपास के इलाकों के लोग भी परेशानी में हैं। यह परेशानी सुरक्षा के नाम पर किए जाने वाले बंदोबस्त से है। श्रद्धालुओं को बालटाल और पहलगाम तक ड्रॉप कर लौटने वाली खाली सरकारी बसें भी जब जम्मू बेस कैंप में आ रही हैं तब भी इन कस्बों के लोगों को रोडबंदी के दौर से घंटों गुजरना पड़ रहा है। सुरक्षाबल कोई खतरा मोल नहीं लेना चाहते हैं। पिछली बार से चार गुना अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात करने के बावजूद वे राजमार्ग से जुड़ने वाले लिंक रोडों पर वाहनों ओर इंसानों की आवाजाही को खतरा मान रहे हैं।

जम्मू से दूसरा जत्था रवाना

कश्मीर पहुंचे 15 हजार से अधिक श्रद्धालु

जम्मू, 03 जुलाई (ब्यूरो)। करीब 5200 अमरनाथ यात्रियों का दूसरा जत्था आज सुबह जम्मू से पहलगाम और बालटाल के लिए रवाना हो गया। जबकि कल रात बालटाल और नुनवान कैंप पहुंचे यात्रियों ने आज 3 जुलाई को सुबह की आरती के साथ यात्रा औपचारिक रूप से शुरूआत कर दी।

बम-बम भोले और भारत माता की जय के जयकारों के साथ पहला जत्था आज पवित्र गुफा में पहुंचकर बाबा बर्फानी के दर्शन करेगा और प्रातःकालीन आरती में हिस्सा भी लेगा। बाबा बर्फानी के दर्शन की खुशी भोले के भक्तों के चेहरे पर साफ नजर आई। वहीं, जम्मू से दूसरा जत्था भी श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए रवाना हो गया है। पहलगाम बेस कैंप से रवाना होने वाले अमरनाथ यात्रियों के पहले जत्थे में शामिल एक तीर्थयात्री ने कहा, हम पहले जत्थे (पहलगाम से) में बाबा अमरनाथ के दर्शन के लिए जा रहे हैं। हमें आतंकवाद का डर नहीं है और हम अमरनाथ यात्रा को सफलतापूर्वक पूरा करेंगे। सुविधाएं बेहतरीन हैं। हम अमरनाथ श्राइन बोर्ड के आभारी हैं।

जम्मू-कश्मीर की वादियों में इन दिनों शिवभक्ति का माहौल पूरी तरह छा गया है। हर-हर महादेव और बम भोले के जयकारों के साथ घाटी गूंज रही है। अमरनाथ यात्रा की शुरुआत के साथ ही गुरुवार को पहला जत्था पवित्र गुफा में पहुंचा। बाबा बर्फानी की प्राकृतिक हिम-शिवलिंग के दर्शन करते हुए श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की और सुख-समृद्धि के लिए आशीर्वाद मांगा। यात्रा के लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह देखते ही बन रहा है। अमरनाथ यात्रा पर कश्मीर के संभागीय आयुक्त विजय कुमार बिधूड़ी बताया कि यह यात्रा सिर्फ धार्मिक यात्रा नहीं है। इसमें सुरक्षा बल, पिट्ठू, टेंट, हर सेवा प्रदाता शामिल होता है। श्रद्धालुओं में उत्साह अद्वितीय होता है। मैं प्रार्थना करता हूं कि सभी की मनोकामनाएं पूरी हों और कश्मीर तथा देश के बाकी हिस्सों में शांति और खुशहाली बनी रहे।

कुल 38 दिनों तक चलने वाली यह पवित्र यात्रा श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक आस्था, साहस और समर्पण का प्रतीक मानी जाती है। देश के कोने-कोने से हजारों तीर्थयात्री जम्मू-कश्मीर में अमरनाथ की पवित्र गुफा में दर्शन करते हैं। यह गुफा समुद्र तल से 14500 फीट से ज्यादा की ऊंचाई पर स्थित है और इसमें प्राकृतिक रूप से बना बर्फ का शिवलिंग है, जिसे भगवान शिव का प्रतीक माना जाता है। 9 अगस्त को सावन पूर्णिमा के दिन अमरनाथ यात्रा सम्पन्न होगी।

श्रद्धालुओं का एक और जत्था हर हर महादेव और बम बम भोले के जयकारों के साथ श्री अमरनाथ बाबा की पवित्र गुफा की यात्रा के लिए रवाना हुआ। सुरक्षा व्यवस्था भी पूरी तरह चाक-चौबंद है। पुलिस, सेना और अन्य एजेंसियों की निगरानी में यात्रियों को पूरी सुविधा और सुरक्षा दी जा रही है। रास्तों में जगह-जगह शिविर, स्वास्थ्य केंद्र और रिफ्रेशमेंट पॉइंट्स की व्यवस्था की गई है। रामबन स्वास्थ्य विभाग ने तीर्थयात्रियों के लिए रामबन जिले में नेशनल हाईवे के किनारे अमरनाथ यात्रा मार्ग पर 17 चिकित्सा शिविर स्थापित किए हैं। इस साल अमरनाथ यात्रा पहले से अधिक संगठित और श्रद्धा से परिपूर्ण नजर आ रही है। हर कदम पर शिवभक्तों की आस्था और भगवान शंकर की दिव्यता ने वातावरण को अलौकिक बना दिया है।

दिल्ली में चार से छह जुलाई तक होगी आरएसएस के प्रांत प्रचारकों की बैठक

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी में चार से छह जुलाई तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रांत प्रचारकों की बैठक होगी, जिसमें संगठनात्मक चर्चा के साथ संघ के सभी 46 प्रांतों के कार्यों की समीक्षा की जाएगी। आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने गुरुवार को यहां केशव कुंज में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में इस बैठक के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस बैठक में देशभर से 233 कार्यकर्ता इसमें शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि संघ की संगठन रचना में कुल 11 क्षेत्र एवं 46 प्रांत बनाए गये हैं। बैठक में

संगठनात्मक चर्चा के अलावा सभी 46 प्रांतों के कार्यों की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने बताया कि बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले का मार्गदर्शन भी प्राप्त होगा। इसके अलावा सभी सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्णगोपाल, सी आर मुकुंद, अरुण कुमार, रामदत्त, आलोक कुमार, अतुल लिमये सहित सभी अखिल भारतीय कार्य विभाग प्रमुख, सह प्रमुख एवं कार्यकारिणी के सदस्य भाग लेंगे।

श्री आंबेकर बताया कि संघ का प्रशिक्षण वर्ग पूरा करके जुलाई में सब एकत्रित होते हैं। अब तक 100 वर्गों का आयोजन हो चुका है। इसमें 40 वर्ष से कम उम्र के 75 वर्ग थे और 40-60 वर्ष के लोगों के लिए 25 वर्ग आयोजित किए गए। उन्होंने कहा कि व्यक्तित्व निर्माण की दृष्टि से ये वर्ग काफ़ी महत्वपूर्ण होते हैं।

उन्होंने बताया कि बैठक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) जैसे संघ से जुड़े 32 संगठनों के संगठन मंत्री भी हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि इस साल संघ का शताब्दी वर्ष है, इसलिए शताब्दी वर्ष की योजना के बारे में चर्चा होगी। शताब्दी वर्ष में खंड, बस्ती और मंडल स्तर पर हिंदू सम्मेलन आयोजित किये जाएंगे और समाज के प्रमुख विषयों पर भी चर्चा की जाएगी।

आरएसएस के प्रचार प्रमुख ने बताया कि इस साल दो अक्तूबर को दशहरा है और इसी दिन संघ के 100 साल पूरे हो रहे हैं। इस मौके पर महाराष्ट्र के नागपुर में शताब्दी वर्ष समारोह का प्रारंभ होगा। उन्होंने बताया कि संघ का शताब्दी वर्ष समारोह दो अक्टूबर से शुरू होकर अगले साल यानी 2026 में विजयादशमी तक चलेगा।

महिला कॉलेज में पुरुष प्रिंसिपल !

पटना यूनिवर्सिटी में लॉटरी सिस्टम से कॉलेजों के प्रिंसिपल की नियुक्तियों पर विवाद

पटना, 03 जुलाई (एजेंसियां)। पटना यूनिवर्सिटी के कई कॉलेजों में पहली बार लॉटरी सिस्टम से प्रिंसिपल की नियुक्ति हुई है। यूनिवर्सिटी से संबद्ध पटना साइंस कॉलेज, वाणिज्य महाविद्यालय, मगध महिला कॉलेज और पटना कॉलेज में ये नियुक्तियां हुई हैं ।

बीते बुधवार को राजभवन के आदेश के मुताबिक़, पटना यूनिवर्सिटी में इसके लिए बाक़ायदा लॉटरी निकाली गई। इस लॉटरी के आधार पर पटना साइंस कॉलेज की प्रिंसिपल अलका, वाणिज्य महाविद्यालय की सुहेली मेहता, पटना कॉलेज के अनिल कुमार और मगध महिला कॉलेज के नागेंद्र प्रसाद वर्मा को बनाया गया है।

लॉटरी सिस्टम से प्रिंसिपल बनाए जाने के इस क़दम की आलोचना राज्य के शिक्षाविद कर रहे हैं। पटना यूनिवर्सिटी की

डीन ऑफ़ सोशल साइंसेज़ रही भारती एस कुमार कहती हैं, ये कोई वैज्ञानिक तरीका नहीं है। प्रिंसिपल के पद पर सेलेक्शन का आधार मेरिट होना चाहिए। साइंस कॉलेज, आर्ट्स कॉलेज के प्रिंसिपल अगर अपने छात्रों की ज़रूरतों को नहीं समझेंगे तो ऐसी नियुक्तियों का कोई मतलब नहीं है।

बिहार में कुल 17 स्टेट यूनिवर्सिटी हैं और राज्यपाल इन सभी के कुलाधिपति होते हैं। पटना यूनिवर्सिटी के बाद लॉटरी सिस्टम की ये प्रक्रिया बाकी सभी यूनिवर्सिटी में भी होगी।

पटना यूनिवर्सिटी के एक प्रोफेसर नाम नहीं छापने की शर्त पर बताते हैं, राज्यपाल को ये शिकायत मिली थी कि प्रिंसिपल की पोस्टिंग में रुपयों का लेन-देन बड़े पैमाने पर होता है जिसके बाद ये लॉटरी सिस्टम ला दिया गया। दरअसल इसे मेरिट आधारित बनाना चाहिए था। इस क़दम ने पटना यूनिवर्सिटी को और ज़्यादा बर्बाद कर दिया है।

बिहार स्टेट यूनिवर्सिटी कमीशन ने साल 2023 में बिहार के अलग-अलग कॉलेजों के लिए 173 प्रिंसिपल के पद पर नियुक्ति के लिए विज्ञापन निकाला था।

प्रिंसिपल के पद के लिए अभ्यर्थियों से 15 साल का अकादमिक अनुभव, उनके रिसर्च पेपर, किताबें आदि की सूची मांगी गई थी। जिसके बाद साल 2025 में अभ्यर्थियों का इंटरव्यू हुआ।

हिमाचल में सबसे बड़ी त्रासदी : 60000 लोगों पर संकट, अब तक 14 मौतें, 31 सैलाब में लापता

मंडी, 03 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में अब तक की सबसे बड़ी आपदा आई है। जिले के सराज में भयंकर त्रासदी झेल रहे लोगों तक पहुंचने के लिए 4 जुलाई की शाम तक सड़क सुविधा को हर हाल में बहाल कर दिया जाएगा। यह जानकारी डीसी मंडी अपूर्व देवगन ने आज मंडी में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए दी।

उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र की जनता से संपर्क पूरी तरह से कट गया है। राहत एवं बचाव के साथ-साथ कुनेक्टिविटी को बहाल करने के लिए भी युद्ध स्तर पर प्रयास जारी हैं। 250 छोटे-बड़े लैंडस्लाइड को हटाकर बगस्याड़ तक सड़क मार्ग को खोल दिया गया है और कल दोपहर तक सबसे ज्यादा प्रभावित एरिया थुनाग तक सड़क सुविधा को बहाल कर दिया जाएगा।

अपूर्व देवगन ने बताया कि इस मार्ग को खोलने के लिए 8 मशीनें तैनात की गई हैं। सड़क बहाल होते ही प्रभावितों तक राशन और अन्य जरूरी सामान पहुंचाना आसान हो जाएगा। थुनाग में आवश्यक भवनों तक बिजली पहुंचाने के लिए सब स्टेशन को चालू कर दिया गया है। भारतीय वायु सेना के हेलिकॉप्टर के माध्यम से राहत सामग्री सराज के विभिन्न प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचाई जा रही है। जहां सड़क मार्ग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं, वहां अब खच्चरों के माध्यम से सामान पहुंचाने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

अपूर्व देवगन ने बताया कि उनके पास जो सूचनाएं विभिन्न माध्यमों से प्राप्त हुई हैं उसके अनुसार थुनाग और इसके आसपास के प्रभावित क्षेत्रों में अभी 5 शव बरामद हो चुके हैं जबकि 18 लोग अभी भी लापता हैं। इसमें पखरैर से 11, थुनाग से 5 और पांडव शिला से 2 लोग लापता हैं जबकि थुनाग से 1, धार जरोल से 2 और केल्टी से 2 शव बरामद कर लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों के लोगों से लगभग 95 प्रतिशत जानकारी प्रशासन के पास पहुंच चुकी है और इसके अलावा बाकी जानकारियां भी जुटाई जा रही हैं। इसके अलावा वहां रिलिफ कैंप भी लगाए गए हैं जहां लोगों के रहने-खाने की व्यवस्था की गई है।

डीसी मंडी अपूर्व देवगन ने बताया कि सराज में इस आपदा से सबसे ज्यादा 60 हजार लोग प्रभावित हुए हैं, जिनमे टूरिस्ट भी शामिल हैं।

राम बनाम रावण की अमर कहानी रामायण का हिस्सा बनने पर गर्व है : सनी देओल

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल ने डायरेक्टर नितेश तिवारी की आने वाली बड़ी फिल्म रामायण में अपने किरदार भगवान हनुमान को लेकर अपने विचार और अनुभव साझा किए हैं। सनी ने फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए सम्मान की बात है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बन रहे हैं, जिसने कई पीढ़ियों को प्रभावित किया है।

एक्टर ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पहला प्रोमो वीडियो शेयर करते हुए लिखा, मुझे गर्व है कि मैं इस कहानी का हिस्सा हूं, जिसने कई पीढ़ियों को बनाया है। स्वागत है नमित मल्होत्रा की 'रामायण' की दुनिया में, जो राम बनाम रावण की अमर कहानी है। मैं आभारी हूं कि मुझे इस रास्ते पर चलने और आप सबके साथ इसे साझा करने का मौका मिला।

उन्होंने लिखा, आइए इस खास पल को मिलकर मनाएं और साथ में 'वर्ल्ड ऑफ रामायणा' की दुनिया में कदम रखें। यह हमारी सच्चाई है। हमारा इतिहास है। बता दें कि गुरुवार को मेकर्स ने 'रामायण' का प्रोमो वीडियो शेयर किया, जिसमें रावण के अवतार में 'केजीएफ' फेम सुपरस्टार यश की झलक देखने को मिली।

वीडियो की शुरुआत भगवान ब्रह्मा, विष्णु और शिव के शक्तिशाली चित्रण से होती है, जो पूरे ब्रह्मांड को चलाते हैं। फिर एनिमेशन के जरिए मुख्य पात्रों को दिखाया जाता है : भगवान श्रीराम के रूप में रणबीर कपूर, माता सीता के किरदार में साई पल्लवी और रावण की भूमिका में यश।

इस प्रोमो वीडियो को शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, दस साल की मेहनत और लगन के बाद, हमने दुनिया के सामने सबसे महान महाकाव्य 'रामायण' को लाने का सपना पूरा किया है। इस फिल्म को बनाने में दुनिया के बेहतरीन लोगों ने मिलकर काम किया है, ताकि रामायण को आदर और सम्मान के साथ दिखाया जा सके। आपका स्वागत है आइए मिलकर राम बनाम रावण की अमर कहानी का जश्न मनाएं।

फिल्म में लक्ष्मण का रोल रवि दुबे निभा रहे हैं और सनी देओल भगवान हनुमान के किरदार में नजर आएंगे। वहीं, रकुल प्रीत सिंह 'शूर्पणखा' के रोल में हैं। काजल अग्रवाल 'मंदोदरी' और लारा दत्ता 'कैकई' की भूमिका निभाएंगी। अरुण गोविल इसमें राजा दशरथ बने हैं। फिल्म सिर्फ एक भाग में नहीं, बल्कि दो हिस्सों में रिलीज होगी। पहला भाग दिवाली 2026 में आएगा और दूसरा भाग 2027 की दिवाली पर रिलीज होगा। 'रामायण' को नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज और आठ बार ऑस्कर जीत चुके वीएफएक्स स्टूडियो डीएनईजी प्रोड्यूस कर रहे हैं।

फिल्म में रावण का किरदार निभाने के साथ-साथ यश सह-निर्माता भी हैं। फिल्म करीब 835 करोड़ रुपए के बजट से तैयार हुई है, जिससे यह अब तक की सबसे महंगी भारतीय फिल्म मानी जा रही है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है और सभी बेसब्री से इसके रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं।

एक्शन सीन की शूटिंग के दौरान घायल हुईं अदा शर्मा, नाक पर लगी चोट

फिल्म अभिनेत्री अदा शर्मा अपनी आने वाली फिल्म की शूटिंग के दौरान घायल हो गईं। एक्शन-थ्रिलर फिल्म की शूटिंग के दौरान उनकी नाक पर गंभीर चोट लगी है। 'द केरल स्टोरी' फेम अदा ने बताया कि यह चोट एक एक्शन सीन की शूटिंग के दौरान लगी। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि अदा इस फिल्म में जोरदार एक्शन सीक्वेंस करती नजर आएंगी। यह हादसा एक स्टंट रिहर्सल के दौरान हुआ। 'कमांडो 2' और 'कमांडो 3' में अपने शानदार एक्शन के बाद, अदा इस नई फिल्म में एक्शन का स्तर और ऊंचा करने वाली हैं। चोट के बावजूद, अदा ने अपने जज्बे को बनाए रखा और कहा, दर्द अस्थायी है, लेकिन सिनेमा हमेशा चलता रहेगा। अब मैं एक एक्शन हीरोइन जैसी दिखती हूं। जिस रात मुझे चोट लगी, अगले दिन मैं एक रोमांटिक म्यूजिक वीडियो की शूटिंग कर रही थी। शूटिंग के बीच मैं सूजन कम करने के लिए आइस पैक का इस्तेमाल कर रही थी और मेकअप की मदद से चोट को छिपाया गया।

अदा की अपकमिंग एक्शन-थ्रिलर के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। इसके अलावा, अभिनेत्री तीन भाषाओं में बनी फिल्म में 'देवी' की भूमिका निभाती नजर आएंगी, जिसकी तैयारी उन्होंने पूरी कर ली है। फिल्म का निर्देशन बीएम गिरिराज कर रहे हैं। अदा के पास 'रीता सान्याल सीजन 2' और एक अनटाइटल्ड हॉरर फिल्म भी है, जिसमें वह लीड रोल में नजर आएंगी।

अदा ने अपनी भूमिकाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के बारे में बताया, मुझे इतने शानदार किरदार निभाने और प्रतिभाशाली फिल्म मेकर्स के साथ काम करने का मौका मिला, मैं बहुत लकी हूं। चाहे वह 'द केरल स्टोरी' जैसी कहानियां हों या 'रीता सान्याल' जैसे किरदार, मैं इन्हें और भी वास्तविक और प्रामाणिक बनाने की कोशिश करती हूं।

अक्षय खन्ना के साथ स्क्रीन शेयर करना सपना सच होने जैसा : अनुष्का लुहार

अभिनेत्री अनुष्का लुहार अपनी आने वाली फिल्म अक्षरधाम - ऑपरेशन वज्र शक्ति की रिलीज की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने समाचार एजेंसी से बात करते हुए इस फिल्म में काम करने का अनुभव साझा किया। अनुष्का ने बताया कि अक्षय खन्ना के साथ काम करना काफी शानदार रहा। वह सीनियर और टैलेंटेड अभिनेता हैं। उनके साथ काम करके काफी कुछ सीखने को मिला। उन्होंने कहा, अक्षरधाम-ऑपरेशन वज्र शक्ति की पूरी टीम के साथ काम करना मेरे लिए एक काफी अच्छा और संतोषजनक अनुभव रहा। बचपन से ही मैं अक्षय खन्ना की फिल्में देखकर बड़ी हुई हूं और उनकी फैन रही हूं। उनकी फिल्म 36 चाइना टाउन में उनका अभिनय मुझे बहुत पसंद आया था। अब जब मुझे उनके साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिला है, तो यह सपने जैसा लग रहा है और मेरे लिए वाकई में बहुत खास है।

उन्होंने कहा, अक्षय सर सेट पर एक अलग ही शांति और एकाग्रता लेकर आते हैं। उनका तरीका बहुत प्रेरणादायक है। उन्हें काम करते हुए देखना, उनके समर्पण को महसूस करना अपने-आप में एक सीखने का अनुभव रहा है। उन्होंने अपने किरदार को सच्चाई और गहराई से निभाया है। इस फिल्म में पूरी टीम ने दिल से मेहनत की है, और ऐसे समर्पित और टैलेंटेड लोगों के साथ काम करना मेरे लिए गर्व की बात है।

अभिनेत्री ने निर्देशक केन घोष के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, केन घोष का शांत स्वभाव, अटूट समर्थन और उनकी दयालुता ने पूरी फिल्म बनाने की प्रक्रिया को बहुत आसान और मजेदार बना दिया। मैं पहले भी जी5 की एक वेब सीरीज में उनके साथ काम कर चुकी हूं। इस सीरीज के दौरान उन्होंने मुझे सेजल के किरदार के लिए चुना था। उन्होंने मुझे ऑडिशन देने के लिए प्रोत्साहित किया। मैं उनके इस विश्वास के लिए बहुत आभारी हूं। उन्होंने कहा, केन सर का धैर्य और उनका मिलनसार स्वभाव सेट पर सकारात्मक माहौल बनाता है। मैं उनके काम और हर प्रोजेक्ट में उनकी ईमानदारी की बहुत कदर करती हूं। उन्होंने इस फिल्म में पूरी जान लगा दी है, और मुझे सच में उम्मीद है कि दर्शकों को भी वही भावनात्मक जुड़ाव महसूस होगा जो हमें फिल्म बनाते वक्त हुआ। मैं भविष्य में उनके साथ फिर से काम करना चाहूंगी।

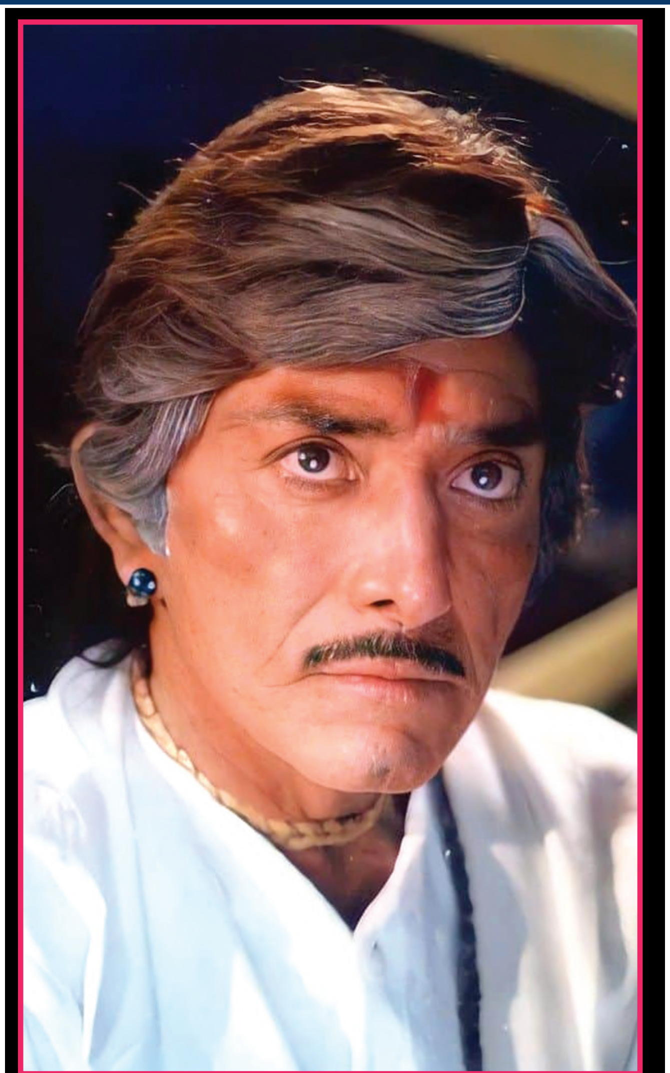

बॉलीवुड के राजकुमार : हिंदी सिनेमा का सितारा डायलॉग और अदाकारी ने कर दिया अमर

फिल्म 'पाकीजा' का 'आपके पांव देखे, बहुत हसीन हैं, इन्हें जमीन पर मत उतारिएगा, मैले हो जाएंगे' जैसा रोमांटिक डायलॉग हो या फिर फिल्म 'वक्त' का 'चिनॉय सेठ, जिनके घर शीशे के बने होते हैं, वो दूसरों पर पत्थर नहीं फेंकते' वाला डायलॉग। भले ही दोनों डायलॉग एक-दूसरे से बिलकुल जुदा हों, लेकिन एक्टर राज कुमार ने अपनी दमदार आवाज, प्रभावशाली शख्सियत और अभिनय से दर्शकों के दिलों पर राज किया। राज कुमार फिल्मों के ऐसे नायक थे, जिन्होंने हिंदी सिनेमा में डायलॉग को एक नया अंदाज देने का काम किया। उनका 'जानी' कहना आज भी भुलाया नहीं गया है। उनकी गहरी आवाज और बेबाक संवाद अदायगी ने दर्शकों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ी।

यही वजह थी कि उनकी बड़े पर्दे पर दमदार मौजूदगी ने उन्हें बॉलीवुड का बेताज बादशाह बनाया। आत्मविश्वास से भरे उनके अंदाज और हर किरदार को जीवंत करने की कला ने उन्हें सिनेमाई इतिहास में अमर कर दिया। 8 अक्टूबर 1926 को बलूचिस्तान (अब पाकिस्तान) के लोरलाई में एक कश्मीरी पंडित परिवार में राज कुमार का जन्म हुआ था। उनका असली नाम कुलभूषण पंडित था। उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद 1940 के दशक में मुंबई के माहिम पुलिस स्टेशन में सब-इंस्पेक्टर के रूप में काम शुरू किया। हालांकि, उनकी कदकाठी और बातचीत के प्रभावशाली अंदाज ने उन्हें फिल्मों की ओर आकर्षित किया। एक सिपाही की सलाह और फिल्म निर्माता बलदेव दुबे के प्रस्ताव के बाद उन्होंने नौकरी छोड़कर फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा। उन्होंने 1952 में फिल्म 'रंगीली' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की, लेकिन यह फिल्म ज्यादा सफल नहीं रही।

1952 से 1957 तक उन्होंने 'अनमोल सहारा', 'अवसर', 'घमंड', 'नीलमणि' और 'कृष्ण सुदामा' जैसी कई फिल्मों में छोटी-मोटी भूमिकाएं निभाईं, लेकिन सफलता ने उनका साथ नहीं दिया। हालांकि, 1957 में महबूब खान की फिल्म 'मदर इंडिया' से एक बड़ा ब्रेकथ्रू मिला, जिसमें उन्होंने नरगिस के पति और एक किसान की छोटी, लेकिन प्रभावशाली भूमिका निभाई। इस फिल्म ने उन्हें रातों-रात स्टार बना दिया और इंटरनेशनल लेवल पर भी उन्हें पहचान मिली। इसके बाद 1959 में उनकी झोली में फिल्म 'पैगाम' आई, जिसमें दिलीप कुमार जैसे दिग्गज एक्टर थे। इस फिल्म में राज कुमार की अदाकारी ने दर्शकों का दिल जीत लिया।

1960 के दशक में राज कुमार ने 'दिल अपना और प्रीत पराई' (1960), 'घराना' (1961), 'गोदान' (1963), 'दिल एक मंदिर' (1963), 'वक्त' (1965), और 'काजल' (1965) जैसी फिल्मों में एक्टिंग का लोहा मनवाया। हालांकि, 'वक्त' और 'पाकीजा' (1972) में उनके निभाए किरदार को न केवल पसंद किया गया, बल्कि उनके 'आपके पांव देखे, बहुत हसीन हैं, इन्हें जमीन पर मत उतारिएगा, मैले हो जाएंगे' और 'चिनॉय सेठ, जिनके घर शीशे के बने होते हैं, वो दूसरों पर पत्थर नहीं फेंकते' जैसे डायलॉग लोगों की जुबान पर चढ़ गए।

1970 और 1980 के दशक में उनका जलवा जारी रहा और उन्होंने 'हीर रांझा' (1970), 'मर्यादा' (1971), 'सौदागर' (1973), 'कर्मयोगी' (1978), 'बुलंदी' (1980), 'कुदरत' (1981), और 'तिरंगा' (1992) जैसी फिल्मों में निभाए गए अलग-अलग किरदारों से दर्शकों को अपना दीवाना बनाए रखा।

राज कुमार की सबसे बड़ी खासियत उनके डायलॉग थे, जिन्होंने उनकी गहरी आवाज और बेबाक अंदाज को फिल्म के किरदारों में अमर कर दिया। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में उनके बारे में ऐसा कहा जाता था कि वे अपनी शर्तों पर काम करते थे और उन्हें अगर कोई डायलॉग पसंद नहीं आता था तो उसे बदल दिया करते थे। उनकी बेबाकी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि फ्लॉप फिल्मों के बाद भी वे अपनी फीस बढ़ा देते थे। उनका मानना था कि फिल्म भले फ्लॉप हो, लेकिन उनका अभिनय कभी फेल नहीं होता।

फिल्म 'सौदागर' का 'हम तुम्हें मारेंगे और जरूर मारेंगे। लेकिन, वह वक्त भी हमारा होगा। बंदूक भी हमारी होगी और गोली भी हमारी होगी।' डायलॉग हो या फिल्म 'तिरंगा' का 'हम आंखों से सुरमा नहीं चुराते। हम आंखें ही चुरा लेते हैं।' या फिर फिल्म 'मरते दम तक' का 'हम कुत्तों से बात नहीं करते।', सारे डायलॉग्स उनके फैंस को याद हैं।

फिल्म जगत के सर्वोच्च पुरस्कार 'दादा साहेब फाल्के' से सम्मानित राज कुमार के कई डायलॉग्स आज भी सिनेमा प्रेमियों की जुबान पर जिंदा हैं।

बताया जाता है कि राज कुमार को 1990 के दशक में गले का कैंसर हो गया था, जिसके बारे में उन्होंने सार्वजनिक रूप से खुलासा नहीं किया था। 3 जुलाई 1996 को 69 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। राज कुमार की इच्छा थी कि उनका अंतिम संस्कार गुपचुप तरीके से किया जाए।

भडल्या नवमी पर बिना मुहूर्त देखे किए जाते हैं शुभ काम

सनातन धर्म में भडल्या नवमी का विशेष महत्व है। इसे अबूझ मुहूर्त भी कहा जाता है। आसान शब्दों में कहें तो भडल्या नवमी पर बिना किसी ज्योतिषीय सलाह के सभी प्रकार के शुभ कार्य कर सकते हैं। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि आषाढ़ माह में शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि 3 जुलाई को दोपहर में 2:07 मिनट से शुरू होगी और अगले दिन 4 जुलाई को शाम 4:33 मिनट पर समाप्त होगी। उदया तिथि के अनुसार 4 जुलाई को भडल्या नवमी मनाई जाएगी। यह दिन अक्षय तृतीया की तरह शुभ कार्यों के लिए श्रेष्ठ माना जाता है। भडल्या नवमी स्वंयसिद्ध तिथि है। इस तिथि पर सभी प्रकार के शुभ कार्य कर सकते हैं। साथ ही शुभ कार्यों की शुरुआत कर सकते हैं। इसके लिए किसी ज्योतिष से सलाह लेने की आवश्यकता नहीं होती है।

भडल्या नवमी चार जुलाई को है। यह इस सीजन का आखिरी विवाह मुहूर्त है। हालांकि इस समय गुरु अस्त चल रहे हैं, इसलिए मांगलिक कार्यों पर रोक लगी हुई है, फिर भी भडल्या नवमी को अबूझ मुहूर्त माने जाने से इस दिन काफी संख्या में विवाह होंगे। इसके दो दिन बाद छह जुलाई को देवशयनी एकादशी के साथ चार महीने के लिए सभी मांगलिक कार्य थम जाएंगे, जो एक नवंबर को देवों के जागने के साथ शुरू होंगे।

अद्ये कस्यापि मूढत्वे शुभकर्म न दोषकृत्। द्वयो मूढत्व मे प्रोक्तं दोषदं गुरुशुक्रयो:।।

ज्योतिष विद्वानों और शास्त्र के अनुसार अबूझ मुहूर्त में किसी प्रकार का पंचांग या मुहूर्त देखने की आवश्यकता नहीं होती है और इसमें गुरु या शुक्र तारा अस्त भी नहीं देखा जाता है।

4 जुलाई को आषाढ़ शुक्ल नवमी है। इसे भडल्या नवमी कहते हैं। इस दिन आषाढ़ गुप्त नवरात्रि भी खत्म हो रही है। इसके बाद 6 जुलाई को देवशयनी एकादशी है, इस तिथि से चार महीनों के लिए श्रीहरि विश्राम करते हैं, इसलिए शुभ कामों के लिए मुहूर्त नहीं रहते हैं। देवशयनी एकादशी से पहले आने वाली भडल्या नवमी को अबुझ मुहूर्त माना जाता है यानी इस दिन विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश या नए काम की शुरुआत जैसे शुभ काम बिना मुहूर्त देखे किया जा सकते हैं। अभी आषाढ़ मास की गुप्त नवरात्रि चल रही है, इस नवरात्रि की अंतिम भड़ली नवमी रहती है। इस नवमी पर गणेश जी, शिव जी और देवी दुर्गा की विशेष पूजा करनी चाहिए। जरूरतमंद लोगों को धन, अनाज, छाता, जूते-चप्पल, कपड़े का दान करना चाहिए।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

भडल्या नवमी तिथि

भडल्या की नवमी तिथि 3 जुलाई को दोपहर में 2:07 मिनट शुरू हो जाएगी, जो 4 जुलाई को शाम 4:33 मिनिट तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार 4 जुलाई को मनाई जाएगी।

गुरु तारा चल रहा है अस्त

देवशयनी एकादशी से चातुर्मास की शुरुआत होती है। इसके बाद भगवान विष्णु के योग निद्रा में होने की वजह से अगले 4 महीने तक कोई भी मांगलिक काम नहीं किया जा सकता है। ऐसे में चातुर्मास शुरू होने से पहले शुभ काम करने का अंतिम दिन भडल्या नवमी तिथि को होता है। पिछले करीब 1 महीने से विवाह के कारक ग्रह देव गुरु बृहस्पति मिथुन राशि में अस्त चल रहे हैं।

15 दिसंबर से 14 जनवरी तक खरमास

इस वर्ष नवंबर में केवल सात दिन और दिसंबर में सिर्फ पांच दिन विवाह मुहूर्त है। 15 दिसंबर से 14 जनवरी तक खरमास होने से विवाह नहीं हो सकेंगे। विवाह मुहूर्त 15 दिसंबर से चार फरवरी तक भी नहीं होंगे। शुक्र ग्रह के उदित होने के बाद पांच फरवरी से शुरुआत होगी।

अबूझ या स्वयंसिद्ध मुहूर्त

भडल्या नवमी अबूझ या स्वयंसिद्ध मुहूर्त के रूप में मानी गई है। यानी इस दिन शुभ कार्यों के लिए मुहूर्त के विचार की जरूरत नहीं होती।

महत्व

भडल्या नवमी तिथि स्वयंसिद्ध मुहूर्त है। इस तिथि पर शुभ कार्य करने के लिए ज्योतिष गणना की आवश्यकता नहीं पड़ती है। किसी भी समय जातक अपनी सुविधा के अनुसार शुभ कार्य कर सकते हैं। साथ ही शुभ कार्य का श्रीगणेश कर सकते हैं। इस तिथि पर शुभ कार्य करने से अक्षय तृतीया के समतुल्य फल प्राप्त होता है।

क्या आपका कपूर असली है? पहचानें भीमसेनी कपूर और करें शुद्धता का अनुभव

भीमसेनी कपूर, जिसे बासर भी कहते हैं औषधीय गुणों से संपन्न माना जाता है। इसकी तासीर गर्म होती है और आकृत्ति नुकीली होती है। ये वात, पित्त, और कफ जैसे दोषों को संतुलित करने में मदद करता है। धार्मिक दृष्टि से भी कपूर अहम है। इसका इस्तेमाल पूजा-हवन में किया जाता है। कोर- ोना का दौर लोग भूले नहीं हैं। उस समय कई लोग लौंग और कपूर की पोटली अपने पास रखते थे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आमतौर पर मिलने वाला कपूर नकली और सिंथेटिक होता है? लेकिन भीमसेनी ही है जो खालिस कपूर के तौर पर अपना दबदबा बनाए हुए है।

भीमसेनी कपूर एक प्राकृतिक कपूर है, जो पेड़ से प्राप्त होता है। यह बड़े टुकड़ों में, अनियमित आकार का और थोड़ा भूरा या पीलापन होता है। इसकी सुगंध थोड़ी तीखी लेकिन बहुत शुद्ध होती है और जलाने पर यह पूरी तरह जल जाता है, कोई अवशेष नहीं छोड़ता। आयुर्वेदिक दवाओं में इसी प्राकृतिक कपूर का उपयोग किया जाता है।

सुश्रुत संहिता में भीमसेनी कपूर को चक्षुष्य (नेत्रों के लिए सुखदायक) बताया गया है, जिसका उपयोग आंखों में शीतलता लाने या आंखों को आकर्षित बनाने के लिए किया जाता है। इसमें एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुण होते हैं, जो त्वचा में होने वाली जलन, खुजली और फटे पैरों के उपचार में मदद करते हैं।

चरक संहिता में बताया गया है कि भीमसेनी कपूर पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में मदद करता है, साथ ही यह भूख बढ़ाता है और पाचन से जुड़ी समस्या में भी उपयोगी है। यह कपूर सांस लेने में होने वाली तकलीफों को कम करने में मदद करता है और फेफड़ों के संक्रमण को ठीक करने में भी सहायक है।

भीमसेनी कपूर को डिफ्यूजर या कपूरदानी में जलाकर कमरे में सुगंध फैलाएं। इसी के साथ ही नारियल तेल में कपूर मिलाकर सिर की मालिश भी कर सकते हैं। कपूर की सुगंध कीड़े-मकोड़ों (मच्छर, कॉकरोच) को भगाने और हवा को शुद्ध करने में प्रभावी है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इसे जलाने से घर में खुशियां आती हैं और भाग्य तेज होता है। साथ ही, इसकी सुगंध मन को शांत करने और तनाव को कम करने में मदद करती है, जिससे एकाग्रता बढ़ती है।

चातुर्मास 6 से शुरू

आषाढ़ एकादशी के दिन से 4 महीने के लिए भगवान विष्णु क्षीरसागर में योग निद्रा के लिए चले जाते हैं। इस समय को चातुर्मास के नाम से भी जाना जाता है, जिसकी शुरुआत इस साल 6 जुलाई 2025 से हो रही है।

यह समय पूजा-पाठ, जप-तप के द्वारा सिद्धियां प्राप्त करने, शरीर और मन को स्वस्थ करने का होता है। इस समय पर आपको ऐसे क्या कार्य करने चाहिए, जिससे प्रभु की कृपा मिले। साथ ही आपको भी अपने जीवन में भी सकारात्मक बदलाव न सिर्फ दिखे, बल्कि महसूस भी हो।

इन चीजों का करें त्याग

चातुर्मास के दौरान बिस्तर को त्याग देना चाहिए। इन चार महीना में जमीन पर चटाई या चादर बिछाकर सोएं। सूर्योदय से पहले ब्रह्म मुहूर्त में उठने की कोशिश करें। स्नान आदि करने के बाद में ध्यान और पूजन करें।

चातुर्मास में यदि संभव हो, तो सिर्फ एक ही बार भोजन करें। तेल घी से बनी हुई ज्यादा मसालेदार चीजें खाना बंद कर दें। इसके साथ ही दूध, दही, बैंगन, हरी पत्तेदार सब्जियां, मसालेदार खाना, मांस, मदिरा को त्याग दें।

ध्यान के लिए रोज निकालें समय

रोजाना कुछ समय ध्यान के लिए निकलें। इसके अलावा आप जिस भी देवी देवता को पूजते हैं, उनके नाम जाप करने की कोशिश करें। यदि आप किसी मंत्र को सिद्ध करना चाहते हैं, तो उसे मंत्र के जाप को भी कर सकते हैं। हालांकि, इसके लिए किसी गुरु की शरण में जाएं और उनके मार्गदर्शन में ही यह करें।

यदि आप किसी प्रकार की सिद्धि पाना चाहते हैं, तो आपको किसी गुरु के आश्रय में जाना चाहिए। उनके मार्गदर्शन में ही 10 महाविद्याओं में से किसी एक महाविद्या की साधना करें। आप हनुमान साधना, दुर्गा साधना, वैष्णवी साधना आदि भी कर सकते हैं।

सावन में करें इन चीजों से परहेज जाने इसके पीछे की वजह

भोलेनाथ का प्रिय मास श्रावण माना जाता है। इस वर्ष 11 जुलाई से शुरू हो रहा है। बड़े बुजुर्ग अक्सर कहते हैं कि इस मास में कुछ चीजें वर्जित हैं। उसका धार्मिक ही नहीं वैज्ञानिक कारण भी होता है। इन दिनों कई लोग अपने दैनिक जीवन में बदलाव करते हैं। इसमें लोग रहन-सहन से लेकर अपने खाने-पीने के तरीकों में भी बदलाव करते हैं।

भारत के गांवों में, विशेषकर हिंदी पट्टी में, एक लोकोक्ति बहुत मशहूर है जो बड़े सहज भाव से बताती है कि किस मौसम में क्या खाएं और किस चीज से परहेज करें। इसी लोक कहावत में 'सावन साग न भादो दही' का जिक्र है।

सावन में दूध से बने उत्पादों का सेवन करने से इसलिए बचना चाहिए क्योंकि इन दिनों जमीन में दबे अधिकांश कीड़े ऊपर आ जाते हैं और घास या हरी चीजों को संक्रमित कर देते हैं। घास गाय या भैंस उसी को खाते हैं, जिसका दूध हमारे घरों में आता है, जो कि सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। दही इसलिए नहीं खानी चाहिए क्योंकि इन दिनों वातावरण में नमी और कीटाणुओं की वृद्धि होती है, जिससे हानिकारक बैक्टीरिया पनपते हैं। इसके अलावा, दही की तासीर ठंडी होती है, जिससे सर्दी-जुकाम होने का डर भी रहता है।

आयुर्वेद का मत है कि बारिश के कारण लोगों की पाचन शक्ति कमजोर होती है, वहीं, लहसुन और प्याज की तासीर गरम होती है, जिसे खाने से पेट फूलना, गैस और अपच होने की संभावना रहती है। चरक संहिता में सावन के महीने में बैंगन न खाने की सलाह दी गई है, जिसका मुख्य कारण इसकी प्रकृति और पाचन पर पड़ने वाला प्रभाव है। बैंगन को 'गंदगी में उगने वाली सब्जी' माना जाता है, और सावन में नमी के कारण इसमें कीड़े लगने की संभावना अधिक होती है, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है।

सुश्रुत संहिता में सावन में हरी पत्तेदार सब्जियों को खाने से इसलिए वर्जित माना जाता है क्योंकि इस मौसम में जमीन में दबे अधिकांश कीड़े ऊपर आ जाते हैं और हरी पत्तेदार सब्जियों को संक्रमित कर देते हैं, जिससे वायरल इंफेक्शन का खतरा बढ़ने का डर बना रहता है।

शनि की उल्टी चाल से इन राशि वालों को नवंबर तक होगा लाभ, नौकरी के मिलेंगे नए अवसर

29 मार्च 2025 को शनि ने मीन राशि में प्रवेश किया था। वह एक राशि में ढाई साल तक रहते हैं, इसलिए इस गोचर का संयोग एक लंबे समय के बाद बना था। अब शनि मीन में रहते हुए एक बार फिर चाल में बदलाव करने जा रहे हैं। वह 13 जुलाई 2025 को सुबह 7 बजकर 24 मिनट पर वक्री होंगे। फिर 28 नवंबर को सुबह 7 बजकर 26 मिनट पर शनि मार्गी अवस्था में आएंगे। चूंकि शनि लंबी अवधि के लिए वक्री रहेंगे, इसलिए उनका शुभ-अशुभ प्रभाव भी जातकों पर देर तक रहेगा। ज्योतिषियों के मुताबिक शनि जब भी गोचर करते हैं तो इसका प्रभाव न केवल राशियों बल्कि देश-दुनिया पर भी पड़ता है। बड़ी बात यह है कि शनि की वक्री चाल अधिक प्रभावशाली होती हैं। ऐसे में इस गोचर से किन राशियों को लाभ होगा,

वृषभ राशि (पृथ्वी तत्व, स्वामी: शुक्र)

स्थिर, विलासप्रिय और व्यवहारिक। शुक्र भौतिक सुख, प्रेम और कला का कारक है।

शनि के वक्री होने से वृषभ राशि वालों को विशेष लाभ मिल सकता है। करियर में कई सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। आपकी मधुर वाणी लोगों में अच्छी छवि का निर्माण करेगी। शनि के प्रभाव से लंबे समय से जो धन अटका हुआ था, वह प्राप्त होगा। व्यापारी वर्ग के लोग विदेश यात्रा पर जाएंगे। जो लोग बेर- ोजगार है उन्हें नौकरी मिलने की अच्छी संभावना है। खास बात है कि जीवनसाथी के साथ किसी पर्यटन स्थल पर जाकर हंसी-खुशी समय बिताने का अवसर आपको प्राप्त होगा।

कर्क राशि (जल तत्व, स्वामी: चंद्रमा)

संवेदनशील, पोषण देने वाले, घरेलू। चंद्रमा भावनाओं और मन का कारक है।

शनि के गोचर से कर्क राशि वालों को विशेष लाभ हो सकता है। आपको प्रेम जीवन में सकारात्मक बदलाव दिखेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। अचल संपत्ति से जुड़े मामलों में लाभ मिलेगा। इस दौरान नौकरीपेशा लोगों की मनचाही जगह पर नियुक्ति की इच्छा पूरी होगी। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को भी अच्छी खबर मिल सकती है। नए लोगों से अच्छी जान पहचान होगी। भाई-बहनों का साथ बना रहेगा। आत्मविश्वास की कमी दूर होगी।

मीन राशि (जल तत्व, स्वामी: बृहस्पति)

दयालु, भावनात्मक, रचनात्मक। गुरु करुणा, उच्च सोच और विस्तार का स्वामी।

मीन राशि वालों के लिए यह समय और भी शुभ रहेगा। शनि आपकी राशि में विराजमान हैं। यहां रहते हुए वह करियर में सफलता व बिजनेस में मनचाहा लाभ दे सकते हैं। आपके बैंक बैलेंस में वृद्धि हो सकती है। पुराने निवेशों से लाभ मिलने के योग हैं। घर में कोई धार्मिक या मांगलिक आयोजन हो सकता है। यदि आप कोर्ट-कचहरी से जुड़े किसी मामले को लेकर परेशान चल रहे थे, तो उसमें आपको राहत मिल सकती है।

शुक्रवार को सुबह उठते ही कर लें ये 5 काम मां लक्ष्मी पूरा करवाएंगी आपका हर काम

शुक्रवार का दिन मां लक्ष्मी की पूजा के लिए सबसे खास होता है। शुक्रवार की सुबह यदि आप कुछ उपाय कर लें तो आपका पूरा दिन सफलता से भरा होगा और आप जो भी काम करेंगे उसमें आपको मां लक्ष्मी के आशीर्वाद से पूर्ण सिद्धि हासिल होगी। शुक्रवार की सुबह सूर्योदय से पहले उठकर आपको स्नान कर लेना चाहिए और उसके बाद ये काम करने चाहिए। यदि आप शारीरिक रूप से समर्थ हैं तो आपको इन उपायों को करने के बाद ही अन्न और जल ग्रहण करना चाहिए। मां लच्मी को प्रसन्न करने के लिए अबकी बार शुक्रवार और भी खास होगा। दरअसल शुक्रवार 6 जून को निर्जला एकादशी का शुभ संयोग बना है। इस शुभ योग में यदि आप नीचे बताए गए उपाय करते हैं तो आपको जल्द ही मनचाहे फल की प्राप्ति होगी।

लक्ष्मी वंदना से करें दिन की शुरुआत

शुक्रवार की सुबह बिस्तर छोड़ने से पहले अपने दोनों हाथों की हथेलियों को देखकर यह श्लोक तीन बार बोलें:

कराग्रे वसते लक्ष्मीः करमध्ये सरस्वती।

करमूले तु गोविन्दः प्रभाते करदर्शनम्।।

फिर ॐ श्रीं महालक्ष्म्यै नमः मंत्र का 11 बार जप करें। इससे पूरे दिन शुभता बनी रहती है। यदि संभव हो तो माता लक्ष्मी के चित्र या प्रतिमा के सामने दीपक लगाकर पूजन करें। गुलाब के फूल और कमल के पुष्प अर्पित करें,

जिससे देवी लक्ष्मी का आशीर्वाद मिलता है और आर्थिक स्थिति में सुधार होता है।

गंगाजल या गुलाब जल मिलाकर करें स्नान

स्नान के जल में कुछ बूंदें गंगाजल, गुलाबजल, या चंदन तेल की मिलाएं और स्नान करते समय मन में यह भावना रखें कि आपके तन, मन और आत्मा की शुद्धि हो रही है। साथ ही स्नान करते समय ॐ शुक्राय नमः का जप करते रहें। यह क्रिया शुक्र ग्रह को संतुलित करती है और वैवाहिक जीवन, प्रेम संबंध, तथा सौंदर्य में वृद्धि करती है। साथ ही मन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। मां लक्ष्मी भी इस क्रिया से प्रसन्न होती हैं।

घर के मुख्य द्वार पर जलाएं दीपक

स्नान के बाद घर के मुख्य द्वार पर दो दीपक जलाएं। एक देसी घी का और एक तिल के तेल का। घर की समृद्धि, शांति और सुरक्षा के लिए यह अत्यंत फलदायक होता है। तुलसी के पास दीपक लगाते समय जल अर्पित करें और ॐ तुलस्यै नमः मंत्र बोलें। इससे पारिवारिक कलह शांत होती है और रिश्तों में मिठास आती है। यदि आपके घर में मां लक्ष्मी की मूर्ति है तो उनके पास भी दीपक लगाएं और शंख बजाकर वातावरण को शुद्ध करें।

सफेद चीजों का दान करें या गौ माता की सेवा करें

शुक्रवार को सुबह स्नान करने के बाद सफेद वस्तुएं जैसे खीर, मिश्री, चावल, दूध, रबड़ी, सफेद कपड़े, चंदन, इत्र आदि का दान विशेष शुभ होता है। ये वस्तुएं किसी गरीब महिला, कन्या या ब्राह्मण को दान करें। यदि संभव हो तो गौ माता को रोटी, चावल या गुड़ खिलाएं। इससे आपके जीवन से दरिद्रता दूर होती है और शुक्र ग्रह की शांति होती है, जो प्रेम, विवाह और भौतिक सुखों के लिए बहुत आवश्यक है।

घर में इत्र, चंदन या सुगंधित धूप की खुशबू करें

शुक्रवार की सुबह घर के सभी कमरों में चंदन, गुलाब, मोगरा, केवड़ा आदि की सुगंधित धूपबत्ती या इत्र का छिड़काव करें। विशेष रूप से घर के पूजा स्थल और उत्तर-पूर्व दिशा को साफ करके वहां घी का दीपक रखें। ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है और सकारात्मकता का संचार होता है। यह धन वृद्धि, आकर्षण, विवाह योग और मानसिक सुख के लिए बहुत लाभकारी माना गया है।

संपादकीय

नागरिकता का 'आधार'

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और एमआईएम नेता-सांसद ओवैसी के आरोप हैं कि भारत सरकार चोरी-छिपे राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करना चाहती है, नतीजतन मुसलमानों की एक अवांछित आबादी की नागरिकता रद्द की जा सकेगी। ममता बनर्जी ने बंगाल में एनआरसी लागू नहीं करने की घोषणा भी की है। नागरिकता का यह विवादित मुद्दा पुराना है। सर्वोच्च अदालत की निगरानी में असम और पूर्वोत्तर के कुछ अन्य राज्यों में, प्रयोग के स्तर पर, एनआरसी की कवायद की गई थी। दरअसल यह न तो असंवैधानिक अभियान है और न ही मुसलमानों की नागरिकता रद्द की जा रही है। किसी भी सरकार को नागरिकता छीनने का अधिकार नहीं है। यह सर्वोच्च अदालत के स्तर पर कई बार दोहराया जा चुका है। गौरतलब यह भी है कि भारत सरकार ने एनआरसी का निर्णय अभी तक नहीं लिया है। फिलहाल जनगणना और जातीय गणना के विराट अभियान सामने हैं, जिन्हें मार्च-अप्रैल, 2027 तक पूरा करने के लक्ष्य तय किए गए हैं। वैसे एनआरसी जनगणना का ही एक प्रारूप है। यदि जनगणना पर आपत्ति नहीं है, तो एनआरसी पर चीखा-चिल्ली क्यों मचाई जा रही है? दरअसल हमारा विषय यह है कि एक औसत भारतीय की 'नागरिकता' के तय मानक क्या हैं? यह देश अधिकतर गांवों, पिछड़े इलाकों और बाढ़-बारिश से ग्रस्त क्षेत्रों में बसने को बाध्य है। 'नागरिकता' के लिए कई दस्तावेज अपेक्षित हैं, जिन्हें पेश करना मुश्किल है। उन संदर्भों में अहम सवाल है कि 'आधार कार्ड' नागरिकता का पात्र, मानक आधार क्यों नहीं है? जनवरी, 2009 में तत्कालीन मनमोहन सरकार ने 'भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण' का गठन किया था और 'इंफोसिस' के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि को उसका प्रथम अध्यक्ष बनाया गया था। 'आधार कार्ड' सितंबर, 2010 में लागू हो गया। आज देश के 125 करोड़ से अधिक लोगों के पास आधार कार्ड है। उसमें नाम, पिता का नाम, जन्म-तिथि, पता और व्यक्ति के बॉयोमीट्रिक चिह्न आदि सब कुछ दर्ज हैं। प्राधिकरण के नाम में भी 'पहचान' शब्द जुड़ा है। आज आयकर रिटर्न, बैंक खाते के संचालन, सरकार की विशेष सामाजिक सुरक्षा वाली योजनाओं का लाभ, बच्चों का स्कूल में दाखिला, म्यूचुअल फंड्स अथवा शेयर बाजार में निवेश करने, सिम कार्ड खरीदने, नौकरी में प्रवेश करते समय 'आधार कार्ड' का प्रस्तुतीकरण अनिवार्य है। सरकार ने 'पैन कार्ड' और बैंक खातों को आधार से अनिवार्य तौर पर लिंक करा दिया है। अब 'मतदाता पहचान पत्र' को भी आधार कार्ड से जोडऩे पर विचार किया जा रहा है। यदि आधार कार्ड इतना महत्वपूर्ण और प्रामाणिक दस्तावेज है, तो उसके आधार पर किसी की नागरिकता तय करने में क्या दुविधा है? 'मतदाता कार्ड' भी अत्यंत मौलिक, साक्ष्य वाला दस्तावेज है। उसे नागरिकता का आधार मानक क्यों नहीं माना गया है? सरकार दलीलें देती रही है कि आधार कार्ड और मतदाता कार्ड एक निश्चित गिरोह द्वारा फर्जी बनाए जाते रहे हैं। यह सरकार की ही नाकामी है। फर्जी और नकली तो पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, राशन कार्ड भी बन रहे हैं। नकली पहचान बना कर आतंकवादी संसद भवन में घुस गए थे। सरकार इन नकलबाजों को क्यों नहीं रोक पाई है? यह सरकार के लिए गंभीर चुनौती भी है। देश में करोड़ों घुसपैठिया बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमान व्याप्त हैं, दशकों से सक्रिय हैं, उनके पास फर्जी कार्ड भी होंगे, वे वोट बैंक भी हैं, कमोबेश भाजपा-एनडीए सरकार उन्हें देश से बाहर क्यों नहीं कर पाई? बहरहाल किस्तों में ये अभियान जरूर दिखाई देते हैं। सरकार ने जिन दस्तावेजों को नागरिकता के आधार के तौर पर स्वीकार किया है, वे प्रवासी नौकरी-मजदूरी करने वालों के लिए मुश्किल हो सकते हैं। जन्म प्रमाणपत्र स्कूल-कॉलेज तक तो मिल सकते हैं, उसके बाद कामकाजी जिंदगी शुरू होती है, ऐसे प्रमाणपत्र कौन लेकर चलता है? माता-पिता के जन्म प्रमाणपत्र कहां से लाएं? मूल निवास छोड़ कर व्यक्ति दिल्ली या किसी अन्य महानगर में काम कर रहा है, मूल निवास पर माता-पिता भी दिवंगत हो चुके हैं, तो वह प्रमाणपत्र कहां से पेश किया जा सकता है? 'आधार कार्ड' प्रामाणिक दस्तावेज लगता है।

> सर्वोच्च अदालत की निगरानी में असम और पूर्वोत्तर के कुछ अन्य राज्यों में, प्रयोग के स्तर पर, एनआरसी की कवायद की गई थी। दरअसल यह न तो असंवैधानिक अभियान है और न ही मुसलमानों की नागरिकता रद्द की जा रही है। किसी भी सरकार को नागरिकता छीनने का अधिकार नहीं है। यह सर्वोच्च अदालत के स्तर पर कई बार दोहराया जा चुका है। गौरतलब यह भी है कि भारत सरकार ने एनआरसी का निर्णय अभी तक नहीं लिया है। फिलहाल जनगणना और जातीय गणना के विराट अभियान सामने हैं, जिन्हें मार्च-अप्रैल, 2027 तक पूरा करने के लक्ष्य तय किए गए हैं। वैसे एनआरसी जनगणना का ही एक प्रारूप है। यदि जनगणना पर आपत्ति नहीं है, तो एनआरसी पर चीखा-चिल्ली क्यों मचाई जा रही है? दरअसल हमारा विषय यह है कि एक औसत भारतीय की 'नागरिकता' के तय मानक क्या हैं? यह देश अधिकतर गांवों, पिछड़े इलाकों और बाढ़-बारिश से ग्रस्त क्षेत्रों में बसने को बाध्य है। 'नागरिकता' के लिए कई दस्तावेज अपेक्षित हैं, जिन्हें पेश करना मुश्किल है।

भारत ने कई युद्धों में पाकिस्तान को बुरी तरह से हराने के बावजूद उसके साथ मित्रों जैसा व्यवहार किया

भारत का प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान नहीं चीन है

राजेश कुमार पासी

जब अंग्रेजों ने भारत को आजाद किया तो वो जाते-जाते भी भारत के साथ साजिश कर गए। उन्हें अच्छी तरह से पता था कि भारत भविष्य में बड़ी शक्ति के रूप में उभर सकता है। भारत बड़ी शक्ति बनकर उनके लिए भविष्य में चुनौती न बन जाए इसलिए भारत को दो टुकड़ों में बांट गए। यह हमारी गलत सोच है कि भारत का विभाजन हिन्दू-मुस्लिम मतभेद की वजह से हुआ था। वास्तव में उन्होंने दोनों समुदायों के बीच के मतभेदों को बढ़ाकर ऐसे हालात पैदा कर दिये गए कि विभाजन के लिए हमारे नेताओं को मजबूर होना पड़ा। पाकिस्तान बनने से न केवल भारत कमजोर हुआ बल्कि भारत को हमेशा के लिए उसका एक कट्टर दुश्मन मिल गया। पाकिस्तान अपनी पैदाइश से ही भारत को अपना सबसे बड़ा शत्रु मानता आ रहा है जबकि भारत ने कभी भी पाकिस्तान को अपने दुश्मन के रूप में नहीं देखा। आप सोचकर देखिए कि अगर पाकिस्तान के साथ हुए युद्धों में भारत की हार हुई होती तो पाकिस्तान ने भारत का क्या हाल किया होता। भारत ने कई युद्धों में पाकिस्तान को बुरी तरह से हराने के बावजूद उसके साथ मित्रों जैसा व्यवहार किया। वास्तव में पाकिस्तान अपनी पैदाइश से ही एक जिहादी मानसिकता वाले आत्मघाती आतंकवादी ही तरह व्यवहार कर रहा है। वो खुद को मिटाकर भी भारत को खत्म कर देना चाहता है। विदेशी शक्तियां पाकिस्तान की पैदाइश से ही उसका इस्तेमाल भारत को आगे बढ़ने से रोकने के लिए करती रही हैं। पहले अमेरिका और पश्चिमी देश पाकिस्तान को भारत के खिलाफ इस्तेमाल कर रहे थे, अब चीन पाकिस्तान का इस्तेमाल कर रहा है। पाकिस्तान एक ऐसे गुंडे की तरह है जिसे पैसा देकर कोई भी भारत के खिलाफ मैदान में उतार सकता है। इसकी एक वजह यह भी है कि पाकिस्तान अपनी शक्ति के बल पर भारत के खिलाफ ज्यादा कुछ नहीं कर सकता। सवाल यह है कि अगर कोई अन्य देश सह नहीं देता तो क्या पाकिस्तान भारत का दोस्त बन जाता। सच्चाई कड़वी है लेकिन सच यही है कि पाकिस्तान का अस्तित्व ही भारत विरोध पर टिका हुआ है। कहा जाता है कि देशों के पास उनकी सेना होती है लेकिन पाकिस्तान की सेना ऐसी है जिसके पास एक देश है। पाकिस्तानी सेना अपनी जनता को भारत के खिलाफ भड़काती रहती है कि अगर वो न हो तो भारत पाकिस्तान को खत्म कर देगा। यही कारण है कि पाकिस्तान की आम जनता भी भारत के प्रति नफरत से भरी हुई है और वो सेना का भारी-भरकम खर्च उठा रही है। पाकिस्तान के कारण भारत का सबसे बड़ा नुकसान यह हुआ है कि वो अपने असली दुश्मन को कभी पहचान नहीं सका। पूर्व रक्षामंत्री जॉर्ज फर्नांडिस ने कहा था कि चीन भारत का नम्बर वन दुश्मन है लेकिन उनकी यह बात किसी को समझ नहीं आई। प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू जी चीन को मित्र देश मानते थे और उसके साथ मिलकर शांति के कबूतर उड़ाया करते थे। चीन से मित्रता हासिल करने के लिए उन्होंने भारत के हितों के साथ कई समझौते किये। वो चीन को खुश करते रहे ताकि वो भारत का दोस्त बना रहे लेकिन उनकी लाख कोशिशों के बावजूद चीन ने 1962 में भारत पर हमला करके भारत के बड़े भूभाग पर कब्जा कर लिया

> भारत बड़ी शक्ति बनकर उनके लिए भविष्य में चुनौती न बन जाए इसलिए भारत को दो टुकड़ों में बांट गए। यह हमारी गलत सोच है कि भारत का विभाजन हिन्दू-मुस्लिम मतभेद की वजह से हुआ था। वास्तव में उन्होंने दोनों समुदायों के बीच के मतभेदों को बढ़ाकर ऐसे हालात पैदा कर दिये गए कि विभाजन के लिए हमारे नेताओं को मजबूर होना पड़ा। पाकिस्तान बनने से न केवल भारत कमजोर हुआ बल्कि भारत को हमेशा के लिए उसका एक कट्टर दुश्मन मिल गया। पाकिस्तान अपनी पैदाइश से ही भारत को अपना सबसे बड़ा शत्रु मानता आ रहा है जबकि भारत ने कभी भी पाकिस्तान को अपने दुश्मन के रूप में नहीं देखा।

। चीन के इतने बड़े धोखे के बाद कुछ सालों तक भारत सरकार चीन के प्रति सतर्क रही लेकिन फिर एक बार उसकी तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाया गया। यूपीए शासन के दौरान कांग्रेस ने चीन के साथ एक एमओयू साइन किया है लेकिन इसमें क्या है, यह अभी तक देश की जनता को पता नहीं है। आज राहुल गांधी चीन के विकास का ढिंढोरा पीटते हैं लेकिन वो यह नहीं बताते कि 1980 तक चीन भारत के बराबर ही था लेकिन कांग्रेस की नीतियों के कारण भारत पिछड़ता गया और चीन आगे बढ़ गया। कितनी अजीब बात है कि एक लोकतांत्रिक देश होने के बावजूद भारत वामपंथी नीतियों पर चलकर आर्थिक बर्बादी की ओर जा रहा था जबकि चीन वामपंथी देश होकर पूंजीवाद के बल पर आर्थिक विकास की सीढ़ियां तेजी से चढ़ रहा था। वाजपेयी सरकार के समय भारत का चीन के साथ एक अरब डॉलर के घाटे का व्यापार था लेकिन यूपीए शासन के बाद यह घाटा सौ अरब डॉलर तक पहुंच गया। मोदी सरकार के आने के बाद इसमें बढ़ोतरी बेशक न हुई हो लेकिन यह कम नहीं हो पा रहा है। इसकी बड़ी वजह यह है कि यूपीए शासन के दौरान हमारी अर्थव्यवस्था चीन पर इतनी ज्यादा निर्भर हो गई है कि हम चाह कर भी चीन से आयात कम नहीं कर पा रहे हैं। सवाल यह है कि हम अपने ही पैसे से दुश्मन को क्यों बढ़ावा दे रहे हैं। वास्तव में चीन ने अमेरिका के सहयोग से अपने आपको दुनिया की फैक्टरी बना लिया है। यह हमारे देश की विदेश नीति की बहुत बड़ी विफलता है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने के बावजूद अमेरिका ने हमें न चुनकर चीन को इस काम के लिये चुना। जो चीन 1980 में हमारे बराबर था, वो आज हमारे से पांच गुणा बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। हम पाकिस्तान के साथ ऐसे उलझे रहे कि हम चीन की तरफ देख ही नहीं पाए। हम यह पहचान नहीं सके कि हमारा असली दुश्मन चीन है और उसकी बढ़ती ताकत एक दिन हमारे लिए सबसे बड़ी समस्या बन जाएगी। हम पाकिस्तान से खुद को अलग करना चाहते थे लेकिन आतंकवाद को हथियार बनाकर उसने हमें उलझाये रखा। पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कदम इसलिए नहीं उठाए गए क्योंकि पाकिस्तान परमाणु बम की धमकी देता था। पाकिस्तान और चीन ने एक जबरदस्त गठजोड़ बना लिया है जो हमारी सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद चीन के खतरे को सही तरह से पहचाना गया है। यूपीए शासन में चीन सीमा पर बुनियादी ढांचे के विकास की अनदेखी की गई क्योंकि रक्षा मंत्री का कहना था कि चीन इसका फायदा उठाकर हमारे देश में घुस जाएगा। मोदी सरकार ने बुनियादी ढांचे का विकास करके बता दिया कि यूपीए सरकार की सोच कितनी गलत थी। मोदी सरकार ने रक्षा क्षेत्र में खुद को आत्मनिर्भर बनाने की ओर कदम बढ़ाए जबकि पहले हम पूरी तरह से विदेशी हथियारों पर निर्भर थे। ऑपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिया कि भारतीय हथियारों में कितना दम है और भारत हथियारों के मामले में कितना आत्मनिर्भर हो चुका है। इस युद्ध में पाकिस्तान ने चीनी हथियारों का जबरदस्त इस्तेमाल किया है लेकिन हमारी सेना ने दिखा दिया कि वो चीनी हथियारों का कैसे मुकाबला कर सकती है। भारत की जबरदस्त रक्षा तैयारियां बता रही हैं कि हम पाकिस्तान को ध्यान में रखते हुए अपनी तैयारी नहीं कर रहे हैं। चीन को भी समझ आ चुका है कि भारत उसका मुकाबला करने की तैयारी कर रहा है। पहले डोकलाम और फिर गलवान में भारतीय सेना ने बता दिया है कि भारत चीन से मुकाबले के लिए तैयार है। भारत इसकी भी तैयारी कर रहा है कि अगर चीन और पाकिस्तान एक साथ हमला कर दें तो कैसे मुकाबला करना है। ऑपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिया है कि पाकिस्तान के मुकाबले हम सैन्य के रूप से इतने ज्यादा सक्षम हैं कि उसकी ज्यादा परवाह करने की जरूरत नहीं है। हमारा असली दुश्मन पाकिस्तान नहीं चीन है और उसकी बढ़ती आर्थिक ताकत है। भारत उसके मुकाबले के लिये उसके विकल्प के रूप में दुनिया के सामने खुद को पेश कर रहा है और इसका असर दिखाई देने लगा है। विदेशी कंपनियों को भारत में चीन से मुकाबला करने की क्षमता दिखाई दे रही है। आज भारत दुनिया का सबसे किफायती उत्पादन करने वाला देश बन गया है जो कि पहले चीन था। हम जल्दी ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाले हैं लेकिन चीन से मुकाबला करना अभी भी मुश्किल दिखाई दे रहा है। अब समय आ गया है कि हम पाकिस्तान से खुद को अलग करके चीन की तरफ ध्यान दें। हम बेशक चीन के खिलाफ सैन्य तैयारियां कर सकते हैं लेकिन जब तक आर्थिक रूप से उसके मुकाबले खड़े नहीं होते, तब तक हम कमजोर ही रहेंगे। सैन्य रूप से मजबूत होना जरूरी है लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी है कि दुश्मन से आर्थिक रूप से कमजोर न हुआ जाए। अगर किसी वजह से लड़ाई लंबी हो जाए तो आर्थिक ताकत ही काम आती है। चीन के साथ मित्रता रखते हुए हमें उससे मुकाबले को तैयार भी रहना है। जब तक हम आर्थिक रूप से मजबूत नहीं हो जाते, उसके उकसावे में नहीं आना है। हमारा मीडिया और जनता पाकिस्तान को जितना महत्व देते हैं और उससे बेहतर होने की खुशी मनाते हैं, उससे बाहर निकलने की जरूरत है। अब हमारा ध्यान सिर्फ चीन पर होना चाहिए क्योंकि पाकिस्तान भी अब सिर्फ उसका मोहरा भर रह गया है। चीन भारत के खिलाफ बांग्लादेश को भी तैयार कर रहा है। इसके अलावा वो म्यांमार में भी अपना प्रभाव बढ़ा रहा है। हमें चीन की हरकतों पर कड़ी नजर रखनी होगी क्योंकि वो नहीं चाहता है कि भारत एक बड़ी आर्थिक शक्ति बन जाए।

देश दुनिया से

शिक्षा व्यवस्था में बदलावों की प्रासंगिकता

भारत की शिक्षा व्यवस्था को काफी लंबे समय से बदलने की मांग होती रहती थी, लेकिन किसी सरकार ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। उधर वर्तमान सरकार ने अपने वादे को निभाते हुए शिक्षा व्यवस्था में कमियों को दूर करते हुए नई शिक्षा नीति को अंगीकृत किया। भले ही देर से सही लेकिन अपनाया तो गया जिसके लिए पूरा देश आज सरकार को बधाइयां दे रहा है। नई शिक्षा नीति में योग्यात्मक मूल्यांकन की जगह नियमित और रचनात्मक मूल्यांकन का प्रस्ताव है। नई मूल्यांकन प्रणाली अधिक योग्यता पर आधारित है। इससे छात्रों के विकास और सीखने के कौशल में वृद्धि होगी। शिक्षा जब तक संतुलित व व्यावहारिक न हो, तब तक उस शिक्षा का कोई औचित्य नहीं है। कहीं न कहीं भारतीय शिक्षा पद्धति में अव्यावहारिक शिक्षा व असंतुलित शिक्षा का बोध होता है, जिसका संतुलन बिठाने के लिए सरकार ने नई शिक्षा नीति को लाया है। यह बात स्पष्ट है कि शिक्षा का मनुष्य के लिए बहुत ही महत्व है। इसकी महता को इस कथन से अधिक समझा जा सकता है- 'विद्याहीन मनुष्य बिना पूंछ व सींग के पशु समान है।' वर्तमान युग आधुनिकता का युग है, जिसमें सभी चीजों का ज्ञान होना आवश्यक है। शिक्षा ही एक ऐसा सशक्त माध्यम है जिससे व्यक्ति अपना संपूर्ण विकास करता है तथा आगामी जीवन के लिए शिक्षण प्राप्त करता है। साथ में किसी भी देश की तकदीर बदलने व वहां के विकास और उत्थान में भी उस देश की शिक्षा नीति का बहुत बड़ा योगदान होता है। कोई भी राष्ट्र अपने सर्वोत्तम विकास के लिए अपनी शिक्षा नीति पर निर्भर रहता है, क्योंकि जैसी शिक्षा नीति होगी, उसके अनुरूप ही वहां की शिक्षा व्यवस्था होती है तथा शिक्षा भी उसी प्रकार की दी जाती है। यानी शिक्षा नीति को सुदृढ़ व सशक्त रूप देना उस देश के विकास मार्ग की गाथा लिखता है। भारत प्राचीन समय से ही शिक्षा व ज्ञान का केन्द्र रहा है, जहां पूरे विश्व से शिक्षा ग्रहण करने लोग आते थे। भारत की शिक्षा पूरे विश्व में प्रचलित थी। भारत को ज्ञान की भूमि कहा जाता था, लेकिन बीच के कुछ वर्षों में भारतीय शिक्षा पद्धति उस प्राचीन शिक्षा पद्धति के अनुरूप आगे नहीं बढ़ पाई। अंग्रेजों ने जबरन अपनी अंग्रेजी शिक्षा भारतीयों पर थोपनी चाही। परिणामस्वरूप लॉर्ड मैकाले की शिक्षा पद्धति 10 जमा 2 जमा 3 को अपनाया गया जिसमें अंग्रेजी शिक्षा को बढ़ावा दिया गया लेकिन बुनियादी शिक्षा को दरकिनार किया गया। फलस्वरूप बच्चों में मौलिक शिक्षा का अभाव था, जिसको देखते हुए बहुत पहले से देश की शिक्षा नीति में बदलाव और नई शिक्षा नीति को लागू करने की आवाजें बुलंद की जा रही थीं। इसे देखते हुए देश में 35 साल बाद नई शिक्षा नीति को कैबिनेट द्वारा मंजूरी दे दी गई, जिसके बाद भारत में आने वाले समय में शिक्षा व्यवस्था में कई बड़े बदलाव देखने को मिलना तय है। सबसे पहले तो इस नई शिक्षा नीति-2020 को समझना आवश्यक हो जाता है कि किस प्रकार की यह नई शिक्षा नीति लागू की गई है जिससे देश में एक सकारात्मक बदलाव आएगा। नई शिक्षा नीति में सबसे पहले तो मैकाले की शिक्षा नीति 10 जमा 2 की जगह अब 5 जमा 3 जमा 3 जमा 4 शिक्षा पद्धति को अपनाया जाएगा जिसके अंतर्गत सबसे पहले बच्चों की बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति की जाएगी तथा नई शिक्षा नीति के अनुसार प्राथमिक शिक्षा अब स्थानीय क्षेत्रीय भाषा में करवाना अनिवार्य होगा तथा जिस प्रकार पहले अंग्रेजी को थोपा जाता था, अब वैसा नहीं होगा, बल्कि अंग्रेजी को भी अन्य विषयों की तरह एक विषय के रूप में ही पढ़ाया जाएगा। ऐसी व्यवस्था होने से कहीं न कहीं विद्यार्थियों से कुछ बोझ कम होगा तथा बच्चे एक संतुलित शिक्षा हासिल कर पाएंगे। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत अब केवल बारहवीं कक्षा में ही बोर्ड की परीक्षाएं होंगी, जबकि दसवीं के बोर्ड को हटा दिया जाएगा तथा नौवीं से बारहवीं तक अब सैमेस्टर सिस्टम के तहत पढ़ाई करवाई जाएगी। यह बात तो हुई स्कूली स्तर में नई शिक्षा नीति के बदलाव की, लेकिन साथ में ही उच्च शिक्षा में भी नई शिक्षा नीति के आने से उच्च शिक्षा का रंग-रूप पूर्ण रूप से बदल जाएगा। अब स्नातक स्तर में स्नातक को तीन अलग भागों में विभक्त किया जाएगा, यानी एक वर्ष, दो वर्ष व तृतीय वर्ष तथा जो हायर एजुकेशन में जाएंगे, उनके लिए चार वर्ष। इस स्तर पर सबसे बड़ा बदलाव देखने को यह मिलेगा कि अब मल्टी एंटरी तथा मल्टी एग्जिट व्यवस्था होगी यानी विद्यार्थी कभी भी अपनी स्नातक छोडक़र कोई दूसरा कोर्स कर सकता है तथा दोबारा फिर वहीं से शुरू भी कर सकता है। साथ में अगर बात स्नातकोत्तर स्तर की करें तो अब एमफिल को हटा दिया जाएगा। अब पीएचडी एमए के बाद सीधे की जा सकेगी। नई शिक्षा नीति के आने से देश के ग्रामीण क्षेत्रों को अधिक लाभ पहुंचने की उम्मीद है, क्योंकि इस नई शिक्षा नीति में ऐसे प्रावधान किए गए हैं जिससे साफ है कि आने वाले समय में भारत के शिक्षा जगत में एक नया बदलाव देखने को मिलना तय है तथा यह बदलाव भारत को एक शिक्षित भारत के रूप में परिवर्तित कर देगा। भारत प्राचीन काल से ही शिक्षा व ज्ञान का केन्द्र रहा है।

कुछ अलग

बरसात की बेड़ियां

प्रकृति अपने संतुलन की तलाश में बरसात के गीत गा रही और इधर विकास की छत के नीचे पहाड़ भरभरा रहे। मौसम का एक हल्का सा अलर्ट पता नहीं अपने मंसूबे को कितना विकराल बना देगा और इस पर तुर्रा यह कि सारा सोशल ज्ञान बिन बादल बरसात की तरह खुद ही नहाता रहता है। स्कूल प्रांगण को देखकर समय के अनुरूप छात्रों को रोका गया है, तो यह कदम सतर्कता नहीं एक सुखद पहल है। हिमाचल में बहुत सी गतिविधियां अब रोक दी जाती हैं, फिर भी कई अध्याय बारिश के बीच भीग जाते हैं। खास तौर पर इन दिनों में कुछ परीक्षाओं के आयोजन में करियर की दौड़ लगाई जाती है। रविवार के दिन प्रतियोगी व प्रशासनिक परीक्षा के दौर में ये बूंदें बाढ़ की तरह बरपी हैं और इसका गवाह है परीक्षा भवन की हाजिरी से दूर रहे युवा। यह मुश्किल इसलिए हो जाता है कि कई बार छोटी परीक्षाओं के लिए केंद्र बिखर कर भटक जाते हैं।

आप का नजरिया

न्यू नार्मल है बेढंगी बात

आम लोगों को भय से मुक्ति पाने का मंत्र देने वाले कई बाबा जैड प्लस सुरक्षा में छप्पन सुख भोगते हुए दिन-रात झूठ पेलते हैं। उनके चेहरे से टपकती आध्यामिकता की ओवरडोज से यह समझ में ही नहीं आता कि बाबा गुस्से में हैं या दसवां द्वार पार कर चुके हैं। सलवारी बाबा तो उनके झूठ पर सवाल करने वालों को ऑन कैमरा धमकाते हुए पूछ बैठते हैं कि अब क्या मेरी पूंछ पाड़ेगा? जा मैंने बोला था। एब क्या कर लेगा? काश! उनकी पूंछ होती तो न दुनिया उनकी दिव्यता पर कोई संदेह करती और न ही प्रश्न पूछती। लम्बी-लम्बी फैंकने, नैरेटिव घडऩे और झूठ बोलने वालों की समझ में ढंग की बातें नहीं आतीं। वे हर तर्क का जवाब कुतर्क से देते हैं। ढंग की बात को शोर में दबा देना और फिर ज़ोर-शोर से अपनी बेढंगी बात को दुनिया के सामने रखना, अब न्यू नार्मल है। बेढंगी बात करने वाले ख़बरिया चैनलों, अपने लेखों और रैलियों में होने वाले भाषणों में ढंग की बात करने या सवाल पूछने वालों पर देशद्रोही होने का आरोप लगाते हुए कहते हैं कि उनकी बातें देश को समझ में नहीं आती। मशहूर लेखक आईज़ैक असीमोव कहते हैं कि जब मूर्खता देशप्रेम का पर्याय हो जाए तो बुद्धिमान होना ख़तरे को बुलावा देना है। मुझे लगता है कि मूर्खों से बरतने तथा उन्हें सहन करने की कला को ही अब ढंग की बात कहा जा सकता है। ऐसे समाज, देश या विश्व में जहां बेढंगी बात न्यू नार्मल हो, से निबटने की कला सीखने को बुद्धिमानी का पैमाना माना जाना चाहिए। तमाम शैक्षणिक संस्थाओं में बच्चों को इसकी शिक्षा दी जानी चाहिए। विश्व की सरकारें चाहें तो इसके लिए विश्वविद्यालयों में विशेष पीठ गठित कर सकती हैं, एमबीए सरीखे कोर्स या क्रैश कोर्स आरंभ कर सकती हैं। भरे पेट कभी क्रांतियां नहीं करते। लेकिन फिर भी क्रांति की किसी भी संभावना को पूरी समाप्त तरह करने के लिए सरकारें बेढंगी बातों से निबटने के लिए ऐसे कोर्स आरंभ करने पर गंभीरता से विचार तथा प्रयास कर सकती हैं। वजह स्पष्ट है क्योंकि राजनीति में न बेढंगे लोगों का आना रुक सकता है और न उन्हें बेढंगी बातें करने से रोका जा सकता है। पॉलिटिक्स अर्थात राजनीति में अब न राज बचा है और न नीति जैसी कोई बात। शुद्ध व्यापार है राजनीति। राजनीति में बेढंगी बातें करते हुए प्रोपेगेंडा या मिथ्या प्रचार करना अब वैश्विक राजनीति का नया ढंग है। विश्व के हर देश, हर कोने में ऐसे जीनियस बैठे हैं, जिन्हें केवल व्यापार करना है। ऐसे में मुझे लगता है कि पॉलिटिक्स और प्रोपेगेंडा को मिलाकर एक नए शास्त्र और सिद्धांतों की रचना की जा सकती है। इस नए शास्त्र का नाम रखा जा सकता है- पॉलीगैंडा। पर इसके सिद्धांतों की रचना के लिए बेढंगी बात करने वाले महामानवों के चरित्र का गंभीरतापूर्वक गहराई और विस्तार से अध्ययन तथा शोध करने की आवश्यकता होगी। महामानव एक दर्शनीय अवधारणा है। फ्रेडरिक नीत्शे ने सन् 1883 में अपनी किताब 'ज़रथुष्ट्र' में महामानव को उस व्यक्ति के रूप में परिभाषित किया है जो सामाजिक मानदंडों, मूल्यों और परंपराओं को अस्वीकार करके स्वयं अपने मूल्य बनाता है। वर्तमान महामानवों के चरित्र और कारनामों को देखते हुए लगता है कि वे सामाजिक मूल्यों, मानदंडों और हितों को नहीं, बल्कि अपने स्वार्थों और हितों को ध्यान में रखकर अपने मानदंड, मूल्य और परंपराएं बना रहे हैं। नहीं तो सांप-नेवले की लड़ाई के बाद ट्रंप चचा और मस्क एक साथ मिलकर क्यों हुआ-हू करते, गज़ा में लाखों निरीह लोग क्यों मारे जाते, पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र संघ में आतंक विरोधी अभियान का उपाध्यक्ष कैसे चुना जाता, उसे आईएमएफ और एडीबी से खरबों का लोन क्यों मिलता, पिछले दो सालों से अपनी कुरसी बचाने की जुगत में लगा नेतान्याहू गज़ा में लाखों निर्दोष लोगों की हत्या के बाद क्यों बिना किसी उकसावे के ईरान पर हमला कर देता और दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश का राष्ट्रपति क्यों किसी मवाली की भाषा बोलते हुए कभी थूकता और कभी उसे चाटता।

> बेढंगी बात करने वाले ख़बरिया चैनलों, अपने लेखों और रैलियों में होने वाले भाषणों में ढंग की बात करने या सवाल पूछने वालों पर देशद्रोही होने का आरोप लगाते हुए कहते हैं कि उनकी बातें देश को समझ में नहीं आती। मशहूर लेखक आईज़ैक असीमोव कहते हैं कि जब मूर्खता देशप्रेम का पर्याय हो जाए तो बुद्धिमान होना ख़तरे को बुलावा देना है। मुझे लगता है कि मूर्खों से बरतने तथा उन्हें सहन करने की कला को ही अब ढंग की बात कहा जा सकता है। ऐसे समाज, देश या विश्व में जहां बेढंगी बात न्यू नार्मल हो, से निबटने की कला सीखने को बुद्धिमानी का पैमाना माना जाना चाहिए।

दृष्टि कोण

किसान-खाद्य सुरक्षा के विरुद्ध हैं ये सिफारिशें

कुछ दिन पहले नीति आयोग के एक वर्किंग पेपर में भारत सरकार को सिफारिश की है कि वर्तमान में प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में जैव परिवद्र्धित (जीएम) कृषि उत्पादों के आयात को अनुमति दे दी जाए। इसमें नीति आयोग ने मक्का, सोयाबीन जैसी फसलों का उदाहरण भी दिया है, जिनके आयात को खोल दिया जाना चाहिए। वर्किंग पेपर में यह भी राय दी गई है कि सरकार इस समझौते में उन कृषि उत्पादों के आयात को भी खोलने का प्रस्ताव करे जिन्हें भारत में या तो पैदा नहीं किया जाता है या उनका उत्पादन इतना कम है कि उनके आयात से किसानों पर खास प्रभाव नहीं पड़ेगा। इस संबंध में वर्किंग पेपर में चावल, काली मिर्च, सोयाबीन तेल, झींगा, चाय, कॉफी, डेयरी उत्पादन, पोल्ट्री, सेब, बादाम, पिस्ता आदि का उदाहरण दिया गया है, जिनके आयात को नीति आयोग ने खोलने की सिफारिश की है। इस वर्किंग पेपर की सिफारिशों के बाद भारतीय किसान संघ सहित किसान संगठनों की कड़ी प्रतिक्रिया आई है और इस संबंध में नीति आयोग की पुरजोर निंदा भी की गई है और यह कहा गया है कि ये सुझाव किसानों के हितों के प्रतिकूल हैं। उदाहरण के लिए भारतीय किसान संघ ने कहा है कि ये सुझाव देश और किसान हितों के खिलाफ हैं। किसान संघ का यह भी कहना है कि नीति आयोग का अमेरिका के सामने घुटने टेकना अच्छा संकेत नहीं है। लेकिन दूसरी ओर यह भी खबर है कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ताओं में अवरोध आ गया है क्योंकि सरकार अमेरिका की इस मांग कि भारत, अमेरिका के जीएम कृषि उत्पादों और अन्य कृषि उत्पादों के लिए बाजार खोले, को मानने के लिए तैयार नहीं है। ऐसे में नीति आयोग का यह वर्किंग पेपर नीति आयोग की सरकार की स्थिति को समझ नहीं पा रहा है। इसका यह भी मतलब हो सकता है कि नीति आयोग सरकार की जीएम विरोधी स्थिति को बदलने हेतु प्रयास कर रहा है। यह दोनों ही स्थितियां देश के लिए शुभ नहीं हैं।

पहले भी नीति आयोग ने की थी जीएम की पैरवी : यह पहला अवसर नहीं है कि जब नीति आयोग ने जीएम फसलों की पैरवी की है। इससे पहले प्रो. अरविंद पनगढिया की अध्यक्षता में भी नीति आयोग ने जीएम फसलों के पक्ष में रिपोर्ट जारी की थी। उस समय भी इसका पुरजोर विरोध हुआ था। **क्यों सही नहीं है नीति आयोग की जीएम पैरवी :** देश में लंबे समय से जीएम फसलों का विरोध चल रहा है। जीएम के पक्षधरों द्वारा लगातार जीएम के पक्ष में प्रयास किए जाते रहे हैं। लेकिन जीएम के पुरजोर विरोध और ठोस तर्कों के चलते, जीएम समर्थकों को सफलता हाथ नहीं लगी। इनके विरोध के कई कारण हैं- पहला कारण तो यह है कि अधिकांश जीएम फसलें शाकनाशक रोधी यानी हर्बिसाइड टोलरेंट हैं। यानी जब ये फसलें उगाई जाती हैं, तो उसके आसपास के जितने भी शाक हैं, वे सभी शाकनाशकों द्वारा नष्ट किए जा सकते हैं और जीएम फसलों पर असर नहीं पड़ता। लेकिन ऐसे वैज्ञानिक तथ्य मौजूद हैं जो यह साबित करते हैं कि यह शाकनाशक, कैंसरकारी यानी 'कोर्सोनेजेनिक' है। गौरतलब है कि जब इन शाकनाशकों का उपयोग जीएम फसलों के उत्पादन के दौरान किया जाता है तो उसके कुछ अवशेष अवश्य उन कृषि उत्पादों में रह जाते हैं, जो कैंसर का कारण बन सकते हैं। आंकड़े बताते हैं कि अमेरिका में प्रति लाख जनसंख्या पर 350 कैंसर के मरीज हैं, जबकि भारत में यह आंकड़ा 100 प्रति लाख का है। इसका एक कारण जीएम फसलों में इस्तेमाल किए जाने वाले शाकनाशकों का अधिक उपयोग भी है। हालांकि भारत में खाद उत्पादों में जीएम बीजों का उपयोग और आयात वर्जित है, लेकिन कुछ समय से खाद्य तेलों की कमी के चलते अमेरिका और अन्य देशों से खाद्य तेलों का आयात बढ़ रहा है, जिनमें से कुछ मात्रा में जीएम खाद्य तेलों का भी आयात अनजाने में हो रहा है। यह बात भारत सरकार ने पहले भी स्वीकार की है। इसके कारण भारत में कैंसर का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। 2000 में जहां मात्र 8 लाख कैंसर मरीज थे, वर्ष 2024 तक उनकी संख्या 15 लाख तक पहुंच चुकी है। जीएम खाद्य तेलों का सेवन भी एक कारण हो सकता है। जीएम फसलों के आयात के विरोध का दूसरा कारण यह है कि वर्तमान में भारत के नियमों के अनुसार देश में जीएम फसलों के उत्पादन और आयात की अनुमति नहीं है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में व्यापारिक साझेदार देशों द्वारा अन्य साझेदार देश के नियमों का आदर करते हुए इस बाबत कोई विवाद नहीं खड़ा किया जा सकता।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। अपनी बातों को सही साबित करने के लिए आज के दिन आप अपने संगी से झगड़ सकते हैं। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना जरुरी नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जबरदस्ती बोलकर आप खुद को परेशानी में डाल सकते हैं। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है। आपके भाई–बहनों में से कोई आज आपसे पैसे उधार मांग सकता है, आप उनको पैसे उधार तो दे देंगे लेकिन इससे आपके आर्थिक हालात खराब हो सकते हैं। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। अपने प्रिय की ईमानदारी पर शक न करें। कार्यालय में सबकुछ आपके पक्ष में जाता नज़र आ रहा है। आपको ख़ुश करने के लिए आपका जीवनसाथी काफ़ी कोशिशें कर सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। एक ख़ुशनुमा और बढ़िया शाम के लिए आपका घर मेहमानों से भर सकता है। आप अचानक गुलाबों की ख़ुश्बू से ख़ुद को सराबोर पाएंगे।कार्यालय में कोई आपको कुछ बढ़िया चीज़ या ख़बर दे सकता है। आज अपने लिए वक्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। हालांकि इस दौरान आप दोनों के बीच थोड़ी बहुत कहासुनी हो सकती है। वैवाहिक जीवन के मोर्चे पर यह दिन वाक़ई बहुत बढ़िया है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। माता या पिता की सेहत पर आपको आज बहुत धन खर्च करना पड़ सकता है। आपके परिवार वाले किसी छोटी–सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। आपका कोई खास ही आज आपके साथ विश्वासघात कर सकता है। जिसकी वजह से आप दिनभर परेशान रह सकते हैं। आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। आपका जीवनसाथी आपको प्यार का एहसास देना चाहता है, उसकी मदद करें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं. परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आपका हमदम आपको पूरे दिन याद करता रहेगा। दफ़्तर में आपको पता लग सकता है कि जिसे आप अपना दुश्मन समझते थे, वह दरअस्ल आपका शुभचिंतक है। आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियाँ में जाएगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। मुमकिन है कि परिवार वाले आपकी उम्मीदों को पूरा न कर सकें। इस बात कि इच्छा न करें कि वे आपके मुताबिक़ काम करेंगे, बल्कि अपने काम करने का तरीक़ा बदलकर पहल करें। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे–छोटे तोहफ़े लोगों को दें। अपनी नौकरी से चिपके रहिए और दूसरों से उम्मीद मत कीजिए कि वे आकर आपकी मदद करेंगे। आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आपको बेवजह पैसा खर्च करने से खुद को रोकना चाहिए नहीं तो जरुरत के समय आपके पास पैसे की कमी हो सकती है। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। रोमांस के लिए बढ़ाए गए क़दम असर नहीं दिखाएंगे। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। रिश्तेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद–विवाद हो सकता है, लेकि आख़िर में सब ठिक हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ, जो सकारात्मक और मददगार स्वभाव के हैं। आप साथ में कहीं घूमने–फिरने जाकर अपने प्रेम–जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। चंद्रमा की स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि आज आपके पास काफी खाली वक्त होगा मुमकिन है कि आपके माता–पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। अपनी भावनाओं को दबाएँ और छुपाएँ नहीं। अपने जज़्बात दूसरों के साथ साझा करने से फ़ायदा मिलेगा। इस राशि के विवाहित जातकों को आज ससुराल पक्ष से धन लाभ होने की संभावना है। अपने परिवार की भलाई के लिए मेहनत करें। आज के दिन आप कार्यक्षेत्र में कुछ बढ़िया कर सकते हैं। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। ऐसा लगता है कि पारिवारिक–मोर्चे पर आप ज़्यादा ख़ुश नहीं हैं और कुछ अड़चनों का सामना कर रहे हैं। प्यार–मोहब्बत के लिहाज़ से दिन थोड़ा मुश्किल रहेगा। आपकी कड़ी मेहनत और निष्ठा ख़ुद आपके लिए बोलेगी व दूसरों का विश्वास और सहयोग आपको हासिल होगा। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे। रिश्तेदारों का दख़ल शादीशुदा ज़िन्दगी में परेशानी पैदा कर सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके भाई–बहनों में से कोई आज आपसे पैसे उधार मांग सकता है, आप उनको पैसे उधार तो दे देंगे लेकिन इससे आपके आर्थिक हालात खराब हो सकते हैं। अगर आप हर किसी की मांग पूरी करने की कोशिश करेंगे, तो सिर्फ़ नाकामी आपके हाथ लगेगी। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें। आज जीवनसाथी के साथ खाली वक्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक्त देना चाहिए। बढ़िया खाना, रोमानी पल और जीवनसाथी का साथ यही ख़ास है आज।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फ़ायदा दिलायेगा। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपका साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आपको विचार अवश्य करना चाहिए। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 04 जुलाई 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी सायं 04:33 तक
नक्षत्र : चित्रा सायं 04:50 तक
योग : शिव रात्रि 07:34 तक
करण : कौलव सायं 04:33 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 05:46 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:49 , सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:39 , सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : दुर्गा नवमी , भड़लीया नवमी , गुप्त नवरात्रि पूर्ण

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हमने डेढ़ साल में किए पूर्ववर्ती सरकार के पांच साल से ज्यादा काम : भजनलाल

जयपुर, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि अन्तिम पायदान पर बैठे व्यक्ति के उत्थान से ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा उनके इसी सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार महिला, किसान, युवा व मजदूर इन चार जातियों के सशक्तीकरण के लिए निरंतर काम कर रही है, जिससे विकास का उजियारा हर वर्ग तक पहुंचे।

शर्मा गुरूवार को सवाई माधोपुर में बालेर (खंडार) के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के दौरान आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सवाई माधोपुर अपनी प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक धरोहर के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। यहां का रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान जहां बाघों के लिए दुनियाभर में जाना जाता है, वहीं रणथंभौर का किला यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है। सवाई माधोपुर के अमरूदों की अपनी विशेष पहचान है।

शर्मा ने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से गरीब और वंचित वर्ग को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाकर उनके जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी अभियान का उद्देश्य है कि प्रशासन और जनता के बीच कोई खाई नहीं हो तथा कोई भी व्यक्ति विकास की मुख्य धारा से छूट ना जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में इन शिविरों से आमजन के भूमि संबंधी विवादों का समाधान, नर्सरियों से पौधों का वितरण, मृदा नमूनों का संग्रहण, मृदा स्वास्थ्य कार्डों का वितरण, मंगला पशु बीमा, पशुओं की जांच, इलाज और टीकाकरण, आयुष्मान कार्ड वितरण, गरीब परिवारों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं तथा एनएफएसए सहित कई लंबित प्रकरणों का निस्तारण हो रहा है। उन्होंने कहा कि सवाई माधोपुर में इन शिविरों के माध्यम से अब तक सीमा ज्ञान के 410, रास्तों के 228, आपसी सहमति से बंटवारे के 161 प्रकरणों का निस्तारण कर स्वामित्व के 689 कार्ड वितरित, 33 हजार 414 पौधों के वितरण सहित विभिन्न जनहित के कार्य किए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए कृत्संकल्पित होकर कार्य कर रही है। पानी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए पूर्वी राजस्थान के लिए ईआरसीपी, शेखावाटी के लिए यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर, देवास, माही, नर्मदा सहित विभिन्न परियोजनाओं पर भी तेजी से कार्य किया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान के अंतर्गत 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए गए, वहीं प्रदेश को बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी पर्याप्त प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के डेढ़ साल के कार्यकाल में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ। हम युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराने के लिए कृत्संकल्पित हैं तथा 5 साल में 4 लाख सरकारी व 6 लाख निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध करवा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले डेढ़ साल में प्रदेश में जो काम हुए, वो पूर्ववर्ती सरकार अपने पूरे 5 साल में भी नहीं कर पाई। हमने डेढ़ वर्ष में ही खेतों में 253.3 लाख मीटर की तारबंदी की, वहीं गत सरकार के 5 वर्षों में 113 लाख मीटर की तारबंदी ही की गई। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 29 हजार 343 हेक्टेयर की भूमि आवंटित की, जबकि गत सरकार में यह आंकड़ा 22 हजार 597 हेक्टेयर ही रहा। हमने डेढ़ साल में कुसुम–ए के तहत 646 तथा कुसुम–सी के तहत 2 हजार 91 एलओए किए, जबकि गत सरकार ने इनके तहत 489 तथा 57 एलओए ही किए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के डेढ़ साल के कार्यकाल में ही 32 हजार से अधिक किसानों को फार्म पौण्ड योजना के अंतर्गत अनुदान मिला, जबकि गत सरकार के समय यह आंकड़ा 29 हजार 430 ही था। उन्होंने प्रतिबद्धता जताई कि हमारी सरकार राज्य के विकास में कोई कोर–कसर नहीं छोड़ेगी। शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के विकास एवं उन्नयन के लिए काम कर रही है। खंडार विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए 350 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के शिवाड़ और बहरावण्डा खुर्द में 132 केवी जीएसएस की स्थापना, विभिन्न सड़कों का चौड़ाईकरण तथा बनास नदी रपट निर्माण सहित विभिन्न निर्माण कार्य करवाए जा रहे हैं। खंडार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का उप जिला चिकित्सालय में क्रमोन्नयन, राम जल सेतु परियोजना के तहत एनीकट निर्माण, पांचोलास से फलौदी सड़क मार्ग तथा आरसीसी कल्वर्ट ऑन कल्याणपुरा नाला विद अप्रोच सीसी रोड सहित विभिन्न निर्माण कार्य भी करवाए जाएंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 10 करोड़ रुपये की लागत से बालेर–करणपुर सड़क का निर्माण कराने की भी घोषणा की।

राजस्थान पुलिस की गौरवशाली परम्परा को आगे बढ़ाया जाएगा

पुलिसिंग की दृष्टि से राजस्थान को मॉडल स्टेट बनाया जाएगा : डीजीपी शर्मा

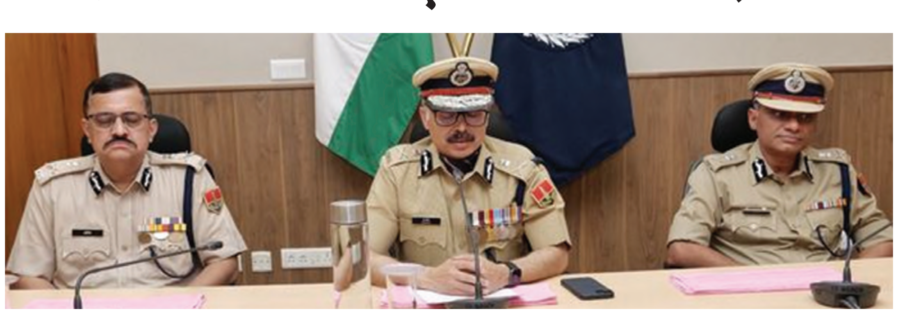

जयपुर, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

नवनियुक्त महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा ने कहा है कि राजस्थान पुलिस की सदैव से गौरवशाली परंपरा रही है। हमें इस परंपरा को आगे बढ़ाना है, विशेष रूप से पुलिस के ध्येय वाक्य 'आमजन में विश्वास, अपराधियों में डर' को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा हमें दिए गए जनता की सेवा के अवसर को पूरी निष्ठा और समर्पण से निभाना है। महानिदेशक पुलिस शर्मा गुरुवार को यहां पुलिस मुख्यालय में मीडियाकर्मियों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और राज्य सरकार द्वारा उन पर जताए गए विश्वास के प्रति आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि हर नागरिक को पुलिस सेवाएँ उनके थाने पर ही सुलभ हो। पुलिसकर्मियों का व्यवहार अच्छा हो। पुलिस से आम जनता की अपेक्षाएं पूर्ण हो, इसके लिए राजस्थान पुलिस टीम को पूरी तत्परता और संवेद–नशीलता के साथ कार्य करना है। उन्होंने कहा कि पुलिस से संबंधित कार्यों में हम आधुनिक तकनीक का भरपूर उपयोग करेंगे ताकि अपराधों की रोकथाम और जाँच प्रभावी ढंग से हो सके। जनता की सुरक्षा और गरिमा हमारी प्राथमिकता है और इसमें हम जनभागीदारी को सर्वोच्च महत्त्व देंगे।

शर्मा ने बताया कि इन सब समन्वित प्रयासों से हम संवेद–नशील पुलिसिंग को बढ़ावा देंगे और बढ़ते साइबर क्राइम पर गहन निगरानी और रोकथाम करेंगे। हमारा संकल्प है कि राजस्थान को पुलिसिंग की दृष्टि से पूरे देश में मॉडल स्टेट के रूप में स्थापित किया जाए। उन्होंने कहा कि हर नागरिक की सुरक्षा व गरिमा को ध्यान में रखते हुए जनसहभागिता से कार्य किये जायेंगे तथा अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण हमारा मुख्य फोकस रहेगा।

मीना बने राजस्थान सचिवालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष, चुनाव में 84 मतों से दर्ज की जीत

जयपुर, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

राजस्थान शासन सचिवालय में गुरुवार को हुए राजस्थान सचिवालय कर्मचारी संघ के चुनावों में कजोड़ मल मीना ने शानदार जीत हासिल कर अध्यक्ष पद पर कब्ज़ा कर लिया है। मीना ने अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी को 84 मतों के अंतर से हराकर यह पद जीता, जिससे उनके समर्थकों में भारी उत्साह देखने को मिला।

चुनाव अधिकारी भारत सिंह भाटी ने चुनाव परिणामों की घोषणा करते हुए बताया कि कुल 921 कर्मचारियों ने मतदान में भाग लिया। मतगणना के बाद, कजोड़ मल मीना को 471 वोट मिले, जो उन्हें निर्णायक जीत दिलाने के लिए पर्याप्त थे। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी विवेक चौधरी को 387 मत प्राप्त हुए। वहीं, अन्य उम्मीदवारों में हर्षित शर्मा को 54 वोट और अंजना शर्मा को केवल 5 वोट मिले। कुल 4 मतों को निरस्त घोषित किया गया। यह चुनाव सचिवालय कर्मचारियों के बीच काफी चर्चा में था, क्योंकि यह संघ के नेतृत्व के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है। कजोड़ मल मीना की जीत कर्मचारियों के बीच उनकी मजबूत पकड़ और विश्वास को दर्शाती है। जीत के बाद, कजोड़ मल मीना ने समस्त मतदाताओं और पूर्व अध्यक्षगणों के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने संबोधन में कर्मचारी हित में सदैव सक्रिय रहने और उनके अधिकारों व कल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य करने की अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई।

मीना ने कहा कि उनकी प्राथमिकता संघ को और मजबूत बनाना और कर्मचारियों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी कर्मचारी एकजुट होकर संघ के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहयोग करेंगे। यह जीत सचिवालय कर्मचारियों के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत का संकेत देती है, जिसमें उनके हितों को प्राथमिकता दिए जाने की उम्मीद है।

स्थानीय निकायों में हर समस्या पर हो खुलकर चर्चा : ओम बिरला

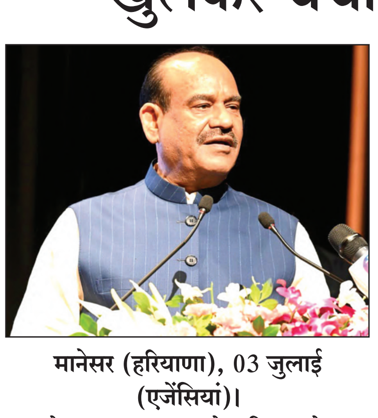

मानेसर (हरियाणा), 03 जुलाई (एजेंसियां)।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि स्थानीय निकाय लोकतंत्र की मजबूती के लिए अहम है और इसमें जवाबदेही सुनिश्चित कर हर समस्या पर लोकसभा तथा विधानसभाओं की तरह व्यापक चर्चा होनी चाहिए। बिरला ने गुरुवार को यहां शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि जनता की उम्मीदें सीधे सदन की कार्यवाही से जुड़नी चाहिए ताकि नगरपालिकाओं में लिए गये निर्णय जनता की अपेक्षाओं पर खरे उतरें। उनका कहना था कि स्थानीय निकायों में जन प्रतिनिधि चुनकर आते हैं इसलिए इन बैठकों में सिर्फ हंगामा नहीं बल्कि जनता के मुद्दों पर गहन चर्चा होनी चाहिए और जनता के मुद्दों का समाधान व्यापक विचार विमर्श से निकाला जाना चाहिए।उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की पद्धतियों को सरल और आकर्षक बनाने की जरूरत है और ऐसा होता है तो गाँव से शहर तक लोग लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़े रहेंगे और जन प्रतिनिधि सभाओं में पारदर्शी तरीके से जनता की समस्याओं का विचार विमर्श के बाद निदान हो सकेगा। जनता के सवालों का जवाब और उनकी समस्याओं का समाधान स्थानीय निकायों में ही होना चाहिए, इसलिए निकायों की कार्यवाही का संचालन गरिमा के साथ किया जाना चाहिए। उनका कहना था कि सभी स्थानीय निकायों में सदन को आदर्श तरीके से चलाने का प्रयास होना चाहिए और पारदर्शिता से स्थानीय चुनौतियों का समाधान किया जाना चाहिए। श्री बिरला ने कहा कि स्थानीय निकायों की बैठक में अक्सर व्यवधानों की खबरें आती रहती हैं। स्थानीय निकायों की बैठकें हंगामें के कारण स्थगित होने और हंगामें के बीच ही बजट पारित किये जाने की खबरें अखबारों की सुर्खियां बनती हैं। यह लोकतंत्र और जनता के हित में नहीं है इसलिए स्थानीय निकाय में जनता के मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए और हंगामें के कारण सदन की कार्यवाही स्थगित नहीं होनी चाहिए। इससे लोगों का हक मारा जाता है और चुने हुए प्रतिनिधियों की प्रतिष्ठा को लेकर जनता के बीच गलत संदेश जाता है इसलिए स्थानीय निकाय सदस्यों का दायित्व है कि जनता की मांगों को सदन में रखकर उसे पूरा करें।उन्होंने कहा कि हंगामा लोकतंत्र की आदर्श परंपरा नहीं है। लोकसभा ने लोकतंत्र की इस परंपरा को आगे बढाते हुए सदन की कार्यवाही चलाते रहने का निर्णय लिया था और अब लोकसभा पहले की तरह हंगामे के कारण स्थगित नहीं की जाती है। उन्होंने कहा कि 16 और 17वीं लोकसभा में हंगामे के कारण बार बार सदन की कार्यवाही स्थगित हो जाती थी लेकिन लेकिन अब इसमें बड़ा बदलाव आया है और हंगामे के कारण सदन स्थगित नहीं किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री के विकसित भारत के विजन को साकार करने की राह दिखाएगा

स्थानीय निकायों का राष्ट्रीय सम्मेलन : सैनी

चंडीगढ़, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुवार को मानेसर में शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों के प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि इस राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी हरियाणा को मिली है। इस सम्मेलन में हम सब अपने लोकतंत्र को मजबूत करने तथा राष्ट्र निर्माण में शहरी स्थानीय निकायों की भूमिका पर विचार मंथन कर रहे हैं। यह विषय हमारे लोकतंत्र की जड़ों को सींचने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत- 2047 के विजन को साकार करने की राह दिखाता है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि शहरी स्थानीय निकाय लोकतंत्र की प्रथम पाठशाला और नर्सरी हैं। लोकतंत्र की जड़ें स्थानीय स्तर पर जितनी गहरी होंगी, हमारा राष्ट्र उतना सशक्त बनेगा। अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर नागरिकों को आधुनिक सुविधाएं प्रदान करता है तो आमजन को लगता है कि उसने अपने स्थानीय निकाय की बागडोर सही हाथों में सौंपी है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत–विकसित हरियाणा, विकसित नगरों से ही बनेगा। इसलिए, हमने हरियाणा में विजन–2047 के तहत एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने और 50 लाख नए रोजगार के अवसर पैदा करने का लक्ष्य रखा है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि साइबर सिटी गुरुग्राम शहरी विकास का एक मॉडल है। इसके साथ लगते 180 किलोमीटर लंबे के.एम.पी. कॉरिडोर के साथ पंच ग्राम योजना के तहत ऐसे ही 5 अति आधुनिक शहर बसाने की परियोजना पर काम कर रहे हैं। यह योजना वर्ष 2050 तक 75 लाख जनसंख्या के लिए बनाई गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अमरुत योजना के तहत शहरों में बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। हरियाणा में सभी परिवारों का पहचान पत्र बनाया गया है और इससे सभी सरकारी योजनाओं को जोड़ दिया है। अब इन योजनाओं का लाभ नागरिकों को घर द्वार पर ही मिल रहा है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस स्वामित्व योजना को पूरे देश में लागू किया है, उस योजना को हरियाणा ने शत–प्रतिशत लागू कर दिया है। इसके साथ–साथ हरियाणा में नगर दर्शन पोर्टल की शुरुआत भी की गई है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि शहरी स्थानीय निकायों को सशक्त और पारदर्शी बनाना बेहद जरूरी है। इसके लिए हरियाणा में ई गवर्नेंस को तेजी से अपनाया जा रहा है। हरियाणा के हर निगम में डिजिटल पोर्टल के माध्यम से काम किया जा रहा है। एआई के माध्यम से समस्याओं के समाधान हो रहे हैं। संपत्ति कर, बिजली के बिल, ठोस कूड़ा प्रबंधन जैसे विषयों पर प्राथमिकता से कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार का मूल मंत्र है विकास भी और पर्यावरण भी। इसके लिए हमें रेन वॉटर हार्वेस्टिंग, ग्रीन बिल्डिंग, सोलर एनर्जी, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को प्राथमिकता देनी होगी। हर नगर निकाय को एक ग्रीन एक्शन प्लान तैयार करना होगा। जल संकट से निपटने के लिए अमृत सरोवर और जल जीवन मिशन जैसे अभियानों को हरियाणा गति दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता केवल मिशन नहीं, बल्कि हमारे संस्कारों का हिस्सा बने। स्वच्छ भारत मिशन का पहला चरण जन–जागरूकता था, दूसरा चरण इन्फ्रास्ट्रक्चर है, अब तीसरा चरण संस्कार होना चाहिए। शहरों को कचरा मुक्त करने के लिए शत–प्रतिशत सोर्स सेग्रीगेशन, बायो–सीएनजी और सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा देना होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि शहर स्लम मुक्त हो। गरीब को पक्का मकान, स्वच्छ पानी, अच्छी बुनियादी सुविधाएं और पूरा सम्मान मिले।

योगी कैबिनेट में लिए गए कई अहम फैसले

उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन का गठन होगा

- 29 खतरनाक कारखानों में महिलाएं भी करेंगी काम
- एक्सप्रेस-वे पर बनेंगे ग्रीन-फील्ड लिंक एक्सप्रेस-वे

लखनऊ, 03 जुलाई (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के गठन के प्रस्ताव को मंजूर कर लिया गया। इस मिशन का उद्देश्य न केवल राज्य के युवाओं को देश में रोजगार उपलब्ध कराना है, बल्कि उन्हें विदेशों में भी नियोजन के अवसर दिलाना है। वह भी अब सीधे राज्य सरकार के माध्यम से। कैबिनेट की बैठक के बाद सरकार के इस निर्णय की जानकारी दी गई। वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि बैठक में कुल 30 प्रस्तावों को अनुमोदन प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की यह दूरदर्शी पहल न केवल प्रदेश के युवाओं को सशक्त बनाएगी, बल्कि उत्तर प्रदेश को भारत का वैश्विक मानव संसाधन आपूर्ति केंद्र (ग्लोबल एचआर हब) बनाने की दिशा में भी मील का पत्थर साबित होगी। यह मिशन राज्य सरकार के उस वादे की पुष्टि करता है जिसमें कहा गया था, हर हाथ को काम और हर हुनर को सम्मान। कैबिनेट बैठक के बाद श्रम मंत्री अनिल राजभर ने बताया कि अब तक सेवायोजन विभाग केवल रोजगार मेलों और सेवायोजकों के माध्यम से राज्य के बेरोजगार युवाओं को अवसर दिला रहा था। लेकिन अब उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के गठन के साथ हम देश और विदेश दोनों स्तरों पर अपने युवाओं को सीधी नौकरी दिला सकेंगे। उन्होंने बताया कि मिशन का लक्ष्य एक वर्ष में देश में एक लाख और विदेशों में 25 से 30 हजार युवाओं को सेवायोजित करने का रखा गया है। अनिल राजभर ने बताया कि अब तक विदेशों में रोजगार के लिए राज्य को रिक्रूटिंग एजेंट (आरए) लाइसेंसधारी एजेंसियों पर निर्भर रहना पड़ता था। लेकिन मिशन के गठन के साथ ही सरकार स्वयं आरए का लाइसेंस प्राप्त कर सकेगी, जिससे अब बेरोजगारों को सीधे विदेशों में रोजगार पर भेजा जा सकेगा। श्रम मंत्री ने यह भी बताया कि वैश्विक स्तर पर उत्तर प्रदेश की मैनपावर खासकर पैरा मेडिकल, नर्सिंग स्टाफ, ड्राइवर्स, कुशल श्रमिकों की मांग तेजी से बढ़ रही है। यह मिशन राज्य की उस क्षमता को दिशा और अवसर देने का माध्यम बनेगा।

योगी सरकार ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया है। अब महिलाओं को कुछ विशेष शर्तों के साथ खतरनाक श्रेणी के सभी 29 कारखानों में काम करने की अनुमति दे दी गई है। श्रम मंत्री अनिल राजभर ने बताया कि अब तक देश में 29 प्रकार के खतरनाक कारखानों में महिलाओं का कार्य करना प्रतिबंधित था। 12 प्रकार के कम खतरनाक कारखानों में पहले ही उन्हें कार्य की अनुमति दी गई थी, जबकि हाल ही में 4 और श्रेणियों को अनुमोदन प्रदान किया गया है। अब ताजा निर्णय में उन्हें सभी 29 कारखानों में काम की अनुमति दे दी गई है। उन्होंने बताया कि कैबिनेट का यह फैसला तकनीकी विस्तार और उद्योगों की मांग के मद्देनज़र लिया गया है। महिला श्रमिकों की स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ही नियमों में संशोधन किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारी बहनें उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में सहभागी बनें, यही हमारा लक्ष्य है।

योगी कैबिनेट ने आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे तक प्रवेश नियंत्रित ग्रीन फील्ड लिंक एक्सप्रेस-वे के निर्माण को अनुमोदन प्रदान किया है। लगभग 49.96 किमी लंबा यह एक्सप्रेस-वे छह लेन का होगा, जिसे भविष्य में आठ लेन तक विस्तारित किया जा सकेगा। इसका निर्माण ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन) मॉडल पर किया जाएगा। परियोजना पर अनुमानित 4775.84 करोड़ रुपए का व्यय राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

सपा सरकार की जेपीएनआईसी भ्रष्टाचार परियोजना पर चली कुल्हाड़ी

सोसाइटी भंग, एलडीए को सौंपी गई परियोजना

लखनऊ, 03 जुलाई (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने गुरुवार को कैबिनेट बैठक में जय प्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय केंद्र (जेपीएनआईसी) परियोजना को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया। सपा सरकार में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी प्रोजेक्ट जेपीएनआईसी परियोजना को अब लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) को सौंप दिया गया है। इसके साथ ही, जेपीएनआईसी सोसाइटी को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया है। योगी सरकार ने इस परियोजना को पूरा करने, इसके रखरखाव और संचालन की जिम्मेदारी एलडीए को दी है, ताकि यह केंद्र जनता के लिए उपयोगी बन सके।

कैबिनेट ने जेपीएनआईसी सोसाइटी को भंग करते हुए परियोजना को यथास्थिति एलडीए को हस्तांतरित करने का फैसला किया है। अब एलडीए न केवल इस केंद्र का संचालन करेगा, बल्कि इसके रखरखाव और पूर्ण करने की प्रक्रिया को भी आगे बढ़ाएगा। परियोजना को निजी सहभागिता के जरिए संचालित करने, प्रक्रिया और शर्तें तय करने, सोसाइटी की सदस्यता समाप्त करने और अन्य आनुषंगिक कार्यों के लिए एलडीए को पूर्ण रूप से अधिकृत किया गया है। यह कदम परियोजना को पारदर्शी और कुशल तरीके से जनता के हित में उपयोग करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

कैबिनेट ने यह भी निर्णय लिया कि जेपीएनआईसी परियोजना के लिए शासन द्वारा अब तक अवमुक्त 821.74 करोड़ रुपए की धनराशि को एलडीए के पक्ष में स्थानांतरित ऋण माना जाएगा। एलडीए को इस राशि को आगामी 30 वर्षों में चुकाना होगा। यह व्यवस्था सुनिश्चित करेगी कि परियोजना के संचालन और रखरखाव के लिए वित्तीय बोझ को व्यवस्थित तरीके से संभाला जाए, साथ ही परियोजना जनता के लिए उपलब्ध हो सके। जेपीएनआईसी परियोजना के तहत लखनऊ में एक आधुनिक और विश्वस्तरीय केंद्र विकसित किया जा रहा है।

इसमें राज्य स्तर का ऑडिटोरियम, कन्वेंशन सेंटर, विश्वस्तरीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और मल्टीपर्पज स्पोर्ट्स कोर्ट की सुविधा होगी। इसके अलावा, 750 चार पहिया वाहनों की मल्टी-लेवल पार्किंग की व्यवस्था भी उपलब्ध होगी। ये सुविधाएं जनमानस के लिए खुली होंगी, जिससे लखनऊ के नागरिकों को एक आधुनिक और बहुउद्देशीय केंद्र का लाभ मिलेगा।

जेपीएनआईसी, जिसे सपा सरकार ने 2013 में शुरू किया था, शुरू से ही भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी रही। 2017 में योगी सरकार के सत्ता में आने के बाद परियोजना में अनियमितताओं की जांच शुरू हुई, जिसके चलते निर्माण कार्य रोक दिया गया। कैग की रिपोर्ट में बिना टेंडर के काम कराने और लागत में अनावश्यक वृद्धि जैसे गंभीर आरोप सामने आए थे। 860 करोड़ रुपए से अधिक खर्च होने के बावजूद परियोजना अधूरी रही, जिसे अब योगी सरकार एलडीए के माध्यम से पूरा करने की दिशा में कदम उठा रही है।

एलडीए को परियोजना को निजी सहभागिता के जरिए संचालित करने का अधिकार दिया गया है। इसके तहत, रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरईएफ) और लीज या रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल के माध्यम से निजी एजेंसियों को शामिल किया जाएगा। इससे न केवल परियोजना के बचे हुए कार्य पूरे होंगे, बल्कि इसका रखरखाव और संचालन भी बिना अतिरिक्त सरकारी खर्च के सुनिश्चित होगा। यह मॉडल परियोजना को आत्मनिर्भर बनाने और जनता के लिए उपयोगी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

योगी सरकार का यह फैसला जेपीएनआईसी को जनता के लिए खोलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

तीन माह में 7.72 लाख लीटर अवैध शराब जब्त

55 सौ से ज्यादा गिरफ्तार

लखनऊ, 03 जुलाई (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश आबकारी विभाग ने अवैध शराब के धंधे में लिप्त लोगों के खिलाफ बड़े स्तर पर कार्रवाई की है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में जून माह तक अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और तस्करी के 29,784 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 7.72 लाख लीटर अवैध मदिरा जब्त की गई। साथ ही 5,559 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें से 1,075 को जेल भेजा गया और तस्करी में शामिल 35 वाहनों को जब्त किया गया। इसके अलावा, विभाग ने जून 2025 में 4,458.22 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वर्ष के इसी माह के 3,431.20 करोड़ रुपए की तुलना में 1,027.02 करोड़ रुपए (लगभग 30 प्रतिशत) अधिक है।

आबकारी एवं मद्यनिषेध राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने बताया कि 6 जून से 20 जून 2025 तक 15 दिनों का विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत 5,079 मामले दर्ज किए गए और 1,42,401 लीटर अवैध शराब बरामद की गई। इस दौरान 924 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें से 189 को जेल भेजा गया। साथ ही, अवैध मदिरा के परिवहन में शामिल तीन वाहनों को जब्त किया गया। यह अभियान अवैध शराब के कारोबार पर नकेल कसने में प्रभावी साबित हुआ। पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में जून तक 27,276 मामले दर्ज किए गए थे, जिनमें 7.38 लाख लीटर अवैध शराब जब्त की गई थी। उस दौरान 6,426 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया था, जिनमें से 2,062 को जेल भेजा गया था और 50 वाहन जब्त किए गए थे। इस वर्ष न केवल मामलों की संख्या में वृद्धि हुई, बल्कि जब्ती और राजस्व संग्रह में भी उल्लेखनीय सुधार देखा गया। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में विभाग ने 14,400 करोड़ रुपए के निर्धारित राजस्व लक्ष्य के मुकाबले 14,229 करोड़ रुपए (98.8 प्रतिशत) हासिल किए। यह पिछले वर्ष की समान अवधि में अर्जित 11,783.76 करोड़ रुपए की तुलना में 2,445 करोड़ रुपए (लगभग 20 प्रतिशत) अधिक है। यह उपलब्धि विभाग की प्रभावी नीतियों और कठोर प्रवर्तन का परिणाम है। विभाग की यह कार्रवाई न केवल राजस्व वृद्धि में योगदान दे रही है, बल्कि जनता की सुरक्षा और स्वास्थ्य को भी सुनिश्चित कर रही है। अवैध शराब के खिलाफ निरंतर अभियान और पारदर्शी नीतियों के जरिए, उत्तर प्रदेश आबकारी विभाग राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ सामाजिक कल्याण के लिए भी कार्य कर रहा है।

जेपीएनआईसी परियोजना : जेपी के नाम पर था अखिलेश यादव का महा भ्रष्टाचार

लखनऊ, 03 जुलाई (ब्यूरो)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के कार्यकाल में शुरू हुई जय प्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय केंद्र (जेपीएनआईसी) परियोजना भ्रष्टाचार का एक काला अध्याय बन चुकी है। इस परियोजना को सपा के भ्रष्टाचार का ड्रीम-प्रोजेक्ट कहा जाता है। इस परियोजना ने न केवल लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नाम को कलंकित किया, बल्कि जनता के धन को भी लूटने का गंदा खेल खेला। गुरुवार को योगी कैबिनेट ने इस परियोजना को लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) को सौंपने का फैसला किया, साथ ही सपा सरकार द्वारा जेपीएनआईसी के संचालन के लिए बनाई गई जेपीएनआईसी सोसाइटी को भंग कर दिया। अब एलडीए इस केंद्र के संचालन और रखरखाव का जिम्मा संभालेगा।

जेपीएनआईसी परियोजना की शुरुआत 2013 में सपा सरकार के तहत हुई थी, जिसकी प्रस्तावित लागत एलडीए द्वारा 421.93 करोड़ रुपए आंकी गई थी। व्यय वित्त समिति ने इसे 265.58 करोड़ रुपए तक सीमित किया। लेकिन इसके बाद शुरू हुआ बजट रीवीजन का घिनौना खेल। 2015 में लागत बढ़ाकर 615.44 करोड़ रुपए की गई, फिर उसी साल इसे 757.68 करोड़ रुपए तक पहुंचाया गया। नवंबर 2016 में तीसरी बार रीवीजन के बाद लागत 864.99 करोड़ रुपए हो गई, यानी प्रस्तावित लागत का दोगुना से भी ज्यादा। इस राशि में से 821.74 करोड़ रुपए खर्च भी किए गए, लेकिन परियोजना आज तक अधूरी पड़ी है। यह साफ तौर पर भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है, जहां जनता का पैसा लूटा गया और बदले में मिला सिर्फ एक अधूरा ढांचा।

सपा पर पहले से ही परिवारवाद, गुंडाराज, माफियाराज और नौकरशाही में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं। जेपीएनआईसी घोटाला इन काले कारनामों का सबसे नायाब उदाहरण है। अखिलेश यादव, जो खुद को जय प्रकाश नारायण के विचारों का अनुयायी बताते हैं, ने उनके नाम पर बनाए गए इस केंद्र को भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया। सवाल उठता है कि क्या सपा का समाजवाद सिर्फ ठेकों, कमीशन और घोटालों तक सीमित है? इस परियोजना में बार-बार लागत बढ़ाने और ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने की साजिश ने सपा की असलियत को उजागर कर दिया।

समाजवादी पार्टी ने जेपीएनआईसी के संचालन के लिए जेपीएनआईसी सोसाइटी बनाकर भ्रष्टाचार को और बढ़ावा दिया। इस सोसाइटी के गठन का मकसद परियोजना को पारदर्शी और कुशलता से चलाना था, लेकिन यह सपा के भ्रष्टाचार का एक और जरिया बन गई। सोसाइटी के जरिए ठेकों और फंड के आवंटन में अनियमितताएं की गईं, जिससे जनता का पैसा लूटा गया। योगी सरकार ने इस सोसाइटी को भंग कर इसके भ्रष्ट तंत्र को खत्म करने का कार्य किया है, जो सपा के काले कारनामों पर एक और प्रहार है।

18.6 एकड़ में फैला जेपीएनआईसी एक बहुउद्देशीय केंद्र के रूप में डिजाइन किया गया था, जिसमें कन्वेंशन हॉल, 107 कमरों वाला लग्जरी होटल, जिम, स्पा, सैलून, रेस्तरां, ओलंपिक साइज का स्विमिंग पूल, 591 गाड़ियों के लिए सात मंजिला कार पार्क और जय प्रकाश नारायण के जीवन को समर्पित एक संग्रहालय शामिल था। लेकिन सपा के शासनकाल में यह परियोजना सिर्फ कागजों और घोटालों तक सीमित रही। सुरक्षा कारणों से यह इमारत बंद पड़ी है और निर्माण कार्यों की जांच अभी भी जारी है। 2017 में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद जेपीएनआईसी परियोजना की गहन जांच शुरू हुई। योगी सरकार ने परियोजना को पूरा करने के लिए कई कदम उठाए, जिसमें तीसरे पक्ष की जांच भी शामिल थी। भारत सरकार के उपक्रम मेसर्स राइट्स लिमिटेड से कराई गई जांच में कई अनियमितताएं सामने आईं। इसके परिणामस्वरूप, संबंधित वेंडर की 2.5 करोड़ रुपए की सिक्योरिटी जब्त की गई और आवास एवं शहरी नियोजन अनुभाग द्वारा दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

जांच में परियोजना को पूरा करने के लिए 925.42 करोड़ रुपए के संशोधित बजट का प्रस्ताव दिया गया, जिसे शासन ने ठोस और व्यवहारिक प्रस्ताव की कमी के कारण निरस्त कर दिया। इसके बाद एलडीए ने एक नया प्रस्ताव तैयार किया, जिसमें निजी सहभागिता के जरिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) और लीज या रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल के तहत परियोजना को पूरा करने की योजना बनाई गई है। इस मॉडल के तहत, निजी एजेंसी द्वारा फर्निशिंग और बाकी कार्य किए जाएंगे, जिससे शासन पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ न पड़े और परियोजना संचालित हो सके। एलडीए यह भी सुनिश्चित करेगा कि स्क्रैप पर किए गए खर्च को निजी संचालक से एक निश्चित अवधि में वसूला जाए।

संभल जामा मस्जिद विवाद में नया मोड़

परिसर में नमाज पढ़ने पर रोक लगाने की याचिका दाखिल

संभल, 03 जुलाई (ब्यूरो)। संभल जामा मस्जिद को लेकर चल रहे विवाद में एक और नई याचिका दाखिल की गई है। इसमें मस्जिद में नमाज पर रोक लगाने की मांग की गई है।

याचिकाकर्ता का कहना है कि जब तक यह तय नहीं होता कि यह जगह मंदिर है या मस्जिद, तब तक वहां किसी भी धार्मिक गतिविधि की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। चंदौसी की अदालत ने इस पर सुनवाई के लिए 21 जुलाई की तारीख तय की है। यह याचिका सिमरन गुप्ता ने दाखिल की है। उनका कहना है कि जब तक यह तय नहीं हो जाता कि यह जगह मंदिर है या मस्जिद, तब तक किसी भी धर्म की पूजा या नमाज नहीं होनी चाहिए। उन्होंने मस्जिद को सील करने और उसे जिलाधिकारी की निगरानी में देने की भी मांग की है।

इससे पहले 19 नवंबर 2023 को आठ हिंदू याचिकाकर्ताओं ने अदालत में दावा किया था कि शाही जामा मस्जिद असल में हरिहर मंदिर है। उसी दिन अदालत के आदेश पर वहां पहला सर्वे हुआ और 24 नवंबर को दूसरा। दूसरे सर्वे के दौरान हुई हिंसा में चार लोगों की मौत और 29 पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। हिंसा के बाद पुलिस ने समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क, मस्जिद समिति के अध्यक्ष जफर अली समेत 2750 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। अब तक 96 लोगों को जेल भेजा जा चुका है। मामला हाईकोर्ट तक भी गया। हाईकोर्ट ने निचली अदालत में सुनवाई जारी रखने को कहा। अब 21 जुलाई को अदालत तय करेगी कि जब जगह विवादित है तो मस्जिद में नमाज पर रोक लगाई जाए या नहीं।

बेलांव हत्याकांड में पूर्व सांसद धनंजय सिंह समेत चारों आरोपी बरी

जौनपुर, 03 जुलाई (ब्यूरो)। बेलांव हत्याकांड में पूर्व सांसद धनंजय सिंह समेत चारों आरोपियों को आज बरी कर दिया गया। केराकत के बेलांव में 15 साल पहले संजय निषाद और नंदलाल निषाद की हत्या के मामले में आज कोर्ट ने पूर्व सांसद धनंजय सिंह समेत कुल चारों आरोपियों को बरी कर दिया। एक अप्रैल 2010 को बेलांव घाट बैरियर के पास टोल टैक्स के विवाद में संजय निषाद और नंदलाल निषाद की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

आरोप है कि ठेकेदारी की रंजिश को लेकर हत्याकांड को अंजाम दिया गया। पुलिस ने पूर्व सांसद धनंजय सिंह के साथ ही आशुतोष सिंह, पुनीत सिंह व सुनीत सिंह के खिलाफ चार्जशीट दाखिल किया। कोर्ट में गवाहों के बयान भी दर्ज हुए हैं। एडीजीसी लाल बहादुर पाल ने 20 गवाहों को परीक्षित कराया। फिर सभी सबूतों की समीक्षा करने के बाद धनंजय सिंह को बरी कर दिया गया।

नैनी सेंट्रल जेल के वरिष्ठ जेल अधीक्षक का तबादला

जेल में अतीक के बेटे के पास रुपए मिलने पर कार्रवाई

प्रयागराज, 03 जुलाई (ब्यूरो)। माफिया मरहूम अतीक अहमद के बेटे अली अहमद की बैरक में पैसे मिलने के मामले में नैनी केंद्रीय कारागार के वरिष्ठ जेल अधीक्षक रंगबहादुर पटेल का तबादला कर दिया गया है। पटेल के स्थान पर कासगंज में तैनात रहे विजय बहादुर सिंह को नैनी सेंट्रल जेल का नया वरिष्ठ जेल अधीक्षक बनाया गया है। विजय बहादुर ने चार्ज भी ले लिया है। इसके पहले भी एक महिला डिप्टी जेलर और मुख्य जेल वार्डर को निलंबित किया जा चुका है।

माफिया अतीक अहमद का बेटा अली केंद्रीय कारागार नैनी में बीते 30 जुलाई 2022 से बंद है। उमेश पाल हत्याकांड के बाद से अली की मुलाकात बंद हो चुकी है। सुरक्षा की दृष्टि से उसे हाई सिक्योरिटी सेल के एक कमरे में रखा गया है। यह बैरक तन्हाई बैरक के पास बनी है। अली से केवल उसके अधिवक्ता को ही मुलाकात करने की इजाजत है। 16 जून को अली अहमद से मुलाकात करने उसका अधिवक्ता पहुंचा था। जेल प्रशासन ने अली की तलाशी लेकर सेल के पास कमरे में अधिवक्ता से उसकी मुलाकात कराई थी। निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे के सामने उसकी मुलाकात कराई जाती है। अली की बैरक के पास सीसीटीवी कैमरे के साथ ही बंदी रक्षक 24 घंटे निगरानी करते हैं। अधिवक्ता से मुलाकात के बाद अली अपनी बैरक में चला गया। इस दौरान अधिवक्ता ने अली को नकद राशि दी थी।

17 जून को डीआईजी जेल को इसकी भनक लगी कि अली के पास नकदी है। इस पर वह शाम को जेल पहुंचे और अली के बैरक की तलाशी ली। जांच में अली के पास से 1100 रुपए मिले थे। मामले में डीआईजी जेल ने अपनी रिपोर्ट शासन को भेज दी। बुधवार शाम को रिपोर्ट के आधार पर डीजी जेल ने डिप्टी जेलर कांति देवी और हेड वार्डर संजय द्विवेदी को निलंबित कर दिया था।

फॉक्सकॉन तकनीकी ग्रुप ने भारत में काम कर रहे चीनी इंजीनियरों को स्वदेश लौटने को कहा

मुंबई, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत में कारोबार फैलाने की अमेरिकी टेक कंपनी एप्पल की योजना को करारा झटका लगा है। इसका कारण ये हैं कि फॉक्सकॉन तकनीकी ग्रुप ने भारत में आईफोन संयंत्रों में काम करने वाले चीन के इंजीनियरों को स्वदेश लौट जाने के लिए कहा है। फॉक्सकॉन के कदम से 'आईफोन 17' तैयार होने की योजना खटाई में पड़ सकती है। एप्पल सितंबर मध्य तक 'आईफोन 17' बाजार में पेश करना चाह रही है।

'आईफोन 17' तैयार होने की योजना खटाई में पड़ सकती

सूत्रों का कहना है कि संभवत: चीन सरकार के निर्देश के बाद फॉक्सकॉन ने फैसला लिया होगा। चीन सरकार भारत में 'आईफोन17' जैसे नए फोन बनाने में इस्तेमाल होने वाली स्मार्टफोन मशीन के आयात की मंजूरी देने में पहले से ही आनाकानी कर रही है। इन दोनों कारणों से भारत में आईफोन बनाने के लिए जरूरी प्रशिक्षण कार्यों पर भी असर हो सकता है। इसके साथ चीन से विनिर्माण तकनीक के हस्तांतरण की प्रक्रिया को भी झटका लगेगा है और उत्पादन लागत बढ़ जाएगी। दिलचस्प बात है कि फॉक्सकॉन ने 15 जुलाई तक भारत में 1,000 नए कर्मचारियों की भर्ती की योजना तैयार रखी थी।

सूत्र ने कहा कि इन नई भर्तियों के साथ इसके कर्मचारियों की संख्या बढ़कर 40,000 तक पहुंच जाती। सूत्रों ने खुलासा किया कि फॉक्सकॉन चीनी तकनीकी विशेषज्ञों की जगह वियतनाम के इंजीनियरों को नियुक्त कर सकती है। अपने इंजीनियरों को वापस बुलाने के चीन सरकार के कदम के पीछे उसकी संरक्षणवादी मानसिकता है। वहां की सरकार भारत को तकनीक हस्तांतरण एवं उपकरणों के निर्यात में भी अड़ंगा लगा रही है। फॉक्सकॉन के कदम पर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना-प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'हमें इससे कोई खास दिक्कत होती नहीं दिख रही है।

न्यूज ब्रीफ

वरिष्ठ नौकरशाह एपी दास जोशी खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के सचिव नियुक्त

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वरिष्ठ नौकरशाह एपी दास जोशी को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का सचिव नियुक्त किया है। कार्मिक मंत्रालय के जारी आदेश में कहा गया है कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में सचिव के रूप में एपी दास जोशी की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। असम-मेघालय काडर के 1994 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठ अधिकारी जोशी वर्तमान में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) में अतिरिक्त सचिव हैं। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण सचिव संजीव चोपड़ा इस वर्ष 31 मई को सुब्रत गुप्ता के सेवानिवृत्त होने के बाद से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे हैं।

मॉयल ने जून में रिकॉर्ड 1.68 लाख टन मैंगनीज अयस्क का किया उत्पादन

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी मॉयल लिमिटेड ने जून महीने में 1.68 लाख टन मैंगनीज अयस्क का उत्पादन किया है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 2 फीसदी अधिक है। कंपनी ने अपनी स्थापना के बाद से रिकॉर्ड तिमाही उत्पादन दर्ज किया है। इस्पात मंत्रालय के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) की अवधि के दौरान मॉयल लिमिटेड का 5.02 लाख टन का अबतक का सर्वश्रेष्ठ तिमाही उत्पादन रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 6.8 फीसदी अधिक है। इसके अलावा 34,900 मीटर की अबतक की सर्वश्रेष्ठ प्रथम तिमाही अन्वेषीकोर ड्रिलिंग है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 16.2 फीसदी अधिक है। मॉयल लिमिटेड के अध्यक्ष सह-प्रबंध निदेशक अजित कुमार सक्सेना ने कंपनी के परिणामों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का शानदार प्रदर्शन कंपनी की मजबूत बुनियाद और निरंतर विकास की संभावनाओं को दर्शाता है। मैंगनीज अयस्क का खनन करने वाली सार्वजनिक क्षेत्र की मॉयल लिमिटेड भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के अधीन एक मिनीरत्न कंपनी है।

मुकेश बना रहे नई कंपनी नाम रखा न्यू रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड

नई दिल्ली। रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने अपने सभी तेजी से बिकने वाले उपभोक्ता सामान (एफएमसीजी) ब्रांड्स को अलग करने का बड़ा फैसला लिया है। ये ब्रांड अभी रिलायंस की रिटेल कंपनियों आरआरवीएल, आरआरएल, आरसीपीएल के अंदर थे। अब इन्हें एक नई अलग कंपनी में रखा जाएगा, जिसका नाम न्यू रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड होगा। यह नई कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स की तरह सीधे आरआईएल की सहायक कंपनी होगी। यह जियो प्लेटफॉर्म्स की तरह सीधे आरआईएल की सहायक कंपनी होगी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस बदलाव का मुख्य कारण है कि इन एफएलसीजी ब्रांड्स को विशेष और पूरा ध्यान मिल सके। रिलायंस का कहना है कि एफएलसीजी का बिजनेस पूरी तरह अलग है। इसमें ब्रांड बनाना, उत्पादों पर रिसर्च करना, उन्हें बनाना, बांटना और उनकी मार्केटिंग करना है। इसके लिए अलग कौशल और विशेषज्ञता की जरूरत होती है, जो सामान्य रिटेल बिजनेस से अलग है। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के एक आदेश में भी कहा गया है कि यह कदम एक अलग तरह के निवेशकों को आकर्षित करेगा। मुकेश अंबानी पहले ही अपनी रिटेल और टेलीकॉम कंपनियों के लिए आईपीओ लाने का संकेत दे चुके हैं। कंपनी के लोगों का मानना है कि यह रीस्ट्रक्चरिंग रिटेल बिजनेस को शेयर बाजार में लाने की तैयारी है। एफएलसीजी बिजनेस को अलग करने से रिटेल कंपनी का वैल्यूएशन बेहतर होगा। फिलहाल रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) का वैल्यूएशन 100 अरब डॉलर यानी करीब 8.5 लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा है, जो इसके आईपीओ को हाल के सबसे बड़े आईपीओ में से एक बना सकता है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के बाद मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र का कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर खरीदारी का जोर बना हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.47 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,227.42 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 190.24 अंक यानी 0.94 प्रतिशत की छलांग लगा कर 20,393.13 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल 0.16 प्रतिशत की तेजी के साथ 44,556.07 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,774.69 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.98 प्रतिशत उछल कर 7,738.42 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 116.82 अंक यानी 0.49 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,790.11 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी आम तौर पर तेजी का माहौल बना हुआ है। एशिया के 9 बाजार में से 7 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। हैंग सेंग इंडेक्स 250.79 अंक यानी 1.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,970.62 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.14 प्रतिशत फिसल कर 4,005.31 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.05 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,543.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 39,807.98 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स में अच्छी तेजी नजर आ रही है।

ईटीएफ में पांच सालों में हुई पांच गुना बढ़ोतरी, निवेशकों की बनी पसंद

नई दिल्ली। भारत में एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स ने पिछले पांच सालों में रफ्तार पकड़ ली है। मार्च 2025 तक इनका एसेट अंडर मैनेजमेंट पांच गुना से बढ़कर 8.38 लाख करोड़ हो गया है, जो मार्च 2020 में मात्र 1.52 लाख करोड़ था। एक रिपोर्ट के मुताबिक ईटीएफ अब कुल म्युचुअल फंड एयूएम का 13 फीसदी हिस्सा बन चुके हैं, जबकि 2020 में यह हिस्सा 7 फीसदी ही था। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले पांच सालों में न केवल निवेश की राशि बढ़ी है, बल्कि स्कीम्स की संख्या भी तीन गुना हो गई। 2022 में सिल्वर-समर्थित कमोडिटी ईटीएफ के आगमन ने निवेशकों को और ज्यादा विकल्प दिए हैं। मार्च 2020 में जहां ईटीएफ में रिटेल निवेशकों की एयूएम सिर्फ 5,335 करोड़ थी, वहीं मार्च 2025 तक यह बढ़कर 17,800 करोड़ से ज्यादा हो गई है। वहीं रिटेल फोलियो की संख्या 23.22 लाख से उछलकर 2.63 करोड़ पर पहुंच गई यानी दस गुना से ज्यादा की वृद्धि हुई है। ज़ेरोधा के सीईओ का मानना है कि यह रुझान भारतीय ईटीएफ सेक्टर की परिपक्वता का संकेत है। ईटीएफ में ट्रेडिंग भी तेजी से बढ़ी है। वित्त वर्ष 2019-20 में ईटीएफ ट्रेडिंग वॉल्यूम 51,101 करोड़ था, जो 2024-25 में बढ़कर 3.83 लाख करोड़ हो गया यानी सात गुना से ज्यादा इसमें बढ़ोतरी हुई है। सिर्फ पिछले एक साल में ही ट्रेडिंग वॉल्यूम दोगुना हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक कुल ईटीएफ निवेश का औसतन 80 फीसदी हिस्सा इक्विटी आधारित ईटीएफ में है, जो दर्शाता है कि शेयर बाजार में हिस्सेदारी के लिए यह उत्पाद तेजी से निवेशकों की पसंद बन रहा है।

पतंजलि के खिलाफ डॉबर इंडिया को मिली राहत, भ्रामक या नकारात्मक विज्ञापन पर रोक

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

योग गुरु बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि आयुर्वेद को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने डाबर इंडिया लिमिटेड की याचिका पर सुनवाई कर पतंजलि को डाबर च्यवनप्राश के खिलाफ किसी भी तरह के भ्रामक या नकारात्मक विज्ञापन प्रसारित करने से रोक दिया है।

दरअसल डाबर इंडिया ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि पतंजलि अपने टीवी विज्ञापनों के जरिए डाबर च्यवनप्राश को बदनाम कर उपभोक्ताओं को भ्रमित कर रही है। डाबर इंडिया का आरोप है कि पतंजलि ने डाबर के उत्पाद को साधारण बताकर उसकी छवि खराब करने की कोशिश की। इसके अलावा, पतंजलि के विज्ञापन में इस बात का दावा किया गया कि उनका च्यवनप्राश 51 से अधिक जड़ी-बूटियों से बना है, जबकि डाबर के अनुसार इसमें केवल 47 जड़ी-बूटियां हैं। इस पर डाबर ने आरोप लगाया कि पतंजलि के उत्पाद में पारा मिला हैं, जो बच्चों के लिए हानिकारक हो सकता है।

डाबर की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता संदीप सेठी ने बताया कि पतंजलि ने भ्रामक और गलत दावा कर यह जताने की कोशिश की कि वहीं एकमात्र असली आयुर्वेदिक च्यवनप्राश बनाता है, जबकि डाबर जैसे पुराने ब्रांड को साधारण साबित करने में लगा है। वहीं पतंजलि की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता जयंत मेहता ने सभी आरोपों का खंडन किया है। उन्होंने कहा कि उनके उत्पाद में सभी जड़ी-बूटियां आयुर्वेदिक मानकों के अनुसार हैं और उत्पाद पूरी तरह से मानव उपभोग के लिए सुरक्षित है।

बात दें कि डाबर ने बताया कि च्यवनप्राश के बाजार में उसकी 61.6 प्रतिशत हिस्सेदारी है और पतंजलि का इस तरह का प्रचार एक प्रतिस्पर्धी रणनीति है जो उसके ब्रांड की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा सकती है।

मामले में दिल्ली हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति मिनी पुष्कर्णा की अध्यक्षता वाली पीठ ने डाबर इंडिया को महत्वपूर्ण अंतरिम राहत प्रदान की है। मामले की अगली सुनवाई 14 जुलाई को तय की गई है।

माइक्रोसॉफ्ट कंपनी फिर 9 हजार कर्मचारियों की करेगी छंटनी

माइक्रोसॉफ्ट कंपनी ने एक बार फिर कर्मचारियों की छंटनी का ऐलान किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी अपने वैश्विक कार्यबल के 4 फीसदी यानी कि करीब 9000 कर्मचारियों की छंटनी करने जा रही है। यह 2023 के बाद कंपनी की सबसे बड़ी छंटनी होगी। जून 2024 तक माइक्रोसॉफ्ट में करीब 2,28,000 कर्मचारी काम कर रहे थे। इस नई छंटनी की पुष्टि के लिए कंपनी ने रॉयटर्स के सवालों का जवाब नहीं दिया। मीडिया रिपोर्ट में एक रिपोर्ट के हवाले से बताया गया कि माइक्रोसॉफ्ट विशेष रूप से बिक्री विभाग में हजारों कर्मचारियों हटाने की योजना बना रही है। इससे पहले मई 2025 में भी कंपनी ने करीब 6,000 कर्मचारियों को निकाल दिया था। माइक्रोसॉफ्ट अकेली ऐसी कंपनी नहीं है जो इस तरह के फैसले ले रही है। अमेरिका में कई बड़ी कंपनियों ने आर्थिक अनिश्चितता और संचालन लागत में कटौती के चलते 2025 में छंटनियां की थी।

अगर करदाता ने छुपाई आय.....आयकर विभाग लगा देगा 200 प्रतिशत जुर्माना

नई दिल्ली

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

आय के स्त्रोत नहीं बताता या गलत तरीके से टैक्स छूट का दावा करता है, तब उस करदाता को भारी जुर्माना या कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। चाहे यह गलती अनजाने में हो या जानबूझकर हुई हो, आयकर विभाग के पास गड़बड़ियों का पता लगाने के लिए मजबूत सिस्टम और सख्त दंड लगाने या मुकदमा चलाने का कानूनी प्रावधान मौजूद है। इस बारे में चार्टर्ड अकाउंटेंट बताते हैं कि कानून क्या कहता है और करदाताओं को किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

सीए के अनुसार, आयकर अधिनियम के अलग-अलग प्रावधानों के तहत जुर्माना इसपर निर्भर करता है कि गड़बड़ी किस प्रकार की है। यदि करदाता ने अपनी आय कम दिखाई है, तब कारदातों को उस अतिरिक्त आय पर देय टैक्स का 50 प्रतिशत जुर्माने के रूप में देना पड़ सकता है।

यदि कोई करदाता जानबूझकर गलत जानकारी देता है, जैसे फर्जी बिल या झूठे दावे करता है, तब उस आय पर देय टैक्स का 200 प्रतिशत जुर्माना लगाया जा सकता है। आय छिपाने के मामले में यह प्रावधान पुराने असेसमेंट वर्षों (वित्त वर्ष 2016-17 से पहले) के लिए लागू होता है। इसमें बचाए गए टैक्स का 100 प्रतिशत से लेकर 300 प्रतिशत तक जुर्माना लगाया जा सकता है। यदि कोई निवेश स्पष्ट रूप से घोषित नहीं किया गया है, तब उस पर 60 प्रतिशत टैक्स, सर्चार्ज और सेस के साथ-साथ 10 प्रतिशत अतिरिक्त जुर्माना लगाया जाता है।

इतना ही नहीं अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर टैक्स चोरी करता है, तब उस पर मुकदमा चल सकता है। इसमें तीन महीने से लेकर सात साल तक की सजा हो सकती है, खासकर तब जब चोरी की गई टैक्स राशि 25 लाख से अधिक हो। इसके अलावा धारा 234ए, 234बीऔर 234सी के तहत भी ब्याज जुर्माना लगता है, जो कि टैक्स रिटर्न देर से भरने, टैक्स की कम अदायगी या अग्रिम कर समय पर नहीं देने के मामलों में लागू होता है।

अडाणी ग्रुप 'एक कारोबार, एक कंपनी' की बना रहा रणनीति

एक छत के नीचे लाएगा सभी सीमेंट कंपनियों को, अल्ट्राटेक को देगा टक्कर

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

अडाणी समूह ने 'एक कारोबार, एक कंपनी' रणनीति के तहत अपने सभी सीमेंट कारोबार को एक ही कंपनी के तहत एकीकृत करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके जरिये कंपनी अपने सीमेंट कारोबार को सुचारु एवं व्यवस्थित करना चाहती है जहां अंबुजा और एसीसी दोनों प्रमुख ब्रांड मौजूद हों।

समूह ने इस एकीकरण योजना के तहत हाल में अधिग्रहीत अपनी दो कंपनियों सांघी इंडस्ट्रीज और पेन्ना सीमेंट को अंबुजा सीमेंट्स में विलय करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

मीडिया रिपोर्ट में इस मामले को जानने वालों ने बताया कि यह प्रक्रिया दिसंबर तक पूरी होने की उम्मीद है। समूह ने मूल ब्रांड के तौर पर 'अडानी सीमेंट' बढ़ावा देने की योजना बनाई है। उसने ब्रांड जागरूकता की प्रक्रिया पहले ही शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक पिछले साल अक्टूबर में सीके बिड़ला ग्रुप से अधिग्रहित ओरियंट सीमेंट अब अडानी सीमेंट के तहत एक विनिर्माण इकाई के तौर पर काम करेगी। अधिकारियों ने कहा कि विरासती ब्रांड और मूल्य निर्धारण में अंतर के बावजूद मात्रात्मक लिहाज से ओरियंट सीमेंट को बिना कोई नुकसान पहुंचाए आसानी से एकीकृत किया जा चुका है। ओरियंट सीमेंट के करीब 60 फीसदी डीलरों ने अंबुजा और एसीसी उत्पादों का स्टॉक रखना पहले ही शुरू कर दिया है। इससे जमीनी स्तर पर ब्रांड एकीकरण का संकेत मिलता है। इस रणनीति का उद्देश्य परिचालन को सरल बनाते हुए लागत को घटाना और बाजारों में ब्रांडों की मौजूदगी को बेहतर करना है। पिछले एक साल में कई आक्रामक अधिग्रहण करने के बाद अडानी ग्रुप ने सीमेंट क्षेत्र में अपनी योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए पहल की है।

कई सीमेंट इकाइयों के विलय के बाद सुदृढ़ीकरण की भी योजना है। इसके तहत अंबुजा सीमेंट्स अपनी सहायक कंपनी एसीसी के साथ विलय पर गंभीरता से विचार कर सकती है। करीब 14 करोड़ टन क्षमता वाली अडानी ग्रुप की सभी सीमेंट परिसंपत्तियां एक ही छत के नीचे आ जाएंगी। इससे उद्योग की अग्रणी कंपनी अल्ट्राटेक को टक्कर देने में मदद मिलेगी। बता दें अडानी ग्रुप फिलहाल देश की दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी है। उसने सालाना 20 अरब डॉलर के पूंजीगत व्यय की योजना बनाई है। इसके तहत वह 2030 तक 20 करोड़ टन क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रख रही है। अंबुजा सीमेंट्स का शेयर 2.5 फीसदी बढ़त के साथ 594 रुपए पर बंद हुआ जिससे उसका कुल बाजार मूल्यांकन 1.46 लाख करोड़ रहा।

सब-जूनियर महिला राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप: पहले दिन हिमाचल असम, मणिपुर, कर्नाटक और गुजरात की धमाकेदार शुरुआत

रांची,03 जुलाई (एजेंसियां)। मारांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में शुरू हुई 15वीं हॉकी इंडिया सब-जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 के पहले दिन खिलाड़ियों का जोश और प्रदर्शन देखने लायक रहा। पहले दिन कुल छह मुकाबले खेले गए, जिनमें से पांच में जीत दर्ज की गई जबकि एक मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ।

डिवीजन सी के मुकाबले:

दिन की शुरुआत धमाकेदार रही, जब हॉकी हिमाचल ने हॉकी राजस्थान को 7-0 से करारी शिकस्त दी। नवनीत कौर (17', 37', 55') ने शानदार हैट्रिक लगाई, वहीं रिया (9', 57') ने दो गोल दागे। इसके अलावा पलक चौधरी (28') और सोनम (31') ने भी गोल कर टीम को बड़ी जीत दिलाई। दूसरे मुकाबले में असम हॉकी ने गोवा हॉकी को 7-1 से हराया। रितिका टिग्गा (3', 44', 48') और जोशना एक्का (32', 49', 59') ने शानदार हैट्रिक लगाई। तान्या चौरसिया (37') ने भी एक गोल किया। गोवा के लिए कप्तान ऋद्धि हतींद्रनाथ हड़फकर (30') ने एकमात्र गोल किया। तीसरे मुकाबले में तेलंगाना हॉकी और जम्मू-कश्मीर हॉकी के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला जो 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुआ। जम्मू-कश्मीर के लिए अक्षरा दत्ता (11', 21') ने दो गोल किए, जबकि तेलंगाना के लिए पेंडेला हरिनी चंद्रा (31') और अनु कुमारी (52') ने गोल कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

डिवीजन बी के मुकाबले:

हॉकी कर्नाटक ने केरल हॉकी को 3-1 से हराकर अपना अभियान जीत के साथ शुरू किया। जीविथा एच.एन. (17'), कप्तान पियरलिन पोनम्मा ए.जी. (28') और शिल्पा मडिवालप्पा कनजनावर (39') ने गोल किए। केरल की ओर से शालिनी मुंगमुरी (52') ने एक गोल किया। मणिपुर हॉकी ने दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव हॉकी को 3-0 से हराकर जीत दर्ज की। सेराम हेंथोई चानू (3'), जरीना चोंगथम (13') और कप्तान देवी मोइरांगथेम प्रिंजा (20') ने गोल किए। दिन के आखिरी मुकाबले में हॉकी गुजरात ने हॉकी बंगाल को 3-0 से हराया। कप्तान आस्था टिंपले (25') ने पहला गोल दागा, जिसके बाद कोमल घाडगे (49') और भावना जाडेजा (54') ने गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की।

न्यूज ब्रीफ

शिवाकांत बने बीसीसीआई के मैच रेफरी एसीए ने दी बधाई

प्रयागराज। शहर के वरिष्ठ क्रिकेटर और रेलवे एवं उत्तर प्रदेश के रणजी ट्रॉफी में प्रतिनिधित्व कर चुके

शिवाकांत शुक्ला अब बीसीसीआई के मैच रेफरी बन गये हैं। बीसीसीआई की ओर से 15 जून को अहमदाबाद (गुजरात) में आयोजित परीक्षा में शिवाकांत शुक्ला ने टॉप किया है। यह जानकारी इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के निदेशक आरपी भटनागर ने देते हुए बताया कि इस परीक्षा में 45 वर्ष से कम आयु वाले पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटरों को भाग लेने की अनुमति दी गई थी। शिवाकांत से पहले प्रयागराज (तब इलाहाबाद) से रोहित प्रकाश भी बीसीसीआई के मैच रेफरी बन चुके हैं। उन्होंने बताया कि इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन की एक बैठक निदेशक ताहिर हसन की अध्यक्षता में हुई। जिसमें आरपी भटनागर, डॉ. सुरेश द्विवेदी, एसडी. कौटिल्य, यासर हसन, डॉ. जूली ओझा, अनुराग श्रीवास्तव, सलीम अहमद, एलबी काला, डॉ. अनूप श्रीवास्तव, सोमेश्वर पांडेय, शिशिर मेहरोत्रा, उत्पल दास, खुर्शीद अहमद, अंकित पांडेय, विवेक सिंह, अजय कुशवाहा, प्रीतेश सोनकर आदि ने शिवाकांत शुक्ला को उनकी नयी पारी के लिए शुभकामनाएं एवं बधाई दी है।

ग्रैंड चेस टूर 2025,ज़ाग्रेबः पहले दिन के बाद गुकेश, कार्लसन,सो और डूडा संयुक्त बढ़त में

ज़ाग्रेब। विश्व चैम्पियन डी. गुकेश ने ग्रैंड चेस टूर रैपिड 2025 के ज़ाग्रेब चरण की शानदार शुरुआत करते हुए पहले दिन के खेल के बाद संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान हासिल किया है। तीन राउंड के बाद गुकेश के साथ मैग्नस कार्लसन, वेसली सो और यान-डूडा भी चार-चार अंकों के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। भारत के ग्रैंडमास्टर गुकेश की शुरुआत हालांकि अच्छी नहीं रही और उन्हें पहले राउंड में पोलैंड के डूडा के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। लेकिन इसके बाद उन्होंने जबरदस्त वापसी करते हुए अलीरेज़ा फिरोज़ा और आर. प्रज्ञानानंद को लगातार दो मुकाबलों में पराजित कर महत्वपूर्ण अंक बटोर लिए। विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज मैग्नस कार्लसन ने पहले दिन दो मुकाबले ड्रॉ खेले और एक में जीत दर्ज की। उनकी यह जीत दूसरे राउंड में वेसली सो के खिलाफ आई, जिससे उन्होंने भी चार अंक हासिल किए। छठे राउंड में गुकेश और कार्लसन आमने-सामने होंगे। यह मुकाबला खास इसलिए भी है क्योंकि नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में हुए उनके पिछले ऐतिहासिक मुकाबले में गुकेश ने कार्लसन को चौंकाते हुए जीत दर्ज की थी। फैंस को एक बार फिर इन दोनों दिग्गज खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है।

खेलो इंडिया वाटर गेम्स फेस्टिवल 21 अगस्त से, डल झील में दिखेगा रोमांच

नई दिल्ली। देश में वाटर गेम्स को प्रोत्साहित करने के लिए एक बड़ी पहल के रूप में पहला खेलो इंडिया वाटर

गेम्स फेस्टिवल 21 अगस्त से 23 अगस्त तक श्रीनगर की प्रसिद्ध डल झील की सुंदर वादियों में होगा, जहां देशभर के खिलाड़ी विभिन्न जल क्रीड़ाओं में अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य देश में वाटर गेम्स को बढ़ावा देना और युवाओं के बीच इन खेलों की पहुंच और लोकप्रियता को सशक्त करना है। इस आयोजन में देश के 36 राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों से 400 से अधिक खिलाड़ी भाग लेने की उम्मीद है। तीन दिवसीय इस आयोजन में कुल 5 प्रमुख वाटर गेम्स की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें कायकिंग और केनोइंग (छोटी नौकाओं को चप्पुओं से चलाना), रोइंग (नौकायन), वाटर स्कीइंग (पानी की सतह पर तेजी से खींचे जाने वाला खेल), शिकारा दौड़, ड्रैगन नाव दौड़ हैं। इस प्रतियोगिता में खुली आयु वर्ग (ओपन एज कैटेगरी) के खिलाड़ी भाग लेंगे। उनका चयन राष्ट्रीय खेल महासंघ द्वारा उनकी राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं या अन्य मान्य प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा। इसके अतिरिक्त खेल तकनीकी संचालन समिति भी योग्यता के आधार पर अंतिम निर्णय लेगी। देशभर से आने वाले खिलाड़ियों और दर्शकों की भागीदारी से यह आयोजन न केवल वाटर गेम्स के लिए एक राष्ट्रीय मंच बनेगा, बल्कि इससे कश्मीर घाटी में खेल पर्यटन को भी नया जीवन मिलेगा। खेलो इंडिया वाटर गेम्स फेस्टिवल का यह पहला संस्करण है और भविष्य में इसे देश के अन्य हिस्सों में भी आयोजित करने की योजना बनाई जा रही है ।

दूसरे दिन का खेल समाप्त, इंग्लैंड का स्कोर 77/3, भारत से फिलहाल 510 रन पीछे

बर्मिंघम,03 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेला जा रहा है। यहां की पिच पहले ही दिन से बैटिंग के लिए आसान है। भारतीय बल्लेबाजों ने इसपर आसानी से रन बनाए। शुभमन गिल ने 269 रनों की पारी खेली। यशस्वी जायसवाल ने 87 तो रविंद्र जडेजा ने 89 रनों का योगदान दिया। वॉशिंगटन सुंदर ने भी 42 रन बनाए। 211 रनों पर 5 विकेट गिरने के बाद भी टीम इंडिया ने 587 रन ठोक दिए। लेकिन इंग्लैंड के लिए शुरुआत बेहद खराब रही।

इंग्लैंड के लिए सलामी बल्लेबाज जैक क्राउली ने पहले ओवर में आकाश दीप के खिलाफ दो चौके मारे। पहले मैच में बेंच पर रहे आकाश दीप को जसप्रीत बुमराह की जगह मौका मिला है। उन्होंने अपने दूसरे ओवर में इंग्लैंड को दो विकेट चटका लिए। चौथी गेंद पर बेन डकेट आउट हुए। लीड्स टेस्ट की दूसरी पारी में शतक लगाने वाले डकेट का खाता भी नहीं खुला। स्लिप में शुभमन गिल ने उनका कैच लपका।

इंग्लैंड के लिए ओली पोप ने पहले टेस्ट की पहली पारी में शतक लगाया था। आकाश दीप ने उनका खाता भी नहीं खुलने दिया। डकेट के आउट होने के बाद अगली ही गेंद पर ओली पोप ने लेग साइड में खेलने की कोशिश की। गेंद बल्ले का किनारा लेकर स्लिप की तरफ गई। यहां पहले प्रयास गेंद केएल राहुल के हाथों से निकल गई लेकिन उन्होंने दूसरी बार में गेंद को लपक लिया।आकाश दीप ने इंग्लैंड के खिलाफ ही टेस्ट डेब्यू किया था। रांची में खेले गए उस मुकाबले में भी आकाश दीप ने डकेट और पोप को एक ही ओवर में आउट किया था। तब भी पोप अपना खाता नहीं खोल पाए थे। नई गेंद को आकाश दीप दोनों तरफ स्विंग करवाते हैं। यही वजह है कि उनके खिलाफ शुरुआत में किसी बल्लेबाज के लिए रन बनाना आसान नहीं होता।

श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे में मिली हार पर तस्कीन अहमद ने कहा- हमने दबाव में आकर गलत फैसले लिए

नई दिल्ली,03 जुलाई (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद ने श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे में मिली हार पर कहा कि शानदार शुरुआत के बाद टीम ने दबाव में आकर गलत फैसले लिए और मुकाबला गंवा दिया। तस्कीन ने बुधवार को मैच के बाद कहा, मैं उम्मीद कर रहा था कि हम यह मैच पांच से सात ओवर शेष रहते जीत जाएंगे। 16 ओवर में 96 रन पर 1 विकेट था, तो यही लग रहा था कि हम आसानी से जीतेंगे।

हालांकि मैदान पर हालात उलट गए। बांग्लादेश ने सिर्फ 5 रन के भीतर अपने 7 विकेट गंवा दिए। तस्कीन ने स्वीकार किया कि इस पतन की शुरुआत मिलन रथनायके की शानदार फील्डिंग से हुए रनआउट से हुई, जिसमें नजमुल हुसैन शान्तो आउट हुए। इसी ओवर में हसरंगा ने भी एक एल्बीडब्ल्यू विकेट लिया।

तस्कीन ने कहा, वही ओवर मैच का टर्निंग पॉइंट था। हमने बीच के ओवरों में बहुत खराब बल्लेबाज़ी की। 100 रन की तेज़ शुरुआत के बाद 100 पर 2 और फिर 107 पर 8 विकेट हो जाना बहुत भारी पड़ा।

बांग्लादेश की ओर से सबसे अच्छी बल्लेबाज़ी जाकिर अली ने की, जिन्होंने 64 गेंदों में 51 रन बनाए। तस्कीन ने कहा, जब जाकिर सेट हो गए थे, तब बेहतरीन बल्लेबाज़ी कर रहे थे। अगर उनके साथ दो-तीन और बल्लेबाज़ टिके रहते, तो हम यह मैच जीत सकते थे। विकेट उतना खराब नहीं था, जितना हमने खराब खेल दिखाया।

आखिर में तस्कीन ने हार का कारण स्पष्ट रूप से बताया: हमने शुरुआत में बढ़िया खेल दिखाया, लेकिन जैसे ही रनआउट हुआ और तमीम आउट हुए, टीम घबरा गई। हमने अपने नैचुरल गेम से हटकर खेला और दबाव में आकर बिखर गए। यही वजह रही इस हार की।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मोदी को मिला...

श्री मोदी ने इस विशेष सम्मान के लिए घाना के लोगों और सरकार को धन्यवाद दिया।प्रधानमंत्री ने कहा कि यह पुरस्कार दोनों देशों के बीच मित्रता को और गहरा करता है तथा द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने की उन पर नई जिम्मेदारी डालता है। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि घाना की उनकी ऐतिहासिक राजकीय यात्रा दोनों देशों के संबंधों को नई गति प्रदान करेगी।श्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, द ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना' से सम्मानित होने पर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।

मोदी त्रिनिदाद ...

भारतीय प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। अर्जेंटीना लैटिन अमेरिका में एक प्रमुख आर्थिक साझेदार और जी20 में एक करीबी सहयोगी है।

श्री मोदी वहां राष्ट्रपति जेवियर माइली के साथ कृषि, महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा, व्यापार, पर्यटन, प्रौद्योगिकी और निवेश के क्षेत्रों सहित पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग पर केंद्रित चर्चा करेंगे। वहां से प्रधानमंत्री ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिये ब्राजील की राजधानी रियो डि जेनेरियो जायेंगे। उनका ब्राजील के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठक के लिए ब्राजीलिया जाने का भी कार्यक्रम है।

भारत-घाना ने ...

उन्होंने आर्थिक पुनर्गठन की दिशा में राष्ट्रपति महामा के प्रयासों के लिए भारत के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। भारत ने घाना के लिए आईटीईसी और आईसीसीआर छात्रवृत्ति को दोगुना करने का फैसला किया है।प्रधानमंत्री ने कहा, युवाओं के लिए व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए, हम एक कौशल विकास केंद्र स्थापित करने के लिए काम करेंगे। हम राष्ट्रपति महामा के 'फीड घाना' कृषि कार्यक्रम में सहयोग करके खुशी महसूस कर रहे हैं। जन औषधि केंद्रों के माध्यम से, भारत-घाना के नागरिकों को सस्ती और विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने का प्रस्ताव करता है,श्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों ने वैक्सीन उत्पादन में सहयोग पर भी चर्चा की। उन्होंने कि हम रक्षा और सुरक्षा में 'एकजुटता के माध्यम से सुरक्षा' के मंत्र के साथ आगे बढ़ेंगे। सैन्य प्रशिक्षण, समुद्री सुरक्षा, रक्षा आपूर्ति और साइबर सुरक्षा में सहयोग को मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियां महत्वपूर्ण खनिजों की खोज और खनन में सहयोग करेंगी। भारत और घाना पहले से ही अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन और आपदा रोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन जैसे प्लेटफार्मों में सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि घाना के नवीकरणीय ऊर्जा प्रयासों, विशेष रूप से स्वच्छ रसोई गैस में समर्थन करने के लिए, हमने उन्हें वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है।प्रधानमंत्री ने कहा, हम दोनों ही ग्लोबल साउथ के सदस्य हैं और इसकी प्राथमिकताओं के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। हम 'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट' में घाना की सकारात्मक भागीदारी के लिए उसे धन्यवाद देते हैं। श्री मोदी ने कहा कि भारत को गर्व है कि हमारे जी-20 अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ को जी-20 में स्थायी सदस्यता प्रदान की गई। दोनों पक्षों ने साहेल क्षेत्र सहित क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों पर भी चर्चा की।प्रधानमंत्री ने कहा, हम इस बात पर पूरी तरह सहमत हैं कि आतंकवाद मानवता के लिए खतरा है। हम आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में सहयोग के लिए घाना को धन्यवाद देते हैं। हमने आतंकवाद के खिलाफ अपने सहयोग को मजबूत करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुधारों पर हमारे विचार एक जैसे हैं। हमने पश्चिम एशिया और यूरोप में चल रहे संघर्षों पर गहरी चिंता व्यक्त की है। हमारा मानना है कि यह युद्ध का युग नहीं है। समस्याओं का समाधान बातचीत और कूटनीति के जरिए किया जाना चाहिए। जीवंत भारतीय समुदाय के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि वे हमारे लोगों के बीच संबंधों में एक विशेष कड़ी हैं। भारतीय शिक्षक, डॉक्टर और इंजीनियर लंबे समय से घाना में सेवा कर रहे हैं और उन्होंने इसकी सामाजिक और आर्थिक प्रगति में सकारात्मक योगदान दिया है। श्री मोदी ने कहा, मैं कल भारतीय समुदाय से मिलने के लिए उत्सुक हूँ।

प्रधानमंत्री ने कहा, आप भारत के प्रिय मित्र हैं और हमारे देश से अच्छी तरह परिचित हैं। मैं आपको भारत आने का निमंत्रण देता हूँ, और मुझे आशा है कि आप हमें वहाँ आपका स्वागत करने का अवसर देंगे।

इससे पहले अपने भाषण में प्रधानमंत्री ने कहा, भारत-घाना मैत्री के मूल में हमारे साझा मूल्य, संघर्ष और समावेशी भविष्य के सपने निहित हैं। हमारे देशों के स्वतंत्रता संग्राम ने कई अन्य लोगों को प्रेरित किया है। आज भी, घाना पश्चिम अफ्रीका में एक जीवंत लोकतंत्र और अन्य देशों के लिए 'आशा की किरण' के रूप में खड़ा है।प्रधानमंत्री ने गर्मजोशी से स्वागत के लिए घाना के राष्ट्रपति को धन्यवाद दिया। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति महामा प्रधानमंत्री मोदी के आगमन पर उनका स्वागत करने के लिए कोटोका अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आए थे। श्री मोदी का हवाई अड्डे पर औपचारिक स्वागत किया गया और 21 तोपों की सलामी दी गई।

दलाई लामा के...

यह वही ट्रस्ट है जिसे दलाई लामा ने 2015 में स्थापित किया था, और अब वही संस्था इस परंपरा को आगे बढ़ाएगी।उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में उनका उत्तराधिकारी कोई महिला भी हो सकती है, या वह किसी ऐसे स्थान पर जन्म ले सकता है जो चीन के बाहर हो। इस तरह, उन्होंने यह संकेत दिया कि उत्तराधिकारी के चयन में परंपरा, तिब्बती भावना और व्यक्तिगत इच्छा का सम्मान किया जाएगा- न कि किसी राजनीतिक दबाव का।दलाई लामा तिब्बती बौद्ध धर्म के सबसे ऊंचे आध्यात्मिक पद पर हैं और उन्हें अवलोकितेश्वर (करुणा के बोधिसत्त्व) का अवतार माना जाता है। उनकी पुनर्जन्म की परंपरा सदियों पुरानी है। हर बार नए दलाई लामा को खास धार्मिक प्रक्रियाओं के जरिए खोजा और मान्यता दी जाती है।लेकिन चीन लंबे समय से इस प्रक्रिया को राजनीतिक रूप से नियंत्रित करना चाहता है। चीन पहले भी पंचेन लामा के मामले में ऐसा कर चुका है, जहां उसने खुद से एक उत्तराधिकारी घोषित किया और जिसे अधिकतर तिब्बती मान्यता नहीं देते।

भारत में फिर बैन...

लेकिन अब सरकार की नई कार्रवाई के तहत इन सभी के इंस्टाग्राम अकाउंट्स को भारत में दोबारा ब्लॉक कर दिया गया है।

जब कोई भारतीय यूजर पाकिस्तानी कलाकारों के सोशल मीडिया अकाउंट को खोलने की कोशिश करता है, तो स्क्रीन पर यह संदेश दिखाई देता है, यह अकाउंट भारत में उपलब्ध नहीं है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि हमने कानूनी अनुरोध का पालन करते हुए इस कंटेंट को ब्लॉक किया है। गौरतलब है कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में तनाव काफी बढ़ गया है। इस राजनीतिक और कूटनीतिक टकराव का असर अब सीधे मनोरंजन जगत पर भी पड़ रहा है।

दिल्ली सरकार...

एक नवंबर से जब पड़ोसी राज्यों में ऐसे नियम लगे, तब दिल्ली में भी लगे। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने सीएक्यूएम से दिल्ली सरकार ने कहा कि वाहनों को जब्त करने और ईंधन न देने की व्यवस्था तर्क संगत नहीं है। यानि ये पूरी प्रक्रिया लगभग ठंडे बस्ते में चली गई है। दिल्ली सरकार ने कहा कि जब 1 नवंबर को पड़ोसी राज्यों में लागू हो तभी दिल्ली में इसे लागू किया जाए।

युवाओं में...

कोविड 19 वैक्सीन को लेकर सेंट स्टीफ़न अस्पताल के डॉक्टर जैकब पुलियाल की राय भी केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अध्ययन से अलग है।डॉक्टर जैकब पुलियाल कहते हैं,सीधी सी बात है कि भारत में जो वैक्सीन बनाई जा रही है वह मूल रूप से ब्रिटेन से आ रही है। अब जिस कंपनी ने वैक्सीन को बनाया है, वही मान रही है कि इससे दिक्कतें हो सकती हैं तो फिर जो ये जांच की गई है उसके तरीके को समझा जा सकता है।उन्होंने कहा,केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय किस तरह से जांच करा रहा है। किस वैक्सीन की जांच की जा रही है और उनके जांच का क्या तरीका है। ऐसे में यह कहना कि ब्रिटेन वाली दिक्कत भारत में नहीं हो रही है, यह बातें सभी लोगों के समझ में आती हैं।कोरोना का टीका बनाने वाली फ़ार्मास्युटिकल कंपनी एस्ट्राज़ेनेका ने करीब एक साल पहले इस बात को माना था कि उसके वैक्सीन के 'गंभीर साइड इफेक्ट्स' हो सकते हैं।कंपनी ने ब्रिटेन के हाई कोर्ट में इस बात को माना था कि वैक्सीन के कारण किसी को थ्रोम्बोसिस विद थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम (टीटीएस) जैसी स्थिति हो सकती है।इसके कारण लोगों में रक्त के थक्के बन जाते हैं और रक्त प्लेटलेट की संख्या कम हो जाती है। ऐसे में ब्रेन स्ट्रोक और कार्डियक अरेस्ट होने की आशंकाएं बढ़ जाती हैं।एस्ट्राज़ेनेका ने ही भारत में सीरम सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के साथ मिलकर कोविशील्ड को तैयार किया था। फाउंडेशन फॉर पीपल-सेंट्रिक हेल्थ सिस्टम्स के निदेशक डॉक्टर चंदकांत लहरिया कहते हैं, दुनिया की कोई भी वैक्सीन ऐसी नहीं है जिसका नुकसान शून्य हो।सभी का कुछ न कुछ है, तो इस वैक्सीन का भी साइड इफेक्ट है।डॉक्टर लहरिया कहते हैं,एक ही वैक्सीन अलग अलग जगहों पर अलग तरह से प्रभाव और दुष्प्रभाव डालती है। ऐसे में कोई जरूरी नहीं है कि वैक्सीन का जो दुष्प्रभाव यूरोपियन देशों में पड़े वही एशियन देशों में दिखाई दे। यह इसलिए होता है क्योंकि सभी की जीन अलग है।उन्होंने कहा, तीसरी बात यह देखा जाता है कि जनसंख्या के अनुसार पहले हार्ट अटैक होते थे और अब कितने हो रहे हैं। अगर इसके रेट में बदलाव है तो फिर दिक्कत है अन्यथा नहीं।इन सभी पैमानों पर रखकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट को देखा जा सकता है।डॉक्टर लहरिया कहते हैं, एमआरएनए वैक्सीन में कई जगहों पर हार्ट अटैक की बात सामने आई लेकिन भारत में इसका कोई वैज्ञानिक प्रमाण अभी तक नहीं मिला है और जो टीटीएस (रक्त के थक्के जमना) की बात हो रही है। उसका भी भारत में कोई प्रमाण नहीं मिला है।युवाओं की हार्ट अटैक से हो रही मौत को लेकर भले ही आईसीएमआर ने कोविड-19 के टीके को क्लीन चिट दे दी हो लेकिन यूरोपियन सोसायटी ऑफ कार्डियोलॉजी की राय इससे अलग है।यूरोपियन सोसायटी ऑफ कार्डियोलॉजी ने अपने एक शोध में पाया है, मायोकार्डिटिस से हो रही मौतों और कोविड-19 का टीके के बीच एक गहरा संबंध होने की आशंका है।ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन के अनुसार, कोविड-19 टीकों का मायोकार्डिटिस और पेरीकार्डिटिस के बीच संबंध है। हालांकि यह बहुत कम है लेकिन यूके की ग्रीन बुक ऑन वैक्सीन के अनुसार यह 25 वर्ष से कम के युवा पुरुषों में अधिक है।पेरिकार्डिटिस हृदय के चारों ओर की परत की सूजन है जबकि मायोकार्डिटिस हृदय की मांसपेशी की सूजन है।फाउंडेशन के अनुसार पहली डोज की तुलना में दूसरे डोज में अधिक जोख़िम पाया गया है। दो कंपनियों की दवाओं का जिक्र करते हुए बताया है कि यह जोख़िम दस हज़ार में से एक लोगों को हो सकता है।हालांकि यूके की मेडिसिन्स एंड हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स रेगुलेटरी एजेंसी का कहना है कि अधिकांश लोगों के लिए कोविड-19 वैक्सीन लगवाने के लाभ किसी जोखिम की तुलना में अधिक है।भारत में पिछले सालों में दिल संबंधी बीमारी के कारण मौत की कई घटनाएं सामने आई हैं। कई लोगों को अचानक बैठे-बैठे, नाचते, कसरत करते हुए हार्ट अटैक आने के वीडियो सामने आए हैं।वीडियो में दिख रहा है लोग हार्ट अटैक के कारण अचानक गिर जाते हैं और उनकी मौत हो जाती है। इनमें से कई लोगों की उम्र तो बेहद कम थी। युवाओं और किशोरों में भी हार्ट अटैक बढ़ते हुए पाए गए हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

कृपा प्रभु के करुणा से ही प्रकट होती है : राधाकृष्णजी

हैदराबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कृपा संबंध से नहीं होती बल्कि कृपा प्रभु के करुणा से ही प्रकट होती है।

उक्त उद्गार अत्तापुर स्थित एसएनसी कन्वेंशन हॉल में ध्यान फाउण्डेशन श्याम बाबा नंदीशाला, ध्यान फ़ाउण्डेशन गौशाला के तत्वावधान में योगी अश्विनी गुरुजी की प्रेरणा से आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन कथा का रसपान कराते हुए कथाव्यास राधाकृष्णजी महाराज ने व्यक्त की।

महाराज ने पितरों की करुणा व रुष्टता के विवरण के साथ कथा रसपान का आरंभ किया। उन्होंने कहा कि मनुष्य को ऐसे कर्म करने चाहिए कि ठाकुर जी का मन द्रवित हो जाये एवं उनकी कृपा व करुणा हम पर हो जाये। जब किसी भी मनुष्य के मन में करुणा उत्पन्न हो जाती है व वह व्यक्ति दिन दुःखियों की मदद करता है, सत्कर्म करता, गौसेवा करता है तो वही करुणा मनुष्य को प्रभु की कृपा के रूप में प्राप्त होती है।

कथा वर्णन में गोवत्स राधाकृष्ण जी महाराज ने कहा कि शुकदेवजी का आगमन राजा परीक्षितजी के जीवन में कृपा है, क्योंकि राजा ने कोई प्रयास नहीं किया था वह तो गंगा जी के तट पर बैठे हुए थे, लेकिन अपने आप ही श्री शुकदेवजी महाराज वहां आ गये और उनका यह आना ही सहज कृपा का स्वरूप था।

हमारे भी किसी न किसी कार्य से भगवान का हृदय करुणा से भर गया और भगवान की करुणा कृपा रूप में आयी तो उस कृपा का मूर्तिमान स्वरूप ही ठाकुर जी की कथा है व भगवान की कथा ही कृपा का स्वरूप है।

आगे कथा में शुकदेवजी व राजा परीक्षित जी के वार्तालाप का विवरण बताते हुए महाराज जी ने कहा कि शुकदेवजी ने राजा परीक्षित से पूछा कि तुम्हारे दुःख का कारण क्या है। उत्तर में परीक्षित महाराज ने कहा कि मृत्यु माथे पर आयी है इसलिए दुःखी हूं। मृत्यु के विषय में महाराज ने कहा कि मृत्यु अटल है और इसका कोई भरोसा नहीं, इसलिए मनुष्य को ऐसे कार्य करने चाहिए कि वह मृत्यु के प्रति निश्चिंत हो जाये व मृत्यु को किसी भी तरह का प्रकार हो परंतु अगर उसके जीवन में यदि यह मांग रहें कि कृष्णा कृष्णा करते हुए प्राण मेरा जाए तो उसकी मृत्यु भी भगवान की कृपा ही होती है।

आगे शुकदेवजी राजा परीक्षित जी से कहते हैं कि हे राजन भगवान को सर्वत्र अनुभव कर, शुकदेवजी कहते हैं भगवान के नाभि से कमल प्रकट हुआ और उसी कमल से ब्रम्हा जी प्रकट हुए और ब्रम्हा जी तप किया तब भगवान जी ने चतुश्लोकि भागवत दी, उस चतुश्लोकि भागवत को ब्रम्हा जी ने नारद जी को प्रदान की, नारद जी ने व्यास जी को प्रदान किया और वही चतुश्लोकि भागवत को अठारह हजार श्लोकों में मुझे यानी शुकदेवजी को प्रदान किया और वही प्रसाद मैं तुम्हे देता हूं राजन।

फिर शुकदेवजी ने राजा परीक्षित को श्रुष्टि का विस्तार बताया एवं ब्रम्हा जी ने इसका कैसा विस्तार किया बताया। वराह अवतार के विवरण को बताते हुए महाराज ने कहा कि हिरण्याक्ष व हिरण्यकश्यप की वो पूर्व जन्म में कौन थे और उनको कैसे राक्षस जन्म मिला व उनका उद्धार करने भगवान ने अवतार लिया।

इस अवसर पर मुख्य यजमान एवं प्रसाद यजमान श्री पुरुषोत्तमदासजी प्रेमलताजी दीपकजी सीमाजी विजयवर्गी, प्रसाद यजमान श्री ओमप्रकाशजी प्रेमलताजी अग्रवाल, कथा स्थल (हॉल) यजमान श्री चंद्रकांतजी लक्ष्मीजी डाकोतिया, श्री महेशजी सरिताजी डाकोतिया, श्री महेन्दरजी आशाजी डाकोतिया, अलंकार यजमान जयप्रकाशजी दीपकजी आशीषजी विजयवर्गी, गुरुवार के मुख्य यजमान गोपाल जी रीना जी डोडिया, अजनेश जी रंजना जी सिंघानिया एवं ध्यान फाउंडेशन हैदराबाद व प्रमुख गौसेवकों व अन्यों ने सहयोग प्रदान किया।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 147वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप 6 को

हैदराबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा तेलंगाना चैम्बर ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट हैदराबाद के सहयोग से 147 वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर आबिड्स स्थित केमिस्ट भवन में रविवार 6 जुलाई को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

आज यहां अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेगा मेडिकल कैंप में किम्स सनशाइन हॉस्पिटल बेगमपेट, जनरल फिजिशियन, कार्डियलजी, हड्डी रोग, ईसीजी, 2 डी इको, बीएमडी, बीपी जांच, आरबीएस की सेवा दी जाएगी। एलसीएस साधराम नेत्र अस्पताल दोमलगुडा द्वारा निशुल्क नेत्रों की जांच की जाएगी एवं योग्य को निशुल्क चश्मे एवं मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था की जाएगी। सामान्य चिकित्सक डॉ. अखिल्स क्लिनिक, डॉ.अखिल सुगंधी (रुमेटोलॉजी), डॉ. मीनल खिरैया सुगंधी (एमबीबीएस डिप्लोमा मधुमेह) एवं दंत की सेवा एसएनआर डेंटल के डॉ. एस.तेजस्वी नवनीत राज एवं डॉ.एस. निखिल द्वारा दी जाएगी। फिजियोथैरेपी बजाज फिजियो केयर के डॉ.मीता बजाज द्वारा की जाएगी। अवसर पर श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा निशुल्क कृत्रिम पैर, हैड क्लीप, कैलिपर्स एवं हैंड का जांच के बाद योग्य को दिये जाएंगे। साथ ही डायलिसिस की व्यवस्था की जाएगी। अवसर पर रैनबो चिल्ड्रन्स हार्ट इंस्टीट्यूट द्वारा सेवा की जाएगी। शिविर में नाम पंजीकरण कैंप स्थल पर सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक किया जाएगा। सभी से इसका अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया गया है। अधिक जानकारी के लिए शिविर के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, अरविंद कुमार भांगडिया, एम.सत्यनारायण, संजय कुमार जैन से किया जा सकता है।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत गुरुवार को श्रीमती अलका अग्रवाल एवं श्रीमती प्रिया अग्रवाल के जन्मदिन पर नवीनकुमार श्री प्रभात अग्रवाल परिवार (संदीप फार्मा एवं अग्रवाल फार्मा) द्वारा नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर –सतीश गुप्ता,जगत नारायण अग्रवाल,राजकुमारी अग्रवाल,अरविन्द भाई,रवि अग्रवाल,अरुण जी,विनोद तोशनीवाल,अशोक अग्रवाल,अनिल भाई,गोविंद राम जी,नीतीश कुमार,नरेश बंसल,राधा जी,मीना जी,शर्मिला जी,सुनील भाई,कमल भाई,राजेश सर योग एवं राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

राधे राधे ग्रुप द्वारा अपने दूसरे केंद्र पर नियमित अन्नदान के अंतर्गत गुरुवार को बेगम बाजार गौशाला के समीप स्थित माता की मंदिर के पास जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर – सतीश गुप्ता,रामप्रकाश अग्रवाल,सुनीता अग्रवाल,महेश अग्रवाल,महेश गुप्ता,अशोक गुप्ता एस.जे,सुशील गुप्ता,शीतल गुप्ता,गोपाल गोयल,प्रीतिका अग्रवाल,श्याम सुन्दर अग्रवाल,कैलाश चंद केडिया,निर्मला केडिया,उवां केडिया,रोहित अग्रवाल,भगतराम गोयल,नवीन अग्रवाल,अलका अग्रवाल,अनिल बजाज,अनिता बजाज,नमित अग्रवाल,आशिता अग्रवाल,रचित अग्रवाल,संजय गोयल,किरण गोयल,ई–जगन चम्पापेट,सुरेश डालमिया,नंदकिशोर अग्रवाल एवं राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

बीबी का अलम की जियारत करते हुए सेंट्रल पीस एंड वेल्फेयर कमेटी के ऑल जोन सेक्रेटरी श्रीकिशन शर्मा एवं अन्य जोन के पदाधिकारी।

श्री सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ, रसूलपुरा में साध्वीश्री का भव्य चातुर्मास प्रवेश

हैदराबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ, रसूलपुरा, सिकंदराबाद तथा श्री पार्श्वनाथ जैन मंडल द्वारा आषाढ़ सुदी 7, दि. 02 जुलाई को रसूलपुरा, सिकंदराबाद में प.पू. भावरत्नाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा–08 का चातुर्मास प्रवेश सकल संघ व मंडल की भावनाओं के साथ भव्य शोभायात्रा, नादस्वर व भक्ति के वातावरण में सम्पन्न हुआ।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में ट्रस्टी रमेश पी. तातेड ने बताया कि प.पू. अभिनंदरसागरजी म.सा. एवं बालमुनि आदि ठाणा भी संघ की विनंती पर पधारे और उन्होंने इस अवसर पर चार माह के संयम, साधना व आत्मचिंतन से भरपूर जीवनशैली अपनाने के महत्व पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर ट्रस्टीगण सुधीर कोठारी, अशोक मेहता, प्रकाशमल भंडारी, जैनरत्न रमेश पी. तातेड, मुकेश कटारिया, नरपत मेहता, कोठारी परिवार एवं संघ के सदस्य इंदरमल, दिनेश फागणिया, लालचंद, सरदारमल, बाबूलाल, सुरेश, विनोद अजित दोशी, विशाल भंडारी, अरुण व अन्य सदस्यगण, शालीबंडा संघ से और उज्जैन से भक्तगण का भी सराहनीय सहयोग रहा।

श्रद्धालुओं को गुड़ व नारियल की प्रभावना का लाभ संघ ने लिया। संघ के सभी सदस्यों एवं श्रद्धालुओं की सहभागिता से चातुर्मास प्रवेश को ऐतिहासिक स्वरूप मिला। श्री सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ जैन संघ ने समस्त श्रद्धालुओं से विनम्र आग्रह किया कि इस चातुर्मास में आत्मकल्याण हेतु सहभागी बनें। संघ के सचिव सुधीर कोठारी ने सभी श्रद्धालुओं, मंडल और ट्रस्टियों का हृदयपूर्वक धन्यवाद किया।

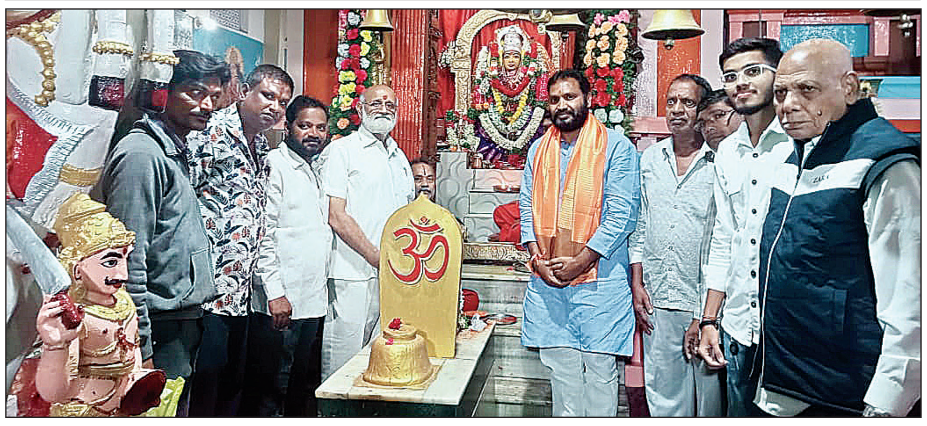

उजली माता मंदिर एसीपी कार्यालय गोशामहल में माता से आशीर्वाद लेते हुए भाजपा नेता गोविंद राठी, समाज के अध्यक्ष डी. गोपाल एवं अन्य।

कृष्ण सखियाँ की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कृष्ण सखियाँ नाचाराम की एक बैठक गुरुवार, दि. 03 जुलाई को सम्पन्न हुई। प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार सर्वप्रथम श्री अग्रसेन महाराज की पूजा–अर्चना की गई। तत्पश्चात पिछले दो वर्षों से शाखा के कार्य में जुटे पदाधिकारियों का सम्मान किया गया और उनको विदाई दी गई। बैठक में संस्था के नये पदाधिकारियों का चयन किया गया जिसमें–अध्यक्ष के रूप में निशा गुप्ता, उपाध्यक्ष– मंदाकिनी अग्रवाल, मानद मंत्री– राधिका अग्रवाल, सहमंत्री– अंतिमा अग्रवाल, कोष्यध्यक्ष– माया अग्रवाल, के. एस. सदस्य के रूप में सुनैना नरसारिया व विशेष सलाहकार केइ रूप में बबिता अग्रवाल, संतोष सराफ, पिंकी अग्रवाल चयनित किये गये। इस अवसर पर शाखा के सभी सदस्य उपस्थित थे।

सीसीआरएएस-एनआईआईएमएच और श्री वेंकटेश्वर वैदिक विवि के बीच समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर

हैदराबाद, 3 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद और श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय, तिरुपति के बीच गुरुवार को एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह समारोह एसवीवीयू की कुलपति, प्रोफेसर (डॉ.) रानी सदाशिव मूर्ति के कक्ष में संपन्न हुआ।

उक्त समझौते का मुख्य उद्देश्य वैदिक ज्ञान एवं पारंपरिक आयुर्वेद विज्ञान को वैज्ञानिक अनुसंधानात्मक पद्धतियों के साथ एकीकृत करना है। जिसमें वैदिक परंपराओं में उल्लेखित वनस्पतियों, धातुओं, खनिजों, पशु उत्पादों और अन्य अनुष्ठानिक सामग्रियों का ससंदर्भ प्रलेखन कर उनकी वैज्ञानिक प्रासंगिकता स्थापित करना। साथ ही अष्टादश संस्कारों (अठारह संस्कारों) जैसे नामकरण, अन्नप्राशन और उपनयन आदि के पारंपरिक अनुष्ठानों पर प्रभावशाली संसाधनों का ऑडियो-विजुअल और वर्चुअल रियलिटी प्रारूपों के सहित शैक्षिक प्रचार-प्रसार सामग्री का निर्माण करना, विश्वविद्यालय में उपलब्ध आयुर्वेद और संबद्ध विषयों से संबंधित पांडुलिपियों कि वर्णनात्मक सूची का निर्माण करना, पवित्र उपवनों, नक्षत्र वनम्, नवग्रह वनम् पर आधारित प्रासंगिक वनौषधि उद्यानों का निर्माण कर औषधि पौधों के आसान पहचान के लिए एक क्यूआर कोड-आधारित डेटाबेस का निर्माण करना और राष्ट्रीय-स्तरीय कार्यशालाओं, विचार-विमर्श सत्रों का आयोजन और संयुक्त अनुसंधान निष्कर्षों का प्रकाशन आदि का समावेश है।

इस अवसर पर सीसीआरएएस-एनआईआईएमएच हैदराबाद से डॉ. गोली पेनचला प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक उपस्थित थे, जबकि एसवीवीयू से माननीय कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) रानी सदाशिव मूर्ति, रजिस्ट्रार डॉ. पोकला भास्करुडु और अनुसंधान निदेशक डॉ. राधेश्याम मौजूद थे।

माननीय कुलपति ने इस समझौते को भारत की वैदिक और आयुर्वेदिक विरासत में निहित गहन ज्ञान को पुनर्जीवित करने, संरक्षित करने और प्रसारित करने की दिशा में एक सामयिक और उचित कदम बताया।

उन्होंने कहा कि यह दोनों संस्थानों के शास्त्रीय ज्ञान को समकालीन अनुसंधान पद्धतियों के साथ जोड़ने के उद्देश्य को पूरा करेगा। रजिस्ट्रार डॉ. पोकला भास्करुडु ने आयुष मंत्रालय और सीसीआरएएस-एनआईआईएमएच का उनके संस्थागत अनुसंधान संसाधनों के माध्यम से समझौते के तहत उल्लिखित प्रतिष्ठित गतिविधियों के कार्यान्वयन में सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। डॉ. गोली पेनचला प्रसाद ने श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय के साथ इस साझेदारी को भारतीय ज्ञान प्रणालियों के प्रामाणिक संरक्षण में योगदान करने का एक अनूठा अवसर बताया। उन्होंने विश्वविद्यालय के गणमान्य व्यक्तियों के साथ-साथ सीसीआरएएस के महानिदेशक, वैद्य (प्रोफेसर) रबिनारायण आचार्य और उपमहानिदेशक डॉ. एन श्रीकांत के विशेष मार्गदर्शन के लिए भी आभार व्यक्त किया।

एफटीसीसीआई उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह जो 8 जुलाई को आयोजित होने वाला है में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा को आमंत्रित करते हुए एफटीसीसीआई उत्कृष्टता पुरस्कार समिति के अध्यक्ष, रमाकांत ईनानी और एफटीसीसीआई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रवि कुमार चौधरी, कृष्ण कुमार माहेश्वरी उपाध्यक्ष और निदेशक संगीता एवं अन्य।

सांसद डॉ. के. लक्ष्मण के जन्मदिन के अवसर पर जामबाग पार्षद राकेश जयसवाल ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ गौ सेवा का आयोजन किया और इमलीबुन गौशाला में हरी घास खिलाई। इस अवसर पर अमर सिंह, श्रीनिवास यादव, प्रवीण बाबू, रवि, हरिनाथ, तिवारी, संदीप एवं अन्य भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए।

अग्रवाल समाज महिला शाखा ज्ञानबाग कॉलोनी ने मनाई सावन की सैर

हैदराबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज महिला शाखा, ज्ञानबाग कॉलोनी ने शिव मंदिर, विलेज ट्रेएल रिसार्टस और स्वर्णगिरी मंदिर, घटकेसर में भक्ति भाव से सावन की सैर मनाई।

सर्वप्रथम सभी ने अग्रसेन महाराज का जयकारा लगाया। घटकेसर शिव मंदिर के दर्शन किए। रिसॉर्ट सभी ने रोप क्लाईमिंग, जिप लाईन, बीच वॉलिबॉल, इनडोर आउटडोर गेम्स, स्विमिंग पूल, रेन डांस आदि का आनंद लिया और स्वादिष्ट भोजन और हाई टी का आनंद लिया। इसके बाद स्वर्णगिरी मंदिर में वेंकटरमणा गोविंदा गोविंदा के जयकारे लगाते हुए सभी ने श्री बालाजी भगवान के अलौकिक दर्शन किए। माता लक्ष्मी की सवारी, दीपोत्सव एवं शेषशायी भगवान विष्णु के मनमोहक दर्शन किए एवं प्रसाद ग्रहण किया। शाखा पदाधिकारियों ने उपस्थित सदस्यों और अतिथियों को कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आभार प्रकट किया।

मिलावटी घी और पनीर जब्त, निर्माण इकाइयों पर छापेमारी

हैदराबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय द्वारा बुधवार 2 जुलाई को हैदराबाद के विभिन्न हिस्सों में विभिन्न खाद्य निर्माण इकाइयों पर खाद्य सुरक्षा छापे मारे गए, जिसके दौरान बड़े उल्लंघन पाए गए और बड़ी मात्रा में मिलावटी उत्पाद जब्त किए गए। छापेमारी के दौरान पाया गया कि विनिर्माण इकाइयां बिना एफएसएसएआई लाइसेंस या आवश्यक अनुमति के चल रही थीं, खाद्य उत्पाद अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में तैयार किए जा रहे थे या समाप्त हो चुके कच्चे माल का उपयोग किया जा रहा था।

पुलिस ने बिना ट्रेड लाइसेंस के खाद्य उत्पादों की बिक्री और वितरण, बिना विनिर्माण या समाप्ति तिथि वाले उत्पादों, प्रतिबंधित सिंथेटिक खाद्य रंगों और यहां तक कि कुछ इकाइयों में बाल श्रम का भी खुलासा किया। कुल 46 मामले दर्ज किए गए और 52 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि वितरण नेटवर्क का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। एलबी नगर में पुलिस ने 575 लीटर मिलावटी घी जब्त किया, जबकि महेश्वरम में 3,946 किलोग्राम मिलावटी अदरक लहसुन पेस्ट जब्त किया गया।

अत्तापुर में नवनिर्मित नल्लापोचम्मा मंदिर में मंडला पूजा सम्पन्न

हैदराबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अत्तापुर के हैदरगुड़ा में नवनिर्मित श्री नल्लपोचम्मा मंदिर में मंडल पूजा महोत्सव गुरुवार को आयोजित किया गया। बाबू जगजीवनराम युवा संघ और प्रणव भक्त समाज के तत्वावधान में 41 दिनों तक बिना किसी रुकावत के चले पुराइथान के अवसर पर मंदिर मूर्ति स्थापना, यंत्र स्थापना और शिखर स्थापना का कार्य संपन्न हुआ। मंडल के समापन के अवसर पर देवी के शिखर के लिए कुंभाभिषेक, होमम और अन्य पूजा कार्यक्रम आयोजित किए गए। बाद में, भक्तों ने आयोजित अन्नदान कार्यक्रम में भाग लिया और देवी का आशीर्वाद प्राप्त किया। इन पूजाओं में स्थानीय क्षेत्रों से बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया।

मारवाड़ी युवा मंत्र सिकंदराबाद शाखा के अध्यक्ष पंकज राठौड़ ने शाखा की ओर से जिला परिषद हाई स्कूल धौरती विलेज, शिवमपेट मंडल, मेदक जिला में 350 विद्यार्थियों में पाठ्य सामग्री वितरित की। इसके साथ ही पुस्तक वितरण का पहला चरण संपन्न हुआ । इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में मल्ला रेड्डी, स्कूल प्रिंसिपल श्रीनिवास, सरपंच साहब आदि उपस्थित रहे । उक्त सेवा में अध्यक्ष पंकज राठौड़,वरिष्ठ नारायण चावड़ा, शाखा मंत्री पन्नालाल भाटी, प्राप्तीय रक्तदान संयोजक सुशील भायल, रामचन्द्र प्रजापत, गौतम भायल, कैलाश वैष्णव, हरीश जी माली, मंगलाराम चौधरी एवं अन्य सदस्यगण सेवाकार्य में उपस्थित हुए। पुस्तक वितरण के सह संयोजक दिनेशपूरी द्वारा सभी पधारे हुए अतिथि और साथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

कवि सुनील मिश्रा के प्रथम कविता-संग्रह नये किरदार का लोकार्पण 6 को

हैदराबाद, 3 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगरद्वय के कवियों की लोकप्रिय और सक्रिय संस्था गीत चाँदनी के तत्वावधान में कवि श्री सुनील मिश्रा के प्रथम कविता-संग्रह 'नये किरदार' का लोकार्पण रविवार, 6 जुलाई को सायं 6 बजे से क्लब हाउस, वर्टेक्स पनाश सोसाइटी, कोकापेट, हैदराबाद में संपन्न होगा।

आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में उक्ताशय की जानकारी देते हुए कवि गोविंद अक्षय ने बताया कि गीत चाँदनी का यह 44वाँ वर्ष चल रहा है। वरिष्ठ कवि श्री अंजनी कुमार गोयल कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे और 'नये किरदार' (कविता-संग्रह) का लोकार्पण अपने करकमलों द्वारा करेंगे। श्री ठाकुर दिनेश सिंह विशेष अतिथि एवं जनाब अब्दुल हमीद ख़ान सम्माननीय अतिथि होंगे और 'नये किरदार' (कविता-संग्रह) पुस्तक पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। गीत चाँदनी के अध्यक्ष व वरिष्ठ गीतकार श्री चंपालाल बैद कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। गोलकोण्डा दर्पण के संपादक, गीत चाँदनी के कार्यदर्शी व कवि गोविंद अक्षय संचालन करेंगे। अतिथियों और सभी कवियों को शॉल, स्मृति-चिह्न और भेंट प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर कवि श्री सुनील मिश्रा के सम्मान में कवि सम्मेलन संपन्न होगा, जिसमें आमंत्रित कविगण सर्वश्री चंपालाल बैद, गोविंद अक्षय, रत्नकला मिश्र, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, अंजनी कुमार गोयल, अतियब एज़ाज़, संत कुमार मंडल 'जागृति', तश्कील रज़्ज़ाकी, अब्दुल हमीद ख़ान, ठाकुर दिनेश सिंह और सुनील मिश्रा कविता-पाठ करेंगे। सभी हिंदी प्रेमी श्रोताओं और शुभचिंतकों से समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का अनुरोध किया गया है। इस अवसर पर कवि के सम्मान में रात्रि भोज की व्यवस्था रहेगी।

राज्य भर में सेटविन सेवाओं का विस्तार किया जाएगा : श्रीहरि

हैदराबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य के युवा सेवाओं, खेल और पशुधन मंत्री वाकिती श्रीहरि ने कहा कि राज्य की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी सेटविन राज्य भर में व्यापक सेवाओं को बनाए रखने के लिए सभी संभावित कदम उठा रही है। बुधवार दि. 02 जुलाई को, सेटविन के अध्यक्ष एन. गिरिधर रेड्डी और प्रबंध निदेशक के. वेनुगोपाला राव के साथ राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र के संगठन सेटविन के तत्वावधान में मोतीगली प्रशिक्षण केंद्र का दौरा किया। मंत्री ने केंद्र में आयोजित पाठ्यक्रमों के विवरण के बारे में पूछताछ की, जॉब फेयर के माध्यम से बेरोजगार युवाओं को प्रदान किए गए प्रशिक्षण के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर सेटविन लेखा अधिकारी सुरेश बाबू, अधीक्षक राधा कृष्ण, प्रशिक्षण प्रभारी एम. नवीन कुमार और मोतीगल्ली प्रशिक्षण केंद्र प्रभारी वेंकटेश्वर भी मौजूद थे।

सूत्रधार संस्था का पंचम वार्षिकोत्सव समारोह एवं बहुभाषी कवि सम्मेलन सम्पन्न

हैदराबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। साहित्य, कला, संस्कृति, शिक्षा और समाज सेवा हेतु समर्पित अग्रणी राष्ट्रीय संस्था- 'सूत्रधार साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था, हैदराबाद' भारत ने अपनी साहित्यिक यात्रा के 5 वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर हिन्दी प्रचार सभा, नामपल्ली, हैदराबाद के सभागार में पंचम वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन किया।

संस्थापिका सरिता सुराणा ने नगर द्वय के लब्ध प्रतिष्ठ वरिष्ठ साहित्यकार, प्रखर वक्ता, कवि एवं समालोचक प्रो.ऋषभदेव शर्मा को कार्यक्रम की अध्यक्षता करने हेतु मंच पर सादर आमंत्रित किया। तत्पश्चात् जैन समाज की वरिष्ठ समाजसेवी एवं कवयित्री श्रीमती विमलेश सिंघी को मुख्य अतिथि के रूप में, बैंगलुरु से इस समारोह के लिए विशेष रूप से पधारीं हुई एडवोकेट एवं कवयित्री श्रीमती अमृता श्री को मंच पर आमंत्रित किया। संस्था की उपाध्यक्ष श्रीमती ज्योति गोलामुडी को भी उन्होंने मंच पर आमंत्रित किया। तत्पश्चात् मंचासीन अतिथियों और संस्था के पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समारोह का प्रथम सत्र विशेष रूप से नन्हे-मुन्ने बाल कलाकारों को समर्पित था। इस सत्र में श्रीमती शुभ्रा मोहन्तो द्वारा संचालित अकादमी 'संगीत साधना संगीतालय, हैदराबाद' की सुश्री चन्द्रेयी मंडल, सुश्री आरुषि मंडल, सुश्री संघमित्रा बिस्वास, सुश्री शरन्या रावल और सुश्री ईशानी महापात्र ने सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की।

संस्थापिका सरिता सुराणा ने अपने स्वागत भाषण में सभी सम्मानित अतिथियों का शब्द पुष्पों से हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया। श्रीमती आर्या झा ने संस्था के पांच वर्षों के कार्यक्रमों और गति-प्रगति का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। तत्पश्चात् संस्था के पदाधिकारियों द्वारा मंचासीन अतिथियों का शॉल और मोती माला से सम्मान किया गया। उन्हें त्रैमासिक ई-पत्रिका- 'मंजरी' के प्रथम अंक की स्पाइरल बाइंडिंग कॉपी भेंट की गई। साथ ही साथ मंजरी पत्रिका के द्वितीय अंक के आवरण पृष्ठ का लोकार्पण अतिथि गणों, सम्पादक और पत्रिका की डिजाइनर द्वारा किया गया।

सम्मान के इस क्रम में संस्था की संरक्षक सदस्यता ग्रहण करने हेतु श्रीमती विमलेश सिंघी और श्रीमती किरन सिंह का शॉल, मोती माला और मोमेंटो से सम्मान किया गया।

डॉ. जयरामन बालकृष्णा द्वारा संचालित 'नृत्यांजलि आर्ट्स एकेडमी' की बालिकाओं- कुमारी राचा दिति वर्षिणी और कुमारी अंजना ने कुचिपुड़ी नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी। तत्पश्चात् सुश्री सन्निधि वर्मा ने बिरजू महाराज का तराना पर कत्थक नृत्य प्रस्तुत करके सबकी वाहवाही बटोरी। नृत्य के क्रम को आगे बढ़ाते हुए सुदेष्ना सामंत और सन्निधि वर्मा ने राधा-कृष्ण के प्रेम पर आधारित शानदार युगल नृत्य प्रस्तुत किया।

प्रिय सान्निध्य वर्मा ने अंग्रेजी और हिन्दी भाषा में स्वरचित कविताओं का पाठ किया। सुश्री गोलामुडी वेंकट अन्विका ने अपनी ओजस्वी वाणी में राम स्तुति प्रस्तुत करके सबका मन मोह लिया। वार्षिकोत्सव समारोह में भाग लेने वाले सभी बच्चों को अतिथि गणों द्वारा मोमेंटो और प्रमाण पत्र प्रदान करके सम्मानित किया गया। विशेष अतिथि अमृता श्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि हम 5 वर्ष पहले यहां हैदराबाद में ही मिले थे और फिर कोरोना काल के समय सरिता जी ने इस संस्था की नींव रखी और आज़ यह लहलहाता हुआ पौधा वृक्ष बनने की ओर अग्रसर है।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. ऋषभदेव शर्मा ने कहा कि साहित्य, कला, संस्कृति, शिक्षा और समाज सेवा ये सूत्रधार के पंच प्राण हैं और इन्हीं के सहारे सूत्रधार की सूत्रधार सरिता सुराणा जी देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी इसकी सौरभ फैला रही हैं। उन्होंने संस्था के उज्ज्वल भविष्य हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रदान की। श्रीमती ज्योति गोलामुडी ने प्रथम सत्र का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यह हम सबके लिए गर्व और प्रसन्नता की बात है कि आज़ सूत्रधार साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था के पंचम वार्षिकोत्सव समारोह में इतने बाल कलाकार शामिल हुए हैं और सबने बहुत सुन्दर प्रस्तुतियां दी हैं। द्वितीय सत्र में बहुभाषी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सत्र में केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, हैदराबाद केंद्र के निदेशक प्रो. गंगाधर वानोडे को मंच पर आमंत्रित करके उनका सम्मान किया गया। इस कवि सम्मेलन में विभिन्न कवियों ने अपनी रचनाओं का पाठ किया।

सुहास भटनागर ने सम्पूर्ण कार्यक्रम का कुशलतापूर्वक संचालन किया। इस कार्यक्रम में राजभाषा विभाग से जुड़े हुए अधिकारी - वी वेंकटेश्वर, विष्णु भगवान शर्मा, विश्वेश्वर कुमार श्रीवास्तव, डॉ. बी बालाजी, हिन्दी प्रचार सभा के विशेष अधिकारी श्रुतिकांत भारती की उपस्थिति रही। उनके साथ-साथ प्रदीप जाजू, सचिन एस पोतदार, नंदिता मंडल, सुजाता मोहपात्रा, तनुश्री मंडल, अमित झा, मनीष अखौरी, आलोक कुमार सक्सेना, किरन सिंह, तृप्ति मिश्रा, सुदेष्ना सामंत, वर्षा शर्मा, शीला इंगले, जे जगन्नाथ और सभी बच्चों के अभिभावक उपस्थित थे। काव्य पाठ के पश्चात् कार्यकारिणी समिति के समस्त सदस्यों का मोमेंटो से सम्मान किया गया। मंजरी पत्रिका के आवरण पृष्ठ एवं सम्पूर्ण पत्रिका की कंपोजिशन और तकनीकी कार्यों में सहयोग हेतु सुश्री खुशबू सुराणा का विशेष सम्मान किया गया। बिनोद गिरि अनोखा के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

फॉर्मूला ई घोटाले की जांच में अरविंद कुमार से तीसरी बार पूछताछ

हैदराबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एचएमडीए) के पूर्व आयुक्त अरविंद कुमार गुरुवार, 3 जुलाई को 54.8 करोड़ रुपये के कथित फॉर्मूला ई घोटाले के सिलसिले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के समक्ष पेश हुए।कुमार पर इस मामले में धन हस्तांतरित करने का आरोप है, जब वह भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के शासन के दौरान सरकार, नगर प्रशासन और शहरी विकास (एमएएंडयूडी) विभाग के विशेष मुख्य सचिव थे।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, THAMMINA VARALAXMI, is legally Wedded Wife of Service No. 14652817P, Rank: HAV, Name: THAMMINA V NAGESWARA RAO, Unit: MCEME 'B' Coy, Secunderabad, residing at H.No. 1-84, Ramalayam Street, VILL:VETAJANGALAPALEM, PO:KASIMKOTA, Teh:ANAKAPALLI, DIST:VISAKHAPATNAM, State: ANDHRA PRADESH, PIN: 531031, I have Changed my name from THAMMINA VARALAXMI to THAMMINA VARA LAKSHMI, That my date of birth is 14-04-1987, Affidavit P DAYAVATHI, LLM Vide Affidavit date 02/07/2025

CHANGE OF NAME

I, Service No. 14663557P, Rank: NK/AVN TECH(AE), Name:VINOD KUMAR, S/o. RAMJI MAURYA, Unit: 26 R&O FLT (6646 MAINT Fit) C/o 56 APO, Residing at Vill:ATESUAN, PO:MURDAHAN, Teh:SADAR, Dist: VARANASI, State:UTTAR PRADESH, Pin:221202, I have Changed my Father Name from RAMJI MAURYA to RAM JI, That my Father date of birth is 01-01-1960, Affidavit P DAYAVATHI, LLM Vide Affidavit date 02/07/2025

CHANGE OF NAME

I, T.SIVA KUMARI, Spouse of No.3200546M, Rank HAVILDAR, Name:TELLAMEKALA SREENIVASULU R/O. VTC & PO THALAMALLA, Sub-DIST:PODILI District Prakasam, State :Andhra Pradesh Pin No. 523253 and I have change my name from T.SIVA KUMARI to TELLAMEKALA SIVAKUMARI vide AffDt: 03-07-2025 Notary By MOHD HAMEED KHAN, ADVOCATE.

CHANGE OF NAME

I, Service No. 15435876X Hav (NA) YOGENDRA SINGH of Unit:68 Med Regt, C/o.56 APO, PIN:925768 hereby declare that my father name is to be changed from SHRI RAMJI LAL to RAMJEELAL vide affidavit dt:02-07-2025 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, SHAKUNTALA REDDY Spouse of Service No. IC 19638F Brigadier (Retd) G N REDDY, R/o.6A, Sector B, AWHO Colony, Sikh Road, Near Delhi Public School, Manovikas Nagar, Secunderabad-500009, Hyderabad Dist, Telangana have changed my name from SHAKUNTALA REDDY to GUDA SHAKUNTALA REDDY vide affidavit dt:02-07-2025 before X Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

छात्रों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए : वेंकटेश

कुमरमभीम/आसिफाबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि सरकारी स्कूलों और छात्रावासों में पढ़ने वाले छात्रों को मेनू के अनुसार समय पर पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाना चाहिए। बुधवार को उन्होंने जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी नदीम अहमद के साथ जिले के आसिफाबाद मंडल के बाबापुर गांव में तेलंगाना अल्पसंख्यक बालिका गुरुकुल स्कूल/कॉलेज का दौरा किया और स्कूल के आसपास के रसोईघर, आवश्यक वस्तुओं की गुणवत्ता, चावल के स्टॉक और पके हुए भोजन का निरीक्षण किया। इस अवसर पर बोलते हुए, जिला कलेक्टर ने कहा कि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाना चाहिए, खाना पकाने की आपूर्ति नियमित रूप से व्यवस्थित की जानी चाहिए और पका हुआ भोजन खाना चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्रों को हर दिन मेनू के अनुसार पोषण प्रदान किया जाना चाहिए और छात्रों को अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि गुरुकुल स्कूल भवन, शौचालय, शौचालय और स्कूल परिसर को साफ-सुथरा रखा जाना चाहिए और छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जानी चाहिए और उन्हें इस तरह से पढ़ाया जाना चाहिए जो उन्हें समझ में आए। उन्होंने कहा कि कक्षा में पिछड़े विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

नशे से जीवन नष्ट होता है : पाटिल

कुमरमभीम/आसिफाबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) । एसपी ने कहा कि नशे के दुरुपयोग और तस्करी को खत्म करने के लिए लोगों, युवाओं और छात्रों के बीच जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नशे के दुरुपयोग के बुरे परिणामों को पहचाना जाना चाहिए और युवा मारिजुआना और ड्रग्स के प्रभाव में अपनी जान गंवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को अच्छे लक्ष्य निर्धारित करके और उन्हें साकार करने की दिशा में कदम उठाकर नशे की लत में नहीं पड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि भले ही युवा प्रगति में बाधा बनते हैं, लेकिन सभी को समाज से मारिजुआना और ड्रग्स जैसे नशीले पदार्थों को पूरी तरह से खत्म करने के लिए काम करना चाहिए। अगर आपको जिले में कहीं भी मारिजुआना जैसे नशीले पदार्थ बिकते, तस्करी करते या इस्तेमाल होते हुए मिलें, तो आप तुरंत टोल-फ्री नंबर 1908 या 8712670551 पर कॉल करके जानकारी दें।

लाभार्थी नियमानुसार इंदिराम्मा आवास का निर्माण करें : दीपक तिवारी

कुमरमभीम/आसिफाबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
जिला अपर कलेक्टर (स्थानीय संस्थाएं) दीपक तिवारी ने कहा कि पात्र गरीब लाभार्थियों को सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले इंदिराम्मा आवास का निर्माण नियमानुसार किया जाना चाहिए। गुरुवार को उन्होंने जिले के आसिफाबाद मंडल के गोविंदपुर गांव का दौरा किया और इंदिराम्मा आवासों के निर्माण कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया। इस अवसर पर बोलते हुए जिला अपर कलेक्टर ने कहा कि सरकार इंदिराम्मा आवास योजना के माध्यम से पात्र गरीबों को घर मुहैया कराएगी। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों को सरकारी नियमों के अनुसार घर बनाने के तरीके के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए और बेसमेंट स्तर तक पूर्ण निर्माण से संबंधित बिलों का भुगतान करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि इंदिराम्मा आवासों का निर्माण कार्य किया जाना चाहिए। बाद में, उन्होंने ग्राम पंचायत के अंतर्गत एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय का दौरा किया और छात्रों को दिए जाने वाले मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता और खाना पकाने के बर्तनों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि सरकार सरकारी स्कूलों के विकास और विद्यार्थियों को सभी सुविधाओं के साथ शिक्षा प्रदान करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने आसिफाबाद सरकारी अस्पताल में लगाए गए सदाराम शिविर का दौरा किया और दिव्यांगों को दी जाने वाली सेवाओं और शिविर के प्रबंधन का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि सदाराम प्रमाण पत्र के लिए मी सेवा के माध्यम से स्लॉट बुक करने वाले और समय पर शिविर में उपस्थित होने वाले लोगों को आवश्यक परीक्षण कर पारदर्शी तरीके से प्रमाण पत्र जारी किए जाने चाहिए। इस कार्यक्रम में संबंधित अधिकारियों और अन्य लोगों ने भाग लिया।।

विद्यार्थियों को मेनू के अनुसार भोजन उपलब्ध कराया जाए : दुर्गा प्रसाद

मंचेरियाल,03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
एससीईडी चतरजुला दुर्गा प्रसाद ने कल्याण आश्रय स्थलों का निरीक्षण किया समाज कल्याण विभाग के कार्यकारी निदेशक चतर जुला दुर्गा प्रसाद ने कहा कि तेलंगाना समाज कल्याण छात्रावासों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को मेन्यू के अनुसार भोजन उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उन्होंने मंडमरी कस्बे के पुराने बस स्टैंड स्थित समाज कल्याण गर्ल्स कॉलेज छात्रावास, भाग्यनगर कॉलोनी स्थित समाज कल्याण बॉयज कॉलेज छात्रावास और श्रीपति नगर स्थित समाज कल्याण

बॉयज स्कूल छात्रावास का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों की उपस्थिति रिकॉर्ड और विद्यार्थियों को दिए जाने वाले भोजन का विवरण देखा। कल्याण उन्होंने कहा कि छात्रावास में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को दी जाने वाली सुविधाएं उपलब्ध कराना छात्रावास वार्डन की जिम्मेदारी है। उन्होंने उन्हें यह सुनिश्चित करने की सलाह दी कि विद्यार्थियों को किसी भी तरह की परेशानी न हो, छात्रावास के रसोईघर और आस-पास के क्षेत्रों को साफ-सुथरा रखें और यह सुनिश्चित करें कि विद्यार्थियों को किसी भी तरह की स्वास्थ्य संबंधी समस्या न हो। उन्होंने कहा कि उन्हें हमेशा विद्यार्थियों से बातचीत करनी चाहिए और उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। उनके साथ एए-सओ रविंदर, वार्डन तिरुमाला, किशोर और श्रीनिवास भी थे।

सबस्टेशन से बिजली की चोरी

यादागिरिगुट्टा, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
यादाद्री भुवनगिरी जिले के यादागिरिगुट्टा कस्बे में करंट सबस्टेशन पर बिजली कर्मचारियों की गतिविधियों का यह एक अच्छा उदाहरण है। सबस्टेशन पर स्थानीय स्तर पर काम करने वाले दो लाइन इंस्पेक्टर कटकुरी नरसिंह दास के पास चार्जिंग कार है और उन्हें लगता है कि अगर वे इसे अपने घर के पास रखेंगे तो बिजली का बिल ज्यादा आएगा, लेकिन वे रोजाना सबस्टेशन पर आकर सबस्टेशन में लगे बिजली मीटर से बिजली लेते हैं और अपनी कार को चार्ज करते हैं। जब पत्रकारों को इस बारे में पता चला तो उन्होंने स्थानीय एई से जाकर पूछा तो उन्होंने जवाब दिया कि अगर फोन पर चार्जिंग नहीं है तो कार में कैसे हो सकता है? जब उन्होंने जवाब दिया कि वे कार में भी ऐसा कर सकते हैं तो सभी हैरान रह गए। अब भी स्थानीय लोग मांग कर रहे हैं कि जिला स्तर के बिजली अधिकारी ऐसे कृत्य करने वालों पर ध्यान दें और उनका साथ देने वालों पर भी सख्त कार्रवाई करें।

सड़क पर गायों के झुंड से वाहन चालक परेशान

मंचेरियाल,03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
31वाथ शब्द अधिकारियों के लिए एक नोट: कृपया परिषद के ऊपर गायों के झुंड को देखें। उन्हें खिलाना अच्छा है, लेकिन वे दिन के समय लड़ते हैं और वाहन चालकों के लिए बहुत परेशानी पैदा करते हैं।सुबह 8:01 बजेहम चाहते हैं कि कोई इस बारे में बात करे।सुबह 8:02 बजेकुत्ता रात को परेशान रहता है।सुबह 8:02 बजेरतन चाचाभूखी गायों को तब तक भोजन पानी दो जब तक भूख लगे उन पर गिरने से कोई मतलब नहीं है जय देना छोड़ देती हैं तो उन्हें सड़कों पर छोड़ दिया जाता है। वहां से वे कसाइयों के हाथ लग जाती हैं और इनमें से कई तो सड़क दुर्घटनाओं का शिकार हो जाती हैं और कुछ वहीं दम तोड़ देती हैं। ऐसे हजारों मासूम गाय

(गौवंश संरक्षण अभियान) आवारा घूमती हैं और फेंके हुए खचरे से खाना खाती हैं या फिर भूख से तड़पते हुए खाने की तलाश में दूसरों के खेतों में घुस जाती हैं। जहां से उन्हें बुरी तरह से मार पीट कर भगा दिया जाता है। हम क्यों ये भूल जाते हैं कि जानवारों को खेत और सरहदों के बारे में नहीं पता है वे तो बस भूख के कारण मजबूर होकर खेतों में चली जाती हैं। जिसके लिए उन्हें असहनीय मार खानी पड़ती है।

जिस गौमाता में 33 करोड़ देवी देवताओं का वास है और जो गौमाता आपको जीवन भर दूध पिलाती है। क्या उस जीवनदायनी परमपूज्य गौमाता (के साथ ऐसा व्यवहार उचित है।

तानूर एसआई के रूप में शेख जुबेर ने पद्भार संभाला

तानूर,03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तानूर एस आई,के रूपमे शेख जुबेर ने बुधवार को पदभार संभाला है।

ज्ञातव्य हो के कुछ दिनो तक तानूर ट्रेनिं एस आई के रुपमें नितिन रेड्डी ने कार्य किया. और उनकी जगह पर बुधवार को तानूर पोलिस थने के लिए कार्यरत एस आई के रूपमे शेख जुबेर ने पदभार संभाला कर थाने के पोलिस अधिकारियों के साथ बैठक की वह पुलिस थाने से संभंधित गांव वह पोलिस थाने से संबंधित फाइलों की जांच करते की तथा तानूर मंडल क्षेत्र के बारेमे पोलिस अधिकारियों से पूछताछ कर जानकारी लेते हुवे एस आई के रूपमें पद ग्रहण किया.एस आई जुबेर ने बताया है के वह भैंसा टाउन ट्रेनिं एस के रुपमें कार्य कर तानूर पोलिस थाने को एस आई के रूपमें स्थलन्तर होने की जानकारी दी.इस अवसर पर तानूर पोलिस थाने के जवानों ने वह पत्रकारों ने एस आई जुबेर को को शाल मिठाई खिलाकर सन्मानित किया.तदुपारंत उन्होंने निर्मल ज़िल्ला एसपी जानकी शर्मिला से मुलाक़ात कर कार्य सुरुवात की ।

नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

किनवट,03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
लायन्स नेत्रालय नांदेड व श्री साईबाबा श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर संस्थान किनवट तत्वावधान में नि:शुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद सर्जरी व नि: शुल्क दंत जांच शिबीर किनवट स्थित ओम साई कल्याण मडपम पर आयोजित किया गया इस शिबीर मे 33 लोगो ने नाम पंजीयन किए थे जिसमे से 14 मोतिया बिद मरीज पाए गये उन्हे सर्जरी हेतू नांदेड लायन्स नेत्रालय की वाहन से नांदेड लेकरं ग ए वहापर नि:शुल्क मोतियाबिद आपरेशन कराके मरीजो को वापस किनवट छोडेगे प्रारंभ मे श्री साईबाबा श्री नर्मदेश्वर महादेव की पुजा अर्चना शिबीरार्थी द्वारा करके शिबीर शुरुआत हुआ इस नेत्र शिबीर मे नेत्रतज्ज्ञ डॉ अमोल पवळे, डॉ आशुतोष देशमुख, डॉ प्रभाकर पुयड ने नेत्र जांच किए और उनका बीपी, शुगर, की जांच कराई ग ई इसके अलावा नि:शुल्क दंत जांच दंत तज्ज्ञ डॉ बालाजी धर्मकारे ने की थी मंदिर संस्थान के सच्चिदानंद पवार गुरु स्वामी मार्गदर्शन मे और लायन्स क्लब किनवट के पुर्व अध्यक्ष के मूर्ती अण्णा की प्रमुख उपस्थिती मे शिबीर संपन्न हुआ इस अवसरपर व्यंकट भंडारवार, प्रशांत कोरडे,सुरज सातुरवार, राघवेंद्र जयस्वाल, रमेश बंडेवार, कामराज माडपेलीवार, कांबळे कोठारीकर आदि मौजुद थे यह शिबीर प्रत्येक माह के पहले गुरूवार को नि:शुल्क नेत्र जांच मोतियाबिंद सर्जरी शिबीर गत अनेक वर्षे से लगातार लिया जा रही है मंदिर संस्थान से उपस्थित शिबीरार्थियो की भोजन व्यवस्था किया जाता है अगला शिबीर गुरुवार 7 जुलाई को आयोजित किया जाएगा शिबीर की सफलता के लिए अमित पुजारी महाराज, अशोक गाडेकर नांदेड, गणेश झलके, उर्मिला कल्याणकर ने परिश्रम लिए थे।

कृषि अधिकारियों ने सोयाबीन फसल का निरीक्षण किया

मदनूर,03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
मंडल कृषि अधिकारी राजू ने मदनूर मंडल के वादीफतेपुर और मदनूर गांवों में मानसून के दौरान उगाई जा रही फसलों का निरीक्षण किया।

विशेष रूप से उन्होंने किसानों को सूचना दी कि सोयाबीन की फसलों में घास-खरपतवार को नियंत्रित करने के लिए क्विजालाफ इथाइल 40 मिली या प्रोपेक्विजापॉप 250 मिली को 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

इसके अलावा, यदि पौधे पर पत्ती का धब्बा हो तो 400 मिली इमेजिटफायर का छिड़काव करें। इसके अलावा, यदि घास की प्रजातियां और खरपतवार हैं, तो क्विज़ालोपॉप पी-इथाइल+ इमेजिटफायर 200 मिली या इमेजिटफायर + प्रोपेक्विज़ापॉप 800 मिली को 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

मंचेरियाल लक्षेतिपेट: ग्राम देवी बोनालु का उत्सव भव्य तरीके से मनाया गया गुरुवार को लक्षेतिपेटा मंडल के हनमंथपल्ली गांव में ग्रामीणों ने पोचम्मा बोनालू मनाया। पोचम्मा मंदिर के निर्माण की 12वीं वर्षगांठ के अवसर पर, उन्होंने मंदिर को सजाया और देवी को बोनालू के पौधे चढ़ाए। उन्होंने डेयरी फसल, गांव और छोटे-बड़े सभी की खुशहाली के लिए देवी से प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि जाति और धर्म से ऊपर उठकर लोगों ने पोचम्मा बोनालू कार्यक्रम में भाग लिया और पौधे लगाए।

देश के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश बी आर गवई , हालही में महाराष्ट्र के दौरे पर थे न्यायाधीश बी आर गवई नागपूर के एक निजी कार्यक्रम के लिए हॉटेल रेडिशन ब्लु पहुंचे थे वहा पर आदिवासी बहुल क्षेत्र किनवट न्यायालय वकील संघ के सचिव एड माज शकीलोद्दीन बडगुजर ने सदिच्छा भेंट कर उनका स्वागत एवं सत्कार किया गया।

किसानों को अधिक कीमत पर खाद-बीज बेचे जाने पर सख्त कार्रवाई होगी : डेविड

कुमरमभीम/आसिफाबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
किसानों को अधिक कीमत पर खाद-बीज बेचे जाने पर प्रकरण दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाएगी, यह बात जिला अपर कलेक्टर (राजस्व) एम. डेविड ने कही। गुरुवार को जिले के केरामेरी मंडल केंद्र में एस.के. मस्तान बीज एवं खाद दुकान का औचक निरीक्षण किया गया तथा स्टॉक, रजिस्टर, गोदाम, तौल मशीन एवं रसीद बुक की जांच की गई। इस अवसर पर

बोलते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त खाद-बीज किसानों को निर्धारित मूल्य पर ही बेचे जाएं तथा अधिक कीमत पर बेचे जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि दुकान के सामने स्टॉक भण्डारण का विवरण एवं मूल्य सूची प्रदर्शित की जाए तथा यूरिया, डीएपी, अन्य दवाइयां एवं बीज सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य पर ही बेचे जाएं। उन्होंने कहा कि स्टॉक का विवरण प्रतिदिन प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग के अधिकारी जिले में कृषि के लिए आवश्यक यूरिया और डीएपी की कमी पर नजर रखें और किसानों की ओर से शिकायत आने पर तत्काल कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि नकली/प्रतिबंधित बीज और खाद बेचे जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कन्नेपल्ली मंडल में नृशंस हत्या

कन्नेपल्ली, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
जिले के कन्नेपल्ली मंडल के मेट्टुपल्ली गांव के मुडी मदुगुला तिरुपति नामक शराबी ने बुधवार रात अपनी पत्नी तुलसी (35) की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी।

वह शराब पीकर रोज अपनी पत्नी से झगड़ा करता था क्योंकि उसे उस पर शक था। उसने कल रात बहुत शराब पी और शराब के नशे में उसकी हत्या कर दी।

सूचना मिलने के बाद कन्नेपल्ली एसआई गंगाराम और तंदूर सीआई कुमारस्वामी मौके पर पहुंचे और जांच कर रहे हैं।

रेवंत रेड्डी ने निवेशकों को अटूट समर्थन का आश्वासन दिया

हैदराबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अविभाजित आंध्र प्रदेश और अब तेलंगाना में लगातार सरकारों द्वारा 1990 के दशक के मध्य से नीतिगत निरंतरता की पुष्टि करते हुए, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को निवेशकों को राज्य सरकार की ओर से अटूट समर्थन का आश्वासन दिया।

वे गुरुवार, 3 जुलाई को महेश्वरम के आईपी जनरल पार्क में मालाबार रत्न एवं आभूषण विनिर्माण इकाई के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि अविभाजित आंध्र प्रदेश में टीडीपी और कांग्रेस 10-10 साल तक सत्ता में रहीं, उसके बाद बीआरएस ने 2014 से दिसंबर 2023 तक तेलंगाना पर शासन किया।

उन्होंने कहा, निवेश और औद्योगिक विकास पर हमारी नीतियों में कोई बदलाव नहीं आया है। सरकारें आती-जाती रहती हैं, लेकिन हमारी नीतियां और प्रोत्साहन एक समान रहते हैं। मैं हर निवेशक को आश्वस्त करना चाहता हूं कि हम आपका समर्थन करने के लिए यहां हैं।

उन्होंने कहा, हम यहां प्रोत्साहन देने के लिए हैं। आइए, निवेश कीजिए और व्यापार कीजिए। तेलंगाना का मतलब है लाभ, आइए और तेलंगाना में निवेश कीजिए। उन्होंने व्यापार के अनुकूल माहौल को बढ़ावा देने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने घोषणा की कि राज्य सरकार हैदराबाद के बाहरी इलाके में 30,000 एकड़ में 'भारत फ्यूचर सिटी' विकसित कर रही है, जहाँ मालाबार समूह की इकाई भी स्थित है। शहर की वैश्विक महत्वाकांक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए रेड्डी ने कहा, हैदराबाद दुनिया के साथ प्रतिस्पर्धा करेगा, और कहा कि तेलंगाना के युवाओं के पास उस दृष्टि को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक कौशल हैं।

दीर्घकालिक प्रगति को रेखांकित करने के लिए, सरकार 'तेलंगाना राइजिंग 2047' रोडमैप तैयार कर रही है, जिसमें अगली सदी में राज्य के विकास की कल्पना की गई है। उन्होंने कहा कि सिंगापुर और अन्य देशों की कंसल्टेंसी फर्म फ्यूचर सिटी के विकास की योजना बनाने में शामिल हैं।

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने आदेशों की अनदेखी करने पर मुख्य सचिव को अवमानना नोटिस जारी किया

हैदराबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव और नगर प्रशासन विभाग की प्रधान सचिव टीके श्रीदेवी को इंदिरम्मा आत्मीय भरोसा योजना से संबंधित अपने पहले के निर्देशों की कथित रूप से अनदेखी करने के लिए अदालत की अवमानना का नोटिस जारी किया है।

नारायणपेट जिले के एक निवासी ने जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की थी, जिसमें राज्य से आत्मीय भरोसा योजना को लागू करने का आग्रह किया गया था, खास तौर पर नगर पालिकाओं में रहने वाले भूमिहीन गरीबों को लाभ पहुंचाने के लिए। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि संबंधित विभाग उसके प्रतिनिधित्व पर कार्रवाई करने में विफल रहे, जिसके कारण उसे अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ा।

27 जनवरी को हाईकोर्ट ने सुनवाई पूरी कर तेलंगाना सरकार को याचिकाकर्ता के प्रतिनिधित्व पर तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि बिना देरी के फैसला लिया जाना चाहिए। हालांकि, बाद में याचिकाकर्ता ने अवमानना याचिका दायर कर आरोप लगाया कि सरकारी अधिकारियों ने जानबूझकर कोर्ट के आदेशों की अवहेलना की है।

आरोपों को गंभीरता से लेते हुए हाईकोर्ट ने अब अवमानना कार्यवाही शुरू कर दी है और मुख्य सचिव तथा अन्य शीर्ष अधिकारियों को नोटिस जारी किया है।

मामले की अगली सुनवाई 29 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

होटल में लगी आग, 24 घंटे में तीसरी घटना सामने आई

हैदराबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के एसआर नगर में गुरुवार, 3 जुलाई को एक पांच मंजिला इमारत में आग लग गई, जो पिछले 24 घंटों में शहर में तीसरी घटना है।

कॉफी डे रेस्टोरेंट वाली बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर दोपहर करीब 3:40 बजे आग लग गई। अग्निशमन अधिकारियों को संदेह है कि आग की वजह रसोई में शॉर्ट सर्किट हो सकता है।इमारत की बाकी मंजिलों पर कृष इन नाम से होटल भी संचालित होता है। निचली मंजिलों से धुआं निकलता देख कमरों में मौजूद लोग घबरा गए।

हालांकि, अग्निशमन अधिकारियों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और इमारत से सभी लोगों को बचा लिया।

घटना की सूचना मिलते ही चार दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंची और लगभग 30-40 मिनट में आग पर काबू पा लिया।

किसी के घायल होने या हताहत होने की खबर नहीं है। हालांकि इमारत को हुए कुल नुकसान का अभी पता नहीं चल पाया है। इससे पहले दिन में सनतनगर के राजराजेश्वरी नगर में एक घर में रेफ्रिजरेटर में विस्फोट के कारण आग लग गई। विस्फोट के समय घर खाली था, इसलिए किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।कटेदान क्षेत्र में एक रबर फैक्ट्री में सुबह करीब 4 बजे आग लग गई।

आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। सौभाग्य से, दुर्घटना के समय वहां कोई मौजूद नहीं था।

फार्मा विस्फोट : 12 कर्मचारियों को बर्खास्त किया गया

हैदराबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।फार्मा कंपनी सिगाची इंडस्ट्रीज लिमिटेड के 12 कर्मचारियों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है और उन्हें एक लाख रुपये की अंतरिम राहत प्रदान की गई है।

संगारेड्डी के पाशमिलारम क्षेत्र में स्थित रासायनिक संयंत्र में 30 जून को हुए शक्तिशाली विस्फोट में श्रमिक झुलस गए थे, जिसमें 38 कर्मचारियों की मौत हो गई थी।गुरुवार, 3 जुलाई को जारी एक नए बयान में फार्मा कंपनी ने बताया कि 33 घायलों में से 12 को छुट्टी दे दी गई है। विज्ञप्ति में कहा गया है, सिगाची इंडस्ट्रीज के टीम सदस्य प्रभावित परिवारों को भावनात्मक और तार्किक सहायता प्रदान करने के लिए अस्पतालों में चौबीसों घंटे उपलब्ध हैं।घातक विस्फोट के कारणों की प्रारंभिक जांच सात दिनों के भीतर प्रस्तुत की जाएगी। जांच का नेतृत्व वर्तमान में तेलंगाना के मुख्य सचिव रामकृष्ण राव कर रहे हैं।कंपनी ने अपने पहले के बयान को दोहराया कि दुर्घटना का कारण रिएक्टर विस्फोट नहीं था, जैसा कि पहले अनुमान लगाया गया था।इससे पहले, कंपनी ने आग दुर्घटना में जान गंवाने वाले प्रत्येक मृतक के परिजन को एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की थी।राज्य सरकार ने गंभीर रूप से घायलों को 10 लाख रुपये और मामूली रूप से घायलों को 5 लाख रुपये देने की घोषणा की है।

अधिकारियों के अनुसार, माइक्रोक्रिस्टलाइन सेलुलोज (एमसीसी) सुखाने वाली इकाई में विस्फोट के समय कारखाने में 143 व्यक्ति मौजूद थे।

कमजोरी की शिकायत के बाद केसीआर अस्पताल में भर्ती

हैदराबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सुप्रीमो और तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) को सामान्य कमजोरी की शिकायत के बाद गुरुवार रात यशोदा अस्पताल में भर्ती कराया गया।

डॉक्टरों द्वारा उनके स्वास्थ्य की जांच में पाया गया कि केसीआर का ब्लड शुगर लेवल हाई है और सोडियम लेवल कम है, जिसके कारण उन्हें भर्ती कराया गया। जनरल फिजिशियन डॉ. एमवी राव की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि अन्य सभी महत्वपूर्ण पैरामीटर सामान्य सीमा के भीतर हैं और 71 वर्षीय केसीआर फिलहाल कड़ी निगरानी में हैं।

उनके भर्ती होने की खबर मिलने के बाद, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने भी कथित तौर पर केसीआर के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

प्रेस रिलीज में यह भी कहा गया है कि केसीआर की हालत फिलहाल स्थिर है। इससे पहले केसीआर की हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी भी हुई थी।दिसंबर 2023 में एरावली में अपने फार्महाउस पर गिरने के बाद उन्हें फ्रैक्चर हो गया था। सर्जरी के बाद उन्हें उसी महीने अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। 2023 के तेलंगाना विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से हारने के बाद से बीआरएस प्रमुख को आम तौर पर सार्वजनिक रूप से ज्यादा नहीं देखा गया है।केसीआर ने तब से अब तक बहुत कम ही बार अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है, जिससे कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। कई लोगों को उम्मीद है कि अगले चुनाव के करीब आने पर वह और अधिक सक्रिय हो जाएंगे, जबकि अन्य लोगों का मानना है कि वह जल्द ही अपने बेटे और बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव को कमान सौंप देंगे।

पेट्रोल पंप कर्मचारियों की त्वरित सूझबूझ से हैदराबाद में बड़ा अग्नि हादसा टला

हैदराबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के मैलारावदेवपल्ली क्षेत्र में भारत पेट्रोल पंप पर गुरुवार, 3 जुलाई की शाम को एक कार में अचानक आग लगने के बाद पेट्रोल पंप कर्मचारियों के त्वरित हस्तक्षेप से एक बड़ी दुर्घटना टल गई। दुर्घटना के वीडियो इंटरनेट पर सामने आए हैं, जिसमें कार के इंजन से आग निकलती दिखाई दे रही है और पेट्रोल पंप कर्मचारी मिट्टी और अग्निशामक यंत्रों से उसे बुझाने का प्रयास कर रहे हैं।इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

इससे पहले दिन में, सनतनगर के राजराजेश्वरी नगर में एक आवासीय घर में रेफ्रिजरेटर में विस्फोट के कारण भीषण आग लग गई।आग से घर को भारी नुकसान पहुंचा; हालांकि विस्फोट के समय घर में कोई मौजूद नहीं था और किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।हाइड्रा फायर ब्रिगेड के अग्निशमन कर्मियों ने त्वरित प्रतिक्रिया की तथा अधिक नुकसान होने से पहले ही आग पर काबू पा लिया।

कांग्रेस शासन के मात्र 19 महीनों में तेलंगाना का कर्ज 2 लाख करोड़ के पार !

हैदराबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना का सार्वजनिक ऋण आधिकारिक तौर पर कांग्रेस के शासन में 2 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है, पार्टी के सत्ता में आने के बमुश्किल 19 महीने बाद मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के लगातार दावों के बावजूद कि राज्य नया ऋण जुटाने में असमर्थ है, कांग्रेस सरकार आक्रामक रूप से उधार लेने और ऋण जमा करने में लगी हुई है जो पिछली बीआरएस सरकार के साढ़े नौ साल के दो कार्यकालों में लिए गए ऋणों का लगभग आधा है।आरबीआई, सीएजी और राज्य के खुलासे से पता चलता है कि अकेले दिसंबर 2023 और मार्च 2025 के बीच सरकार ने 1.66 लाख करोड़ रुपये से अधिक उधार लिए।चालू वित्त वर्ष के लिए वार्षिक अनुमान 2025-26 के लिए एफआरबीएम सीमा के तहत बाजार उधारी में 64,539 करोड़ रुपये है, इसके अलावा ऑफ-बजट ऋण भी हैं। राज्य ने चालू वित्त वर्ष में 1 जुलाई तक बाजार उधारी के माध्यम से लगभग 18,900 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कहा जाता है कि इस अवधि के दौरान विभिन्न निगमों और विशेष प्रयोजन वाहनों (एसपीवी) के माध्यम से दिए गए ऑफ-बजट ऋणों से अतिरिक्त 15,000 करोड़ रुपये-16,000 करोड़ रुपये जुटाए गए हैं।अगले तीन महीनों में सरकार बाजार उधारी के माध्यम से 12,000 करोड़ रुपये और उधार लेने वाली है। इस वित्तीय तिमाही में गैर-एफआरबीएम मार्गों के माध्यम से कम से कम 10,000 करोड़ रुपये और जुटाने की योजना है।रेवंत रेड्डी ने बार-बार दावा किया है कि तेलंगाना को पिछले बीआरएस शासन के दौरान जमा किए गए भारी कर्ज के कारण अपने उचित उधार लेने के अवसर से वंचित किया गया है।

उप्पल में 10.9 लाख के ड्रग्स के साथ दो लोग गिरफ्तार

हैदराबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। ईगल की राचकोंडा नारकोटिक्स पुलिस टीम ने गुरुवार को उप्पल के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में अवैध ड्रग्स रखने के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 200 ग्राम ओजी कुश और 12 ग्राम एक्स्टसी गोलियां जब्त कीं, जिनकी कुल कीमत 10.9 लाख रुपये है ।

गिरफ्तार किए गए दोनों व्यक्ति, के मोहित और स्वप्निल वार्थे, दोनों सिकंदराबाद के रहने वाले हैं, जो मुंबई के स्थानीय डीलरों से ड्रग्स खरीदते थे और उन्हें कूरियर और मानव वाहकों के माध्यम से हैदराबाद पहुंचाते थे। उनके पास उपभोक्ताओं का एक अलग नेटवर्क था, जिन्हें वे दवाएं बेचते थे और आसानी से पैसा कमाते थे।

सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए दोनों को पकड़ लिया गया और मादक पदार्थ जब्त कर लिया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.